www.navpradesh.com
दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 74 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

तीन दशक बाद लौटे मांदर के सुर बस्तर में बदल रही ज़िंदगी की धुन

आरती रॉय चौधरी

नवप्रदेश विशेष

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण छत्तीसगढ़ के मनोरम और साल के घने जंगलों में 'मौसम' बदलने लगा है। यहां की हरीभरी वादियों में दूर बसे गांवों में अब बदलाव की आवाज़ साफ सुनाई देने लगी है। बस्तर अंचल के ये गांव जो कभी गोलियों की गूंज और आईईडी के धमाकों की आवाज़ों से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संघर्ष से प्रभावित क्षेत्र अब सामान्य स्थिति की ओर

वरिष्ठ पत्रकार रजत वाजपेयी के अनुसार, 'इसे केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं कहा जा सकता, यह समुदायों में बढ़ते आत्मविश्वास और सामान्य जीवन की ओर लौटने का संकेत है।' प्रकृति की गोद में बसे बस्तर में त्योहार सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी पहचान और सामाजिक जीवन का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में इनका पुनर्जीवन इस बात का संकेत है।

भेज्जी में तीन दशक बाद मांदर की थाप गूंजी

भेज्जी में करीब तीन दशक बाद मांदर की थाप फिर गूंजी है। यह आवाज स्थानीय लोगों के लिए परिचित जरूर है, लेकिन इस बार इसका अर्थ बदल गया है। मांदर की यह थाप उस बस्तर की कहानी कह रही है जो धीरे-धीरे खौफ और आतंक से बाहर निकलकर फिर से सामान्य जन-जीवन की ओर लौट रहा है।

आयुष्मान का सहारा: मुख्यधारा में लौटे युवाओं के चेहरे पर लौटी सीएम साय की पहल से मुस्कान

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं को अब शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक लाभ मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इन युवाओं को नई शुरुआत देने के लिए जरूरी दस्तावेजों और सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। पुनर्वासित युवाओं को सशक्त बनाने के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

युवाओं में दिखा नया आत्मविश्वास

आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने के बाद पुनर्वासित युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास साफ नजर आया। उन्होंने शासन और प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जताई।

समावेशी विकास की ओर मजबूत कदम

यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के लिए भी प्रेरित कर रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि ऐसे सभी युवाओं को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। वहीं आयुष्मान कार्ड से लाखों का मुफ्त इलाज होगा।

आज बेबाक

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की पप्पूगिरी पहले भी चर्चा का विषय बनती रही है। वे कांग्रेस में घुसपैठ की फिराक में हैं इसलिए मीडिया की सुर्खियां बटोरने आए दिन अनाप शनाप बयान देते रहते हैं। उनका मानना है कि बदनाम होंगे तो भी क्या नाम न होगा। इस बार उन्होंने जोश में होश खोते हुए राजनीति में आने वाली नब्बे प्रतिशत महिलाओं के बारे में ऐसी घोर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है जिसकी चौतरफा कड़ी निंदा हो रही है। नारी शक्ति के प्रति ऐसी घृणित सोच रखने वाले नेता यह भूल गए कि उनकी पत्नी भी राजनीति में हैं।

तापमान	
अधिकतम 43°	न्यूनतम 28°

बाजार भाव	
गोल्ड 141,100	सिल्वर 2,50,698

शेयर बाजार	
सेंसेक्स 77,664.00	निफ्टी 24,173.05

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,288,883,748	1474441297

गरमा-गरम

विधानसभा चुनाव: पश्चिम बंगाल में भाजपा-टीएमसी के बीच मुकाबला, तमिलनाडु में 85 फीसदी मतदान

बंगाल में वोटिंग की 'सुनामी', 92% मतदान, तमिलनाडु ने भी रचा इतिहास

कोलकाता/चेन्नई (ए.)। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 92.10% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 84.95% वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 8 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। दोनों राज्यों में आजादी के बाद अब तक सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है।

इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29% था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72% मतदान दर्ज किया गया था। ममता बैनर्जी ने वोटिंग के बाद कहा- बंगाल की जनता ने एसआईआर के खिलाफ बंपर वोटिंग की है। इससे पहले असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91% वोटिंग, पुडुचेरी में 90% मतदान और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी। बीरभूम के बोधपुर गांव में ईवीएम खराब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर हमला

पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। सुवेंदु हमले से बचने के लिए भागते दिखे। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है।

भाजपा प्रत्याशी अग्निमित्रा पॉल की कार पर पथराव

इधर, बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। अग्निमित्रा ने हीरापुर पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है। बंगाल में कई अन्य जगहों पर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही है।

झालमुड़ी मैंने खाई, मिर्च विपक्षियों को लग रही: मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल के मथुरापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैली की । उन्होंने कहा- जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। मोदी ने कहा कि बंगाल की धरती मां दुर्गा को पूजती है, लेकिन टीएमसी ने महिला आरक्षण के खिलाफ वोटिंग की। टीएमसी की सरकार में गुंडों और बलात्कारियों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। बंगाल की बेटियां ये अत्याचार कभी नहीं भूल सकतीं। चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाने पर उन्होंने कहा- झालमुड़ी मैंने खाई है पर मिर्च विपक्ष को लग रही है। अब का मतदान सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं। पीएम मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई थी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

साल	वोट प्रतिशत	जीत
2011	84.3	टीएमसी
2016	82.7	टीएमसी
2021	82.3	टीएमसी
2026	92 प्रतिशत (पहले चरण में)	

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

साल	वोट प्रतिशत	जीत
2011	78.1	एआईएडीएमके
2016	74.24	एआईएडीएमके
2021	72.73	डीएमके
2026	84.95 प्रतिशत मतदान	

ट्रम्प ने शेयर की भारत को नरक बताने वाली चिट्ठी

■ आरोप- भारतीय अमेरिका में बच्चों को जन्म देकर नागरिकता लेते हैं, फिर परिवार बुलाते हैं

वॉशिंगटन डीसी/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें भारत और चीन को हेल होल (नरक का द्वार) बताया गया है। यह चिट्ठी कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज की है, जिसमें जन्म के आधार पर नागरिकता देने की आलोचना की गई है और भारत-चीन समेत कई देशों पर विवादित टिप्पणी की गई है। इसमें लिखा गया है कि प्रवासी जन्म के आधार पर अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं।

फिर पूरा परिवार अमेरिका आ जाता है। इसमें बर्थराइट कानून की आलोचना करते हुए कहा गया है कि इसका फैसला अदालतों या वकीलों से नहीं, बल्कि देशव्यापी वोटिंग से होना चाहिए। इस चिट्ठी के साथ सैवेज का वीडियो भी टैग है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय की भी प्रतिक्रिया आई है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा- फिलहाल मैं बस इतना ही कहूंगा कि हमने इसे जुड़ी कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने 22 दिन पुराने वीडियो का टेक्स्ट शेयर किया

इस वीडियो को माइकल सैवेज ने 1 अप्रैल को अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया था। इसमें कही गई बातों को ट्रम्प ने 4 पन्नों में ट्रुथ सोशल पर शेयर किया है। इसमें सैवेज कहते हैं कि, '(अमेरिकी) संविधान तब लिखा गया जब लोग हवाई यात्रा भी नहीं करते थे। कहने की जरूरत नहीं है, टेलीविजन से पहले, इंटरनेट से पहले, रेडियो और हवा से पहले।' संविधान के कई तर्क अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। अब कुछ लोग गर्भावस्था के आखिरी समय में अमेरिका आकर बच्चे को जन्म देते हैं, जिससे बच्चे को तुरंत नागरिकता मिल जाती है। फिर उसी आधार पर वे अपने परिवार के बाकी लोगों को भी अमेरिका बुला लेते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है। अब प्रवासियों में देश के प्रति पहले जैसी भावना भी नहीं दिखती।

जग्गी हत्याकांड: अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सरेंडर पर रोक

■ सीबीआई से मांगा जवाब, उम्रकैद-अपील दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए सीबीआई, राज्य सरकार और सतीश जग्गी को नोटिस जारी किया। साथ ही फैसला आने तक अमित जोगी के सरेंडर और जेल जाने पर रोक लगा दी।

अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। पहला, जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब दोनों मामले की एक साथ सुनवाई हुई। इससे पहले हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आईपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके बाद जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

जज से बहस वाले वीडियो पर केजरीवाल को नोटिस

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। याचिका बिना इजाजत कोर्ट की कार्यवाही रिकॉर्ड करने और उसे सोशल मीडिया पर सर्कुलेट करने को लेकर है। कोर्ट ने सभी वीडियो डिलीट करने और लिंक हटाने के निर्देश दिए हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक याचिका एडवोकेट वैभव सिंह ने लगाई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया, पत्रकार रवीश कुमार और अन्य के खिलाफ नोटिस जारी किया है।

रायगढ़ के जंगल में मिला बेबी एलीफेंट का शव

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के एक शावक का शव जंगल में मिला है। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम कराया गया।

मिर्जापुर में हादसा-11 मौतें, बोलेरो में 9 जिंदा जले

■ बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा, शवों को पहचानना मुश्किल

मिर्जापुर (ए.)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं। रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई।

आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धू-धू कर जलती रही। मौके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अंबिकापुर में प्लास्टिक और पटाखे की दुकान में भीषण आग, चपेट में दो घर

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर में प्लास्टिक-पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गई। यहां मुकेश प्लास्टिक की होलसेल शॉप है। जहां लाखों रुपए के प्लास्टिक के सामानों और पटाखों का भंडारण है।

1 घंटे के अंदर आग ने 2 मंजिला बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। दुकान से सटे घर में भी आग लग गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। प्लास्टिक सामान जलने के बाद आग से पटाखे जलने लगे, जिससे लगातार धमाके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जनहानि नहीं हुई है। आसपास के घरों को खाली कर दिया गया है। जल्द आग पर काबू पा लिया जाएगा।
- **अजीत वसंत**, कलेक्टर, सरगुजा

शहर की जितनी भी गलियां है, इसमें फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकती। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करूंगा की वे रोड का चौड़ीकरण करने दें।
- **राजेश अग्रवाल**, पर्यटन मंत्री, छत्तीसगढ़

पंचायती राज दिवस विशेष : गांव का यह मॉडल बालोद सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा स्त्रोत

महिला सरपंच के नेतृत्व में मरकाटोला बना नशामुक्त आदर्श गांव

सुप्रीत शर्मा

बालोद/नवप्रदेश। पंचायती राज दिवस (24 अप्रैल) के अवसर पर डौंडी ब्लॉक के अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम पंचायत मरकाटोला (सुरडोंगर) आज एक मिसाल बनकर उभरी है, जहां पेसा एक्ट के प्रभावी उपयोग से पंचायत प्रतिनिधियों, महिला सरपंच और ग्राम विकास समिति ने मिलकर गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में सफल पहल की है। यह मॉडल अब बालोद जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सामाजिक बुराइयों पर लगा विराम

इस निर्णय के बाद– गांव में झगड़े और विवाद कम हुए हैं। महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। सामाजिक वातावरण शांत और सकारात्मक हुआ है। सरपंच श्रीमती तारा देवी दर्रो, उपसरपंच किशोर कुमार साहू, ग्राम सभा अध्यक्ष बीआर देवहारी, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष तोरण सिंह मरकाम एवं युवा सेवा समिति अध्यक्ष शवेश मरकाम सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के उज्वल भविष्य और गांव के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

शराब से गांव माहौल था खराब, अब शांति

गांव में पहले शराब की अवैध बिक्री, खासकर कच्ची महुआ शराब की बिक्री से माहौल बिगड़ रहा था, लेकिन ग्राम सभा के फैसले के बाद अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। होली के बाद से अब तक कोई शिकायत नहीं आई और गांव में शांति बनी हुई है।
- **तारा दर्रो**, सरपंच, ग्राम पंचायत मरकाटोला

छत्तीसगढ़ के लिए बना मॉडल

मरकाटोला-सुरडोंगर की यह पहल अब पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन का एक सफल उदाहरण बन चुकी है। यह दिखाता है कि अगर पंचायत प्रतिनिधि, खासकर महिला नेतृत्व और ग्राम समिति मिलकर काम करें तो सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण संभव है। पंचायती राज दिवस पर यह गांव यह संदेश दे रहा है कि सशक्त ग्राम सभा और जागरूक पंचायत ही सशक्त समाज की नींव है। अब जरूरत है कि अन्य पंचायतें भी इस मॉडल को अपनाएं और नशामुक्त, सुरक्षित गांव की दिशा में कदम बढ़ाएं।

राष्ट्रगान से होती है दिन की शुरुआत, नशा छोड़ बना आदर्श गांव, सपोस बना मिसाल

जयदेव सिंह

नवप्रदेश विशेष

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद जिले के पिथौरा ब्लॉक का ग्राम पंचायत सपोस आज एक ऐसी मिसाल बन चुका है, जो पूरे जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है। कभी नशे की गिरफ्त में रहा यह गांव आज नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बन चुका है।

इस गांव की सबसे खास पहचान है, हर सुबह 7:40 बजे गूंजने वाला राष्ट्रगान। जैसे ही राष्ट्रगान बजता है, गांव में जहां जो भी होता है महिला, पुरुष या बच्चे, वहीं सावधान मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रध्वज को सलामी देते हैं। यह परंपरा अब गांव की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। सपोस पंचायत ने बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी अनोखी पहल की है। पिछले 7-8 वर्षों से 'सरपंच बिटिया रानी सहायता योजना' के तहत गांव में जन्म लेने वाली हर बेटी के नाम पर पोस्ट ऑफिस में 5 हजार रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट कराया जाता है। 18 वर्ष की आयु पूरी होने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ओवररेट शराब, नशाखोरी और अव्यवस्था का फैलता जाल, आबकारी और पुलिस पर उठे सवाल!

छुईखदान/नवप्रदेश। छुईखदान में हालात अब सिर्फएक शिकायत का मुद्दा नहीं रहे, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली स्थिति बन चुके हैं। शराब दुकानों पर ओवररेट वसूली, चखना दुकानों की मनमानी, सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और बढ़ती नशाखोरी–ये सब मिलकर प्रशासनिक ढिलाई की एक गंभीर तस्वीर पेश कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, छुईखदान में शराब 20 से 50 रुपये तक अधिक कीमत पर बेची जा रही है। इस पर तब और सवाल खड़े हो गए जब पास के खैरागढ़ में वही शराब करीब 30 रुपये सस्ती मिलती पाई गई। यह अंतर साफ तौर पर बताता है कि मामला सरकारी रेट का नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर हो रही ओवरचार्जिंग का है। क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार की नीति के अनुसार शराब के दाम पूरे राज्य में एक समान लागू होते हैं–ऐसे में दो जगहों पर अलग-अलग कीमतें सीधे अनियमितता की ओर इशारा करती हैं।

इसी के साथ शराब दुकानों के सामने चल रही चखना दुकानों में भी मनमानी चरम पर है। खाने-पीने की वस्तुएं ऊंचे दामों पर

बेची जा रही हैं और साफ-सफाई की हालत बेहद खराब है। खुले में फैली गंदगी न सिर्फमाहौल खराब कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन रही है।

स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब छुईखदान के खेल मैदान, जहां बच्चों और युवाओं को खेलना चाहिए, शाम होते ही शराबियों का अड्डा बन जाते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराब पीना आम होता जा रहा है, जिससे सामाजिक माहौल पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

नशे के बढ़ते चलन को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांजा बेचने वालों तक प्रशासन की पहुंच नहीं बन पा रही, लेकिन जगह-जगह गांजा पीते लोग आसानी से देखे जा सकते हैं। यह स्थिति साफ तौर पर कानून-व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाती है।

पूरे मामले में अब सबसे बड़ा सवाल आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन दोनों की भूमिका पर उठ रहा है। आबकारी विभाग पर आरोप है कि वह शराब दुकानों में ओवररेट वसूली और चखना दुकानों की अनियमितताओं पर सिर्फऔपचारिक कार्रवाई कर रहा है। वहीं पुलिस प्रशासन पर सवाल है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं किया जा रहा।

लगातार शिकायतों के बावजूद यदि हालात ऐसे ही बने रहते हैं, तो यह साफसंकेत है कि जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित रह गई है। छुईखदान के मौजूदा हालात अब यह पूछने पर मजबूर कर रहे हैं–आखिर कानून और नियमों का पालन कौन कराएगा? आबकारी और पुलिस विभाग कब तक इस स्थिति पर चुप्पी साधे रहेंगे? अब नजर इस बात पर है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कब और कितनी सख्ती से कदम उठाता है।

विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, नपा अध्यक्ष ने किया विभिन्न निर्माण कामों का निरीक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका क्षेत्र में इन दिनों विकास कार्यों ने गति पकड़ ली है। विभिन्न वार्डों में जारी निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 04 में बन रही सीसी नाली का जायजा लिया गया। यह नाली तीन वार्डों से निकलने वाले गंदे पानी के निकासी का मुख्य माध्यम है। पूर्व में नाली छोटी होने के कारण पानी सड़कों पर फैल जाता था, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब बड़ी नाली के निर्माण से जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होने के साथ स्वच्छता में भी सुधार आएगा। इसी क्रम में वार्ड 07 में निर्माणाधीन रंगमंच का भी निरीक्षण किया गया। यह रंगमंच स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा। वहीं, वार्ड 18 और 20 में आंगनबाड़ी केंद्रों के मरम्मत कार्य भी प्रगति पर हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष श्री साहू ने ठेकेदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ समय पर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही, घटिया सामग्री या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पीएमश्री सेजेस तुमगांव में एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र आयोजित

महासमुंद/नवप्रदेश। पीएमश्री सेजेस तुमगांव में उच्च कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं उन्नति के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीवास्तव एवं करण सिंह सोरी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानाचार्य देवेंद्र अगलावे एवं वरिष्ठ व्याख्याता लंकेश कुरील ने अतिथि शिक्षकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी अतिथियों का अभिनंदन किया।

सीखने और अनुशासन पर दिया जोर : अपने संबोधन में श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अनुशासन और सकारात्मक सोच का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत विकास के लिए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और असफलताओं से सीखना बेहद जरूरी है।

दो घंटे ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, ग्राम गुजरा में बढ़ा आक्रोश

नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा, दो युवकों की मौत

बालोद/नवप्रदेश। नेशनल हाईवे-30 पर बुधवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना बालोद थाना क्षेत्र के गुजरा गांव के पास हुई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान ग्राम गुजरा निवासी डोमेंद्र यादव के रूप में हुई, जबकि दूसरे मृतक की पहचान बाद में सुवरबोड़ निवासी सुरेंद्र नायक के रूप में की गई।

पुलिस ने जारी की थी फोटो, बाद में हुई पहचान

प्रारंभ में दूसरे युवक का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। बालोद पुलिस ने उसकी पहचान के लिए फोटो जारी कर आम लोगों से सहयोग की अपील की थी। बाद में परिजनों द्वारा उसकी पहचान सुरेंद्र नायक के रूप में की गई।

खराब सड़क और सुरक्षा की कमी पर उठे सवाल : ग्रामीणों का आरोप है कि नेशनल हाईवे की बदहाल स्थिति इस हादसे की मुख्य वजह है। उन्होंने बताया कि मरम्मत के नाम पर जगह-जगह गड्ढे खोदे गए हैं, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। रात के अंधेरे में ऐसे हालात के कारण हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच जारी

घटना की सूचना मिलते ही बालोद थाना और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस द्वारा ट्रक चालक की तलाश और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को सड़क पर रखकर नेशनल हाईवे पर करीब दो घंटे रात 11 बजे तक चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफनारेबाजी करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। साथ ही जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित विभाग के लोगों पर भी कार्यवाही की मांग की।

समझाइश के बाद खुला जाम

स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को समझाइश देने के बाद देर रात जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल किया गया। करीब दो घंटे यातायात बाधित था। आधी रात तक गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिली।

बड़ा सवाल तो अब ये है?

यह हादसा एक बार फिर सवाल खड़े करता है कि क्या नेशनल हाईवे की खस्ताहाल स्थिति सुधरेगी या इसी तरह लापरवाही के चलते लोगों की जान जाती रहेगी।

सरकारी–चारागाह की जमीनों पर अवैध निर्माण रोकने पंचायतों को निर्देश जारी

खैरागढ़/नवप्रदेश । जिले के ग्राम पंचायतों द्वारा गांव की सरकारी और चारागाह की जमीनो को प्रधानमंत्री आवास के लिए हितग्राहियो को आबंटित किए जाने की लगातार शिकायतों के बाद कलेक्टर के निर्देश पर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए गए है । मामला कलेक्टर के समयसीमा की बैठक मे उठा था जिसके बाद दिशानिर्देश जारी किए है । जिले के कुछ पंचायतों मे प्रमं आवास योजना के हितग्राहियो को सरपंच सचिव द्वारा बिना राजस्व अधिकारियो की अनुमति के सरकारी और चारागाह की जमीनों पर आवास निर्माण प्रस्ताव पंचनामा तैयार कर प्रेषित करने की शिकायतें सामने आई थी । जिले के ग्राम पंचायत गर्रापार मे सरपंच सचिव द्वारा प्रमं आवास हितग्राही को अवैध तरीके से सरकारी जमीन आबंटन की शिकायत पर सरपंच पर एसडीएम द्वारा धारा 40 के तहत कार्यवाही जारी है । जिसके बाद मामले मे प्रशासन ने एक् शन लेते उक्त कार्यवाही को पूर्णत नियम विरूद्ध एवं दंडनीय बताते कहा गया कि इसके चलते तहसील कार्यालय मे अवैध अतिक्रमण प्रकरणो मे लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है । नियमानुसार वैधानिक प्रावधानो के तहत छग पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत को शासकीय भूमि का आबंटन अथवा उपयोग करना पूर्णत प्रतिबंधित एवं दंडनीय है । कलेक्टर ने मामले मे निर्देश जारी करते कहा कि पंचायत स्तर पर इस प्रकार की अनियमितताओ पर तत्काल रोक लगाई जाए । जनपद स्तर पर कड़ी निगरानी रखते दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही करने के निर्देश भारी किए गए है।

जनपद पंचायत ने जारी किए निर्देश : कलेक्टर की सख्ती के बाद जनपद पंचायत द्वारा पंचायतों को किसी भी स्थिति मे शासकीय, चारागाह अन्य सार्वजनिक भूमि पर आवास निर्माण हेते प्रस्ताव , पंचनामा तैयार नही करने, केवल वैध स्वामित्व, पटटा भूमि पर ही प्रमं आवास योजना अंतर्गत निर्माण की अनुशंसा करने, पूर्व मे पारित इस तरह के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त कर इसकी सूचना जनपद पंचायत को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है ।

मनरेगा के लंबित कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

खैरागढ़/नवप्रदेश। मनरेगा के तहत जिले मे जारी अपूर्ण कार्यो को पूरा किए जाने को लेकर कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने जिला स्तरीय समिति की बैठक लेकर निर्माण कार्यो की समीक्षा की । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में विभागवार समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने , मनरेगा एमआईएस कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र अपलोड करने के निर्देश दिये । अपूर्ण कार्य किये जाने पर योजना के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही एवं राशि वसूली किये जाने , तकनीकी समस्या वाले कार्यो को विभागों से जानकारी लेकर उच्च कार्यालय प्रेषित करने कहा । बैठक मे बताया गया कि जल्दी ही नई योजना वीबी जीरामजी लागू होने वाली है। इसके चलते प्रचलित योजना के सभी कार्य को समयसीमा में विधिवत पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

घुपसाल ग्राम पंचायत में मेट चयन पर विवाद नियमों की अनदेखी कर काम शुरू कराने का आरोप

छुरिया/नवप्रदेश। जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत घुपसाल (छु) में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मेट चयन को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंचायत में पुराने मेट को हटाकर कुछ पंचों द्वारा अपने पसंदीदा लोगों को मेट बनाए जाने की चर्चा है।

जानकारी के मुताबिक, मनरेगा योजना में मेट चयन के लिए नियमानुसार ग्राम पंचायत में मुनादी कर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयन किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि घुपसाल पंचायत में नियमानुसार मुनादी और आवेदन प्रक्रिया पूरी किए बिना ही नए मेट तय कर दिए गए और रोजगार गारंटी के कार्य शुरू करा दिए गए।

सूत्रों के अनुसार पंचायत में इस संबंध में कोई विधिवत प्रस्ताव पारित नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रस्ताव पारित होता, तो पंचायत स्तर पर मुनादी और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी सार्वजनिक होती। ऐसे में बिना चयन प्रक्रिया के काम शुरू होना सवालों के घेरे में है।

बताया जा रहा है कि वर्तमान में पंचायत क्षेत्र में रोजगार गारंटी योजना के कार्य संचालित हो रहे हैं, जबकि मेट की नियुक्ति को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है। इस मामले में रोजगार सहायक पर मनमानी तरीके से कार्य संचालन कराने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

वहीं ग्राम पंचायत घुपसाल(छु) के सरपंच श्रीमती सावित्री बाई मंडावी ने इस मामले में कहा कि उन्होंने पंचों से पुराने मेट को फिलहाल बनाए रखने की बात कही थी, लेकिन पंचायत बैठक में पंचों ने उनकी बात नहीं मानी। सरपंच का आरोप है कि कुछ पंच अपनी मनमर्जी से निर्णय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर ग्राम पंचायत घुपसाल(छु) के सचिव बिहारी लाल साहू ने बताया कि मामले की शिकायत उनके पास आई है। सचिव के अनुसार उन्होंने पहले ही स्पष्ट किया था कि यदि नया मेट चयन करना होगा तो विधिवत मुनादी कर आवेदन लिए जाएंगे और प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही चयन किया जाएगा। तकनीकी सहायक की उपस्थिति में नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि पंचायत में मेट चयन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो रोजगार गारंटी योजना के कार्य किसके जिम्मे संचालित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा तथा समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रगति लाने के निर्देश

सीएमएचओ ने ली सुपरवाइजरों की बैठक

भाटापारा/नवप्रदेश। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी तथा आम जनता को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी के सम्बन्ध में बुधवार को सीएमएचओ डॉ राजेश अवस्थी ने सेक्टर सुपरवाइजर की बैठक ली। स्थानीय सीएमएचओ कार्यालय में आयोजित इस समीक्षा बैठक में पाँच विकासखंडों के सभी सेक्टरों की टीबी ,कुष्ठ, मलेरिया,टीकाकरण,उच्च जोखिम गर्भवती ,आयुष्मान भारत, अटल मोनिटरिंग,यू विन पोर्टल जैसे जरूरी स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की गई ।

सीएमएचओ ने टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत चल रहे 100 दिवसीय अभियान में आयोजित होने वाले आउटरीच शिविर के माइक्रोप्लान की तैयारी तथा उच्च जोखिम ग्रामों में एक्सरे करवाने को कहा । इसके साथ ही असामान्य एक्सरे वाले संदेहास्पदों को नाट जाँच के लिए बलगम जाँच के लिए रेफर करने को भी कहा। मातृ मृत्यु दर को

रोकने हेतु गर्भवती का अनिवार्य रूप से पंजीयन किया जाए । एल एच वी को उच्च जोखिम गर्भवती की स्थिति में प्रति सप्ताह महिला के घर भ्रमण के निर्देश दिए गए।

सुपरवाइजर सतत रूप से क्षेत्र भ्रमण करेंगे तथा अपनी रिपोर्ट प्रति सप्ताह बी एम ओ के साथ होने वाली बैठक में बताएंगे । सभी शासन द्वारा शुरु किये जा रहे सुशासन तिहार की तैयारी पूर्ण रखेंगे । इसमें ओआरएस घोल,सहित जरूरी दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिविर में एनसीडी जांच भी की जाए और उसकी एंट्री भी करें साथ ही आयुष्मान कार्ड भी बनाएं जाएं । एलएचवी की समीक्षा मातृत्व स्वास्थ्य में किये जा रहे कार्य से ही की जाएगी ।

सीएमएचओ ने कम प्रगति वाले सेक्टरों पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें इसे ठीक करने की हिदायत दी। समीक्षा बैठक में अटल मॉनिटरिंग इंडिकेटर का अगली बार उपयोग करने के भी निर्देश दिए । उन्होंने अप्रैल,मई जून महीने के अंतिम सप्ताह में विशेष टीकाकरण शिविर लगाने के आदेश भी दिए जिससे छूटे हुए बच्चों को टीका लगाया जा सके।इसके साथ ही विकासखंड कसडोल एवं बलौदा बाजार में कुष्ठ की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने तथा स्थान पर ही उपचार शुरू करने के लिए माइक्रोफोन बनाकर क्रियान्वित करने को भी कहा ।

रायपुर में होगा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह का भव्य आयोजन

■ छत्तीसगढ़ राज्य से 160 शिक्षक-शिक्षिका होंगे सम्मानित

गरियाबंद/नवप्रदेश। नवाचारी गतिविधियाँ समूह भारत जो देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एक मात्र एवं सबसे बड़ा स्व-प्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह है, इसके छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह शैक्षिक संप्रवाह 2025-26 का आयोजन 25 अप्रैल 2026 को स्वामी आत्मानंद प्रो. जे. एन. पांडेय शास. उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्च. माध्य. विद्या. रायपुर (छ.ग.) में आयोजित किया जा रहा है. जिसमे

पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से 160 शिक्षकों का सम्मान होना है. जिसमे गरियाबंद जिले से 7 शिक्षक पदमजा गुप्ता गरियाबंद , नीता यादव फिंगेश्वर , सोनाली मडामें मैनपुर मोहम्मद अनवर खान व संतोष कुमार ताँडी छुरा, सुशील कुमार अवस्थी देवभोग, शामिल है. साथ ही समूह मे सतत रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए यशवंत बघेल देवभोग को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा.

राष्ट्रीय स्तर के शिक्षको को पूर्व से ही अवार्ड डाक के माध्यम से प्रेषित किया जा चुका है.

इस भव्य कार्यक्रम मे अन्य राज्यों के शिक्षको की लाईव प्रस्तुति होगी जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा.

इस कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी उपस्थित होंगे साथ ही छत्तीसगढ़ की एडमिन टीम व सहयोगी सहित अवार्ड के लिए चयनित शिक्षक उपस्थित रहेंगे.

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समूह प्रमुख संजीव कुमार सूर्यवंशी सहित गरियाबंद जिला टीम से सुश्री पुष्पा शुक्ला, लोकेश्वर सोनवानी , यशवंत बघेल, फ़नेन्द्र साहू , चित्रसेन पटेल,उमेश यदु ,मीनाक्षी शर्मा आदि सहित पूरी देश भर की टीम सहयोग कर रहे है.

इस समूह से जुड़े सभी टीम मेंबर शासकीय विद्यालय मे पदस्थ शिक्षक है जो स्व प्रेरणा से सरकारी विद्यालय मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए आपस मे जुड़कर अतिरिक्त प्रयास कर रहे है. ये 2017 से लगातार प्रयासरत है एवं पिछले 5 वर्षो से लगातार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे है. इस कार्यक्रम की पूरी योजना, क्रियान्वयन, संचालन एवं समस्त व्यय इन शिक्षको द्वारा ही किया जाता रहा है.

कई चरणों के बाद हुआ सम्मान के लिए चयन-- समूह प्रमुख एवं जिला टीम ने बताया कि इस सर्वप्रथम इसके लिए समूह के आफिसियल वेबसाईट के माध्यम से निःशुल्क आनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया. पूरे देश से 700 अधिक से सहित छत्तीसगढ़ से 400 से ज्यादा नॉमिनेशन प्राप्त हुए. इन आवेदन की अच्छे से जांच कर, समूह के द्वारा गठित समिति द्वारा नामित शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया एवं उनके आवेदन फार्म से सबंधित से उनके कार्यो के प्रमाण में दस्तावेज मांगे गए हैं। दस्तावेजों का उच्च चयन समिति द्वारा गहनता से परीक्षण किया गया. स्थानीय टीम के प्रमाणीकरण सहित आवश्कतानुसार क्रास इंटरव्यू के पश्चात चयन सूची जारी किया है। जिसमें ग्राउंड लेवल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शामिल हैं. जिनको राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान 2025-26 से सम्मानित किया गया।

न्यूज गैलरी

वार्ड-57 में 32 लाख के 7 विकास कार्यों का भूमिपूजन, जल्द और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 4 के पंडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 में लगभग 32 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित 7 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस दौरान दक्षिण विधायक सुनील सोनी और महापौर मीनल चौबे ने विधिवत श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर कार्यों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य एवं वार्ड 57 के पार्षद अमर गिदवानी, जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान पेंशनबाड़ा कॉलोनी क्षेत्र में नाली, सीसी रोड और सामुदायिक भवन सहित विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत की गई। भूमिपूजन के मौके पर विधायक सुनील सोनी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नई सीसी सड़कों के निर्माण के बाद नियमित रूप से तराई (क्योरिंग) कराई जाए, ताकि सड़कों की गुणवत्ता बनी रहे और उन्हें किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

अवैध शराब परिवहन करते युवक गिरफ्तार, 56 पौवा शराब जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। अवैध रूप से शराब परिवहन करने के मामले में खमतराई पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 56 पौवा अंग्रेजी शराब और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 28,960 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बंजारी मंदिर की ओर से मेटल पार्क रावांभाठा की दिशा में एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने डेरापारा, ट्रांसपोर्ट नगर के पास घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दीपेश साहू (23 वर्ष), निवासी जागृति नगर, बीरगांव, रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 56 पौवा इम्पायर व्हिस्की (कुल 10.080 बल्क लीटर) बरामद हुई, जिसकी कीमत 8,960 रुपये आंकी गई है। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी 19 बीजे 1998) जिसकी कीमत लगभग 20,000 रुपये है, को भी जब्त किया गया।

हीद स्क्वाड्रन लीडर अरुण केशव सप्रे को जयंती पर श्रद्धांजलि

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर एवं रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की जयंती पर नगर निगम रायपुर के महात्मा गांधी सदन स्थित सामान्य सभा सभागार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया गया। कार्यक्रम नगर निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने विभाग की ओर से शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि समारोह में शहीद की धर्मपत्नी श्रीमती मीना ताई सप्रे, उनके सुपुत्र मुनेश सप्रे सहित परिवारजन भी मौजूद रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर शहीद के योगदान को याद किया। उल्लेखनीय है कि स्क्वाड्रन लीडर अरुण केशव सप्रे का 21 नवंबर 1971 को भारतीय वायुसेना के युद्धाभ्यास के दौरान एक आकस्मिक दुर्घटना में निधन हो गया था। उनकी स्मृति में नगर निगम सभागार में उनका तैल चित्र स्थापित किया गया है, जहां हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि (21 नवंबर) और जयंती (23 अप्रैल) पर नियमित रूप से पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

किस्ट ग्रीन परिसर में रहवासियों की शिकायतों पर एक्शन, महापौर ने बिल्डर के खिलाफ जांच के दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने रामनगर स्थित किस्ट ग्रीन आवासीय परिसर का दौरा कर रहवासियों की शिकायतों को गंभीरता से लिया और संबंधित बिल्डर के खिलाफजांच के आदेश दिए। दौरे के दौरान रहवासियों ने बिल्डर पर कई गंभीर आरोप लगाए, जिनमें शमशान घाट की भूमि पर कब्जा कर बाउंड्रीवाल निर्माण, बिना अनुमति निर्माण कार्य और अन्य अनियमितताएं शामिल हैं। महापौर ने तत्काल अधिकारियों को बुलाकर पूरे मामले की जांच कर नगर निगम अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रहवासियों ने यह भी शिकायत की कि परिसर में बनाए गए एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का आकार छोटा है और उसमें बिना उपचारित गंदा पानी सीधे गार्डन में छोड़ा जा रहा है, जिससे बदबू और अस्वास्थ्यकर वातावरण की समस्या बनी हुई है। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को जांच कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के नगर निवेशक, स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता और स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। महापौर ने बिल्डर के स्वीकृत अभिन्यास (लेआउट) की भी नियमानुसार जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

एनएमडीसी के शीर्ष नेतृत्व ने दंतेवाड़ा के पंचायत प्रमुखों से की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। समावेशी विकास की दिशा में एक सक्रिय कदम के रूप में, एनएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने वरिष्ठ नेतृत्व के साथ दंतेवाड़ा में एनएमडीसी की परियोजनाओं के आसपास के गांवों के पंचायत प्रमुखों के साथ एक बैठक की। बातचीत में जमीनी स्तर की समस्याओं को दूर करने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

गुमीयापाल, समालवार, कालेपाल, चोलनार, कदम्पाल, हिरोली, बेनपाल, कोडेनार, मदकामिरस और कुट्रेम गांवों सहित एक दर्जन से अधिक सरपंचों और उनके प्रतिनिधियों ने पेयजल, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य देखभाल, स्ट्रीट लाइटिंग, खेल सुविधाओं और समग्र ग्रामीण बुनियादी ढांचे से संबंधित रोजमर्रा की चुनौतियों के बारे में बात की।

बैठक में श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक) के साथ-साथ परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी श्री के. श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक (खनन), बचेली कॉम्प्लेक्स और श्री रबीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक, किरंदुल कॉम्प्लेक्स शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए सीएमडी ने इस बात पर बल दिया कि एनएमडीसी न केवल एक प्रमुख खनन संगठन बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र के एक जिम्मेदार उद्यम की भी भूमिका निभा रहा है जो क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कंपनी की ताकत उन समुदायों के विश्वास में निहित है जिनकी वह सेवा करती है, और उनकी चिंताएं एनएमडीसी के कार्यों का मार्गदर्शन करती हैं। साथ ही, समुदायों की प्रगति एनएमडीसी की सफलता को परिभाषित करती है। उन्होंने कहा, ÷हम इन गांवों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बस्तियों में बदला जा सके जो विकसित भारत की भावना को दर्शाती हैं।÷

एनएमडीसी की बैलाडीला खदानों के आस-पास के ग्रामीणों ने बेहतर पानी, सड़कों और स्वास्थ्य देखभाल जैसी सुविधाओं पर हुई चर्चा पर प्रसन्नता व्यक्त की। स्थानीय पंचायत के एक प्रतिनिधि ने कहा, ÷वरिष्ठ निदेशकों ने हमसे आमने-सामने बातचीत की और वास्तव में हमारी परेशानियों को सुना।÷ कंपनी के वरिष्ठ निदेशकों की इस प्रत्यक्ष पहुंच ने ठोस बदलाव के लिए नई उम्मीद जगाई है। श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक) ने आश्वासन दिया कि एनएमडीसी स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर संवाद करता रहेगा और इस बातचीत में साझा की गई समस्याओं से आगामी विकास पहलों को दिशा मिलेगी। बैलाडीला में 1968 में परिचालन शुरू करने के बाद से, एनएमडीसी ने अपने बचेली और किरंदुल परिसरों के माध्यम से औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय प्रगति दोनों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम- अब गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर निर्णायक वार

अपनी जिम्मेदारी निभाएं, बेटियों को सर्वाईकल कैंसर के खतरे से बचाएं

रायपुर/नवप्रदेश। बेटियों की मुस्कान में ही भविष्य की सबसे उजली तस्वीर बसती है-और इसी मुस्कान को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि हर उस माँ-बाप के विश्वास की रक्षा है, जो अपनी बेटी के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित कल का सपना देखते हैं।

भारत सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ अब उन सभी राज्यों के साथ कदम से कदम मिला रहा है, जिन्होंने गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओ में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होता है, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रारंभिक चरण में सामान्यतः कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देता जिस कारण अक्सर यह गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है।

एचपीवी टीकाकरण इस गंभीर कैंसर के खिलाफ एक सशक्त और भरोसेमंद सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णतः सुरक्षित, अत्यंत प्रभावी है और इसकी सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है-जो इसकी विश्वसनीयता को और भी पुख्ता बनाता है। यह टीका केवल आज की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में कैंसर के खतरे को जड़ से कम करने की ठोस और दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है। निजी अस्पतालों में एचपीवी टीके की एक खुराक की कीमत लगभग 4,000 तक होती है, जो अनेक परिवारों के लिए वहन करना आसान नहीं है। ऐसे में आर्थिक बाधाएँ अक्सर बेटियों की इस जरूरी सुरक्षा में रुकावट बन जाती हैं। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट और संवेदनशील रुख अपनाया है। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि कोई भी बेटी केवल आर्थिक कारणों से इस जीवनरक्षक टीके से वंचित न रहे, और इसी उद्देश्य से पात्र किशोरियों को यह टीका पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह टीकाकरण राज्य के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध है तथा शीघ्र ही यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी उपलब्ध होगा। प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों और यू विन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हर लाभार्थी तक इस सेवा की पारदर्शी और प्रभावी पहुँच सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य विभाग सभी अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से अपील करता है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यह केवल एक टीकाकरण नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है-अपनी बेटियों को एक ऐसे खतरे से बचाने की, जिसे रोका जा सकता है।

18 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें, 88 ट्रिप का संचालन, यात्रियों को मिलेगी राहत

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय रेलवे द्वारा ग्रीष्म ऋतु 2026 के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए देशभर में विशेष ट्रेनों का व्यापक संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 15 अप्रैल, 2026 से 15 जुलाई, 2026 तक की अवधि के लिए कुल 908 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी प्रदान की गई है, जो इस अवधि में 18,262 ट्रिप संचालित करेंगी। यह पहल गर्मियों के चरम समय में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और प्रतीक्षा सूची को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से कुल 18 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी दी गई है, जो यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए 88 ट्रिप संचालित करेंगी। इनमें से 13 विशेष ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया जा चुका है, जबकि शेष 75 ट्रिप आगामी दिनों में चरणबद्ध तरीके से संचालित किए जाएंगे। इन विशेष ट्रेनों का संचालन विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के बीच किया जाएगा, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भी यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं। क्षेत्र के प्रमुख एवं व्यस्त स्टेशनों जैसे बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, इतवारी, रायगढ़ एवं शहडोल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। इनमें प्लेटफॉर्म प्रबंधन, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल व्यवस्था, प्रतीक्षालयों में सुधार, स्वच्छता व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की बढ़ी हुई उपलब्धता से यात्रियों को कई प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होंगी। इससे न केवल ट्रेनों में भीड़भाड़ कम होगी, बल्कि प्रतीक्षा सूची में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही, यात्रियों को समय पर आरक्षण मिलने से उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक एवं तनावमुक्त होगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लाखों यात्रियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, जो गर्मी के मौसम में अपने गंतव्य तक यात्रा करते हैं।

बंगाल में बदलाव की स्पष्ट बयार ममता सरकार की विदाई तयः साव

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच कहा कि, भारतीय जनता पार्टी की जीत तय है। पश्चिम बंगाल से आ रहे मतदान के रुझान से स्पष्ट है कि राज्य में बदलाव की लहर है और ममता बनर्जी सरकार की विदाई तय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पश्चिम बंगाल में इस बार कमल खिलने जा रहा है और प्रदेश को सुशासन वाली सरकार मिलने वाली है। श्री साव ने कहा कि राज्य की माताओं और बहनों को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा तथा युवाओं के सपनों को साकार करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

श्री साव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब अन्य पिछड़ा वर्ग की उपेक्षा और उनके साथ अन्याय किया। आज सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस को ओबीसी वर्ग की याद आ रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में भी अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय हुआ, जिसे प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है।

नवा रायपुर अटल नगर स्थित निवास कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि केंद्र में लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने काका कालेकर आयोग की रिपोर्ट को दबाकर रखा और मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने में भी गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने याद दिलाया कि वी.पी. सिंह की सरकार के दौरान मंडल आयोग लागू किया गया, जबकि उस समय राजीव गांधी जी ने लंबा भाषण देकर विरोध किया। श्री साव ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास पिछड़ा वर्ग के हितों की अनदेखी का रहा है। आज जब वह सत्ता से बाहर है, तब उसका ओबीसी प्रेम केवल राजनीतिक दिखावा है।

सरकारी कर्मचारियों पर राजनीतिक गतिविधियों की रोक का आदेश स्थगित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने शासकीय कर्मचारियों की राजनीतिक गतिविधियों पर रोक संबंधी अपने आदेश को जारी करने के महज़ एक दिन के भीतर स्थगित कर दिया है। इस त्वरित फैसले ने प्रशासनिक हलकों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को जारी निर्देश में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया था कि कोई भी शासकीय कर्मचारी किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं होगा और न ही किसी राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेगा। इसके अलावा आदेश में यह भी कहा गया था कि शासकीय कर्मचारी बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण नहीं करेगा।

लिवर रोगों, लिवर प्रत्यारोपण व उन्नत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल उपचार की सुविधा

रायपुर/नवप्रदेश। यशोदा हॉस्पिटल सिकंदराबाद, हैदराबाद, जो यशोदा हॉस्पिटल्स समूह की एक प्रमुख इकाई है, ने रायपुर में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लिवर रोगों, लिवर प्रत्यारोपण तथा उन्नत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल उपचार सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मध्य भारत के मरीजों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना था।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री खेमराज साहू, मैनेजर (मार्केटिंग), ने यशोदा हॉस्पिटल्स समूह का परिचय देते हुए बताया कि यह हैदराबाद की अग्रणी और विश्वसनीय मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य संस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि समूह ने वर्षों से क्लिनिकल उत्कृष्टता, अत्याधुनिक तकनीक और मरीज-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने यह भी बताया, यशोदा हॉस्पिटल्स ने आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधाएं, उच्च स्तरीय क्रिटिकल केयर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के माध्यम से तृतीयक एवं चतुर्थक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में निरंतर निवेश किया है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि सिकंदराबाद इकाई लिवर प्रत्यारोपण और उन्नत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल उपचार के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित हुई है, जहां देशभर से मरीज उपचार के लिए आते हैं। डॉ. मोहम्मद अब्दुन नईम, एमएस, एमआरसीएस (इंग्लैंड), एम.च (जीआई सर्जरी), एफएसीएस, सीनियर कंसल्टेंट ड्ढ लिवर ट्रांसप्लांट, एचपीबी एवं जीआई सर्जरी, ने लिवर रोगों और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बढ़ते मामलों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नाली में मलबा डालकर निकासी बाधित करने पर 1000 का ई-चालान

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के स्वास्थ्य विभाग ने स्वच्छता संबंधी जनशिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फुण्डहर क्षेत्र में नाली की निकासी बाधित करने वाले एक नागरिक पर 1000 रुपये का ई-चालान किया है। मिली जानकारी के अनुसार, फुण्डहर इलाके में एक निर्माणाधीन मकान से निकले मलबे को नाली में डाल देने से जल निकासी प्रभावित होने की शिकायत निगम को प्राप्त हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे, उमेश नामदेव तथा स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद संबंधित निर्माणकर्ता महेन्द्र साहू पर तत्काल 1000 रुपये का ई-चालान जारी किया गया। निगम अधिकारियों ने संबंधित व्यक्ति को भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न करने की सख्त चेतावनी भी दी है।

सहकारिता: प्रशिक्षित स्टाफ से अंतिम छोर तक पहुंचेगी सेवाओं की रोशनी, कार्यक्रम व्यवहारिक ज्ञान और दक्षता बढ़ाने का प्रभावी मंच

प्रशिक्षण से लैम्प्स प्रबंधक होगा सशक्त, सहकार से समृद्धि अभियान को मिलेगी रफ्तार

रायपुर/जगदलपुर/नवप्रदेश। सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभहुआ। बस्तर अंचल में कार्यरत लैम्प्स संस्थाओं के प्रबंधकों और अधिकारियों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यवहारिक ज्ञान और दक्षता बढ़ाने का प्रभावी मंच साबित हो रहा है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से लैम्प्स संस्थाओं को आधुनिक तकनीक, प्रबंधन कौशल और सहकारी सिद्धांतों की गहन समझ प्रदान की जा रही है, जिससे वे ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम में पैक्स कम्प्यूटरीकरण, सहकारी लेखांकन तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रशिक्षण सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा सहकारिता के मूल सिद्धांत, इसकी प्रासंगिकता और भारत सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि प्रशिक्षण प्राप्त स्टाफ गांव-गांव में सहकारिता की पहुंच को और अधिक सुदृढ़ करेंगे तथा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में सफल होंगे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप ने कहा कि प्रशिक्षित स्टाफ के माध्यम से सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित होगी। संभाग के संयुक्त आयुक्त सहकारिता विनोद कुमार बुनकर ने सहकारिता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान लैम्प्स प्रबंधक-मुख्य पर्यवेक्षक एसएस राज, तकनीकी अधिकारी आरिफ खान एवं सामान्य सहायक हितेश जैन ने पैक्स कम्प्यूटरीकरण एवं सहकारी लेखांकन पर मार्गदर्शन दिया। सत्र समन्वयक विवेकानंद झा, सहायक सत्र समन्वयक विवेक पांडे एवं मिथुन पाणिग्राही द्वारा सहकारिता मिथुन के सिद्धांतों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में विपणन अधिकारी एसके कन्नौजिया, मनोज सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए लैम्प्स संस्थाओं के प्रबंधकों को तकनीकी दक्षता, पारदर्शी लेखांकन और योजनाओं के प्रभावी संचालन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, जिससे वे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। यह पहल सहकारिता को केवल संस्था तक सीमित न रखकर जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ÷सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को साकार करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

सुविचार

परिवार और रिश्ते दोनों ही उस समय बिगड़ने लगते हैं जब समझदार मौन रहते हैं और नासमझ बोलने लगते हैं।

सच होता ग्राम सुराज का सपना

भारवर्ष में वैदिक काल से ही ग्राम स्वराज की अवधारणा की नींव पड़ चुकी थी। प्राचीन काल में गांव ही शासन तंत्र की धूरी हुआ करते थे। आजादी के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम सुराज का सपना देखा था और उनका कथन है कि भारत की आत्मा गांवों में बस्ती है। जब तक गांवों का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं हो सकता। राष्ट्रपिता के ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार करने के लिए स्वंतंत्रता के बाद ही ग्राम विकास पर केद्रिन्त योजनाएं बनने लगी और ग्राम पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार दिये जाने लगे। जिससे गांवों के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस काम में तेजी उस समय आई जब 73वें संविधान संसोधन अधिनियम 1992 के तहत 24 अपैल 1992 को स्थानीय ग्रामीण स्वशासन के लिए त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर सत्ता का विकेन्द्रीयकरण करना रहा है। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद से गांवों का विकास तेजी से होने लगा है और अब हमारे गांव की समस्याओं के मकड़जाल से बाहर निकलने लगे हैं। ग्राम पंचायतों को हर साल कम से कम एक करोड़ रूपये की राशि विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रदान की जाती है जिससे वे गांवों में साफ सफाई, पेयजल आर्पूति, निस्तार की समस्या आदि का समाधान करती हैं। इसके अलावा शिक्षा और प्रधानमंत्री आवास जैसी सरकारी योजनाओं का भी क्रियान्वयन करती है। सत्ता का ग्राम पंचायत स्तर पर विकेन्द्रीयकरण होने से अब गांवों की दिशा और ग्रामीणों की दशा में तेजी से बदलाव आ रहा है। फल्स्वरूप धीरे धीरे ही सही लेकिन अब ग्राम स्वराज का सपना साकार होने लगा है। इसके लिए राज्य सरकारें भी समय समय पर विभिन्न अभियान चलाती हैं। छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो तात्कालीन मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह की सरकार हर साल गर्मी के मौसम में ग्राम सुराज अभियान चलाती थी। इस दौरान पूरा प्रशासन तंत्र गांव गांव में पहुंचता था और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करता था। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह खुद चिलचिलाती धूप में गांव पहुंचकर पेड़ के नीचे ग्रामीणों की बैठक लेते थे। गांव की समस्या सुनते थे और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेते थे। इस तरह के अभियान से भी ग्रामों के विकास की राह आसाम हुई है। अब पंचायती राज व्यवस्था में महिलाएं भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं क्योंकि तात्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था लागू करवाने के साथ ही पंचायतों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी लागू कराया था। तब से महिलाएं भी अपने गांव के विकास में अपना योगदान दे रही हैं और ग्राम सुराज के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। अब पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए सरकार को चाहिए की वह पंचायतों को और ज्यादा संसाधन मुहैया कराये।

पप्पू यादव की टिप्पणी घोर निंदनीय

बिहार में पूर्णियां से जीते निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने महिलाओं को लेकर जो अभद्र टिप्पणी की है वह घोर निंदनीय है। पप्पू यादव इसके पहले भी चर्चा में बने रहने के लिए अनाप सनाप बयानबाजी करते रहे हैं। लेकिन इस बार तो उन्होंने मर्यादा की सारी सीमा रेखाएं ही लांघ डाली। एक ओर जब संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर पूरे देश में विमर्श चल रहा है ऐसे में पप्पू यादव ने महिलाओं के प्रति अपनी गृणित सोच को दर्शाते हुए यह बयान दिया है कि राजनीति में आने वाली 90 प्रतिशत महिलाओं को बेडरूम से गुजरना पड़ता है। इस तरह का अपमानजनक बयान देने के पहले पप्पू यादव को अन्य महिला नेत्रियों की बात छोड़ दें कम से कम अपनी पत्नि के बारे में भी तो सोचना चाहिए था जो न सिर्फ राजनीति में हैं बल्कि सम्मानीय सांसद भी हैं। पप्पू यादव का यह बेहुदा बयान कतई स्वीकार्य नहीं है और इसका सभी राजनीतिक पार्टियों की महिलाओं ने प्रबल विरोध किया है और पप्पू यादव से मांग की है कि वे मात्र शक्ति का अपमान करने के लिए देश से मांफी मांगे किन्तु अभी तक पप्पू यादव ने अपने इस बेहद आपत्तिजनक बयान के लिए मांफी नहीं मांगी है। ऐसे बद्जुबान नेताओं के खिलाफ अब नारी शक्ति को खुद सामने आना चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। तभी इनकी विशैली जुबान पर लगाम लग पाएगी।

सद्गुरू बोधामृतम्

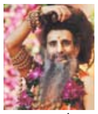

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ तुम्हारे जीवन में जो भी तुम्हारे दुष्कर्म या सत्कर्म हैं उसके फल तुम्हें भोगने पड़ेंगे इसलिए जब कोई सांसारिक अच्छा काम हो जाए तब भगवान और गुरु की जय-जय मत करना क्योंकि जब कोई काम बिगड़ेगा तब फिर उलाहने भी उन्हीं को दोगे जबकि भगवान और सद्?गुरु इससे बहुत ऊपर हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1877 - रूस ने ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की। 1898 - स्पेन ने अमेरिका के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1920 - पोलैंड की सेना ने यूक्रेन पर हमला किया। 1926 - बर्लिन संधि पर हस्ताक्षर। 1954 - ब्रिटिश सरकार ने कीनिया के विद्रोहियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया। कीनिया के विद्रोहियों ने देश में रहने वाले गोरे लोगों के खिलाफगुरिल्ला अभियान चलाया था, जिसे उन्होंने माउ माउ नाम दिया था। 1954 - आस्ट्रेलिया और सोवियत संघ ने राजनयिक संबंध समाप्त किए। 1960 - दक्षिण पर्सिया में आये भयंकर भूकंप में 500 लोगों की मौत। 1962 - एमआईटी ने पहली बार सेटेलाइट द्वारा टीवी सिग्नल भेजा। 1970 - चीन का पहला उपग्रह डांग फांग हांग लांच किया गया। 1982 -15 वर्षों के इजरायली आधिपत्य के बाद सिनाई प्रायःद्वीप क्षेत्र मिस्त्र को वापस।

स्व-जनगणना में बढ़ा जन उत्साह: डिजिटल भागीदारी से आकार ले रहा 'नवा छत्तीसगढ़'

छत्तीसगढ़ के वनांचलों से लेकर शहरों की गलियों तक, अगले कुछ महीनों में एक बड़ा प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव दस्तक देने वाला है। भारत की आगामी जनगणना 2027 केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की योजनाओं का आधार स्तंभ बनने जा रही है। इस बार की जनगणना अपनी पारंपरिक पहचान को छोड़कर पूरी तरह डिजिटल अवतार में नजर आएगी, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति मिलने की उम्मीद है।

पहली बार 'डिजिटल अवतार' में जनगणना

रमेश जायभाये
उप निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर

अब वो दौर गया जब प्रगणक बड़े-बड़े रजिस्टर लेकर घर-घर पहुंचते थे। जनगणना 2027 देश की पहली 'कागज रहित' या डिजिटल जनगणना होगी। छत्तीसगढ़ में इसके लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रगणक अब हाथों में स्मार्टफोन और विशेष रूप से तैयार मोबाइल ऐप लेकर पहुंचेंगे। इस डिजिटल बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बस्तर के सुदूर गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक का डेटा रियल-टाइम में सुरक्षित सर्वर पर अपलोड होगा, जिससे इंसानी गलतियों की गुंजाइश कम होगी और डेटा अधिक सटीक रूप में उपलब्ध होगा।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों का महाभियान

राज्य में इस महाअभियान को दो प्रमुख हिस्सों में बांटा गया है:

मकानसूचीकरण (First Phase): इसकी शुरुआत 1 मई से 30 मई 2026 के बीच होगी। इससे पहले 16 अप्रैल से स्व-जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसे नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

जनसंख्या गणना (Second Phase): मुख्य जनगणना फरवरी 2027 में होगी, जिसे मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा।

'स्व-जनगणना' में बढ़ता उत्साह: नागरिक बन रहे डिजिटल भागीदार इस बार की सबसे बड़ी खासियत 'स्व-जनगणना' (Self-Enumeration) है। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया शुरू हुए आठ दिन से अधिक समय हो चुका है और लोगों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं, अपनी जानकारी भर रहे हैं और सफलतापूर्वक फॉर्म सबमिट भी कर रहे हैं।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नागरिकों को एक 'स्व ढ्ढष्ठ' प्राप्त होती है। जब प्रगणक घर पहुंचेगा, तो नागरिक केवल यह आईडी साझा कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। यह सुविधा पूरी तरह स्वैच्छिक है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं कर पाएंगे, उनके घर प्रगणक जाकर आवश्यक विवरण एकत्र करेंगे।

33 सवालों में छिपी है खुशहाली की चाबी

मकानसूचीकरण के दौरान प्रगणक आपसे 33 मुख्य सवाल पूछेंगे। ये सवाल केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अगली पीढ़ी की जरूरतों को समझने का जरिया हैं। इसमें घर की बनावट, पीने के पानी का स्रोत, बिजली, शौचालय की सुविधा और परिवार के पास मौजूद संसाधनों (जैसे मोबाइल, इंटरनेट, वाहन) की जानकारी ली जाएगी। सरकार इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय करेगी कि प्रदेश के किन इलाकों में नए स्कूल, अस्पताल या सड़कों की जरूरत है।

सुरक्षा और गोपनीयता: आपका डेटा है 'अमानत'

अक्सर लोगों के मन में डेटा की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते हैं। लेकिन सरकार ने साफ किया है कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत नागरिकों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय है। इस डेटा का उपयोग किसी पुलिस जांच, इनकम टैक्स या अदालती कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। यह केवल विकास की योजनाएं बनाने के लिए इस्तेमाल होगा।

मैदान में तैनात 62 हजार 'विकास सारथी'

छत्तीसगढ़ जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र में इस कार्य को अंजाम देने के लिए एक बड़ी प्रशासनिक टीम तैयार की गई है। राज्य के 33 जिलों और 20 हजार गांवों में डेटा जुटाने के लिए लगभग 62,500 अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक ऐप चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

आम आदमी के लिए क्यों है जरूरी?

'हमारी जनगणना - हमारा विकास' का संदेश यह बताता है कि यह डेटा आपके हक की लड़ाई लड़ने में मदद करता है। सटीक आंकड़ों से ही छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिलने वाले बजट और संसाधनों का सही हिस्सा मिलता है। चाहे वह अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं हों या शहरी गरीबों के लिए आवास, सब कुछ इसी गणना पर निर्भर है। प्रशासन ने किसी भी शंका के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर 1855 जारी किया है। याद रखें, जनगणना में आपकी सही भागीदारी ही 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के सपने को साकार करेगी। अब जबकि स्व-जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और नागरिक सक्रिय रूप से इसमें भाग ले रहे हैं, यह डिजिटल महाअभियान राज्य के विकास की नई दिशा तय करने की ओर बढ़ रहा है।

लोकतंत्र का आधार: सशक्त ग्राम पंचायतें

महेन्द्र तिवारी

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र के वृक्ष की कल्पना करें, तो इसकी जड़ें उन छोटी छोटी बस्तियों और गाँवों में हैं, जहाँ सदियों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक चर्चा और आपसी सहमति से करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, जो प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है, वास्तव में उसी प्राचीन परंपरा को आधुनिक संवैधानिक ढांचे में स्वीकार करने का एक उत्सव है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पुनरावृत्ति है जो सत्ता को बड़े नगरों की अट्टालिकाओं से निकालकर खेत खलिहानों तक पहुँचाने के लिए लिया गया था। भारतीय शासन व्यवस्था का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी स्थानीय शासन को महत्व दिया गया, समाज में सुख, समृद्धि और न्याय का संचार हुआ। ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में सभा और समिति का वर्णन मिलता है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनभागीदारी हमारे संस्कारों में समाहित है। चोल साम्राज्य के शासनकाल में भी स्थानीय स्वशासन के ऐसे उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं, जिन्हें आज भी प्रशासनिक विज्ञान के विद्वान अध्ययन का विषय मानते हैं। मध्यकाल और विशेष रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान यद्यपि इन संस्थाओं को आघात पहुँचा, परंतु इनकी मूल चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बार बार इस बात पर बल दिया कि वास्तविक स्वतंत्रता तभी आएगी जब भारत का प्रत्येक गाँव एक आत्मनिर्भर गणराज्य होगा। उनके अनुसार, दिल्ली में बैठकर लिया गया निर्णय पूरे देश की नियति नहीं बदल सकता, जब तक कि गाँवों के लोग स्वयं अपने विकास के मार्गदर्शक न बनें। संविधान सभा में इस विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ और अंततः अनुच्छेद 40 के अंतर्गत राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। प्रारंभ में यह केवल राज्यों की इच्छा पर निर्भर था, परंतु समय की माँग को देखते हुए इसमें व्यापक सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सुझाव दिया, जिसे सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में लागू किया गया। इसके उपरांत अशोक

मेहता समिति, 1977, जी.वी.के. राव समिति, 1985 और एल.एम. सिंघवी समिति, 1986 जैसी विभिन्न समितियों ने इस व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण परामर्श दिए। सिंघवी समिति की सिफारिशों का ही परिणाम था कि पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग दृढ़ता से उठाई गई। अंततः वर्ष 1992 में भारतीय संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जो 24 अप्रैल 1993 से पूर्णतः प्रभावी हुआ। इस ऐतिहासिक कदम ने भारतीय प्रजातंत्र के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया। अब पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं रह गईं, बल्कि वे संवैधानिक शक्ति से संपन्न स्वायत्त संस्थाएं बन गईं। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243 से 243-ण तक के प्रावधान जोड़े गए और 11वीं अनुसूची के माध्यम से पंचायतों को 29 महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने का पूर्ण अधिकार दिया गया। इनमें कृषि, भूमि सुधार, लघु सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, पुल, ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और स्वास्थ्य जैसे विषय सम्मिलित हैं, जो ग्रामीण जीवन के विकास के मुख्य स्तंभ हैं।

पंचायती राज व्यवस्था की संरचना अत्यंत वैज्ञानिक है। इसके सबसे निचले स्तर पर ग्राम पंचायत होती है, जहाँ ग्राम सभा की भूमिका अत्यंत निर्णायक होती है। ग्राम सभा लोकतंत्र का सबसे जीवंत रूप है, जहाँ गाँव का प्रत्येक मतदाता प्रत्यक्ष रूप से अपनी राय रख सकता है। मध्यवर्ती स्तर पर क्षेत्र पंचायत या पंचायत समिति होती है, जो विभिन्न ग्राम पंचायतों के मध्य समन्वय स्थापित करती है। शीर्ष स्तर पर जिला परिषद होती है, जो जिले के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करती है और प्रशासनिक सहायता प्रदान करती है। इस त्रि-स्तरीय व्यवस्था ने शासन को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने का कार्य किया है। इस प्रणाली की एक और क्रांतिकारी विशेषता सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, जिसे अब भारत के 21 राज्यों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। आज देश के 30 लाख से अधिक निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 14 लाख महिलाएं हैं। यह सामाजिक सशक्तिकरण का ऐसा अनुपम उदाहरण है जिसने ग्रामीण भारत की आधी आबादी को नेतृत्व के अवसर प्रदान किए हैं। अब गाँव की महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यालय निर्माण, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल संचालन कर रही हैं।

विकास के दृष्टिकोण से देखें तो पंचायतों ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के सुधार में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जैसी विशाल योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही संभव हो सका है। स्थानीय स्तर पर संसाधनों का उचित प्रबंधन और लाभार्थियों की सही पहचान करने में पंचायतें जितनी सक्षम हैं, उतनी कोई और संस्था नहीं हो सकती। पेयजल के लिए 'हर घर जल' अभियान हो या खुले में शौच से मुक्ति का संकल्प, पंचायतों ने इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। वर्तमान में सूचना और संचार के आधुनिक युग में पंचायतों को तकनीकी रूप से भी सुदृढ़ किया जा रहा है। ई-ग्राम स्वराज जैसे मंचों के माध्यम से पंचायतों के लेखा जोखा और विकास कार्यों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और जनता का विश्वास इन संस्थाओं के प्रति बढ़ा है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दुनिया में द्वेष से भरे हिंसात्मक लोग जब दूसरे लोगों में कोई कमी नहीं निकाल पाते तब ईर्ष्या और कुंठा की आग में जलते हुए वे सीधा चरित्र पर प्रहार करते हैं और सबसे आश्चर्य और हास्यप्रद तब होता है जब उनका अपना कोई चरित्र ही नहीं होता वे अपनी मर्यादा और चरित्रहीनता की सभी सीमाएं पार कर चुके होते हैं और अपने खोखले कुंठित व्यक्तित्व के सहारे समाज में खड़े रहते हैं इसीलिए देखना चाहिए कि ईश्वर ने आखिर इनका अंत क्या लिखा है।

- अनामिका चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री जी के विरुद्ध इन सब सोशल मीडिया की पोस्ट पढ़ने के बाद, मैंने निर्णय लिया है कि कल खुद झालमुड़ी बनाऊँगा और खाऊँगा, तेल, प्याज, चटनी इत्यादि इत्यादि की भी व्यवस्था करने का प्रयास रहेगा ! "मोदीजी का अपमान , नहीं सहेगा हिंदुस्तान।" **- अमित कुमार नेमा**

अंदाज़ है आगाज़ का समय का वो सच जो सच के साथ ही रहता है.. समय के आने पर सच समय पर ही दिखता है.. मन तो मन है झूठ से चाहे कितना ही दिल टूटा समय के व्यवहार में सच आईना ही कहता है .... कि समय और सच बस अंदाज़ है आगाज़ का ..!!

- नंदिता तनूजा

कवि के हृदय बीच भाव जब जागते तो। लिखते हैं जन गण गद्य पद्य उदगार। हास परिहास ब्यंग्य यति गति लय रखि। लेखनी संवार खूब रचते हैं छंदकार। दीर्घ लघु में ही पूर्ण साहित्य समाया हुआ। कर रहे नवों रस इतने में ही शृंगार। कहती मां शारदे है वीणा झंकार कर, रचना के प्राण तत्व होते सदा अलंकार ।।

- अजय मिश्रा अभिज्ञ

दिल की क्या नादानी लिक्खें आँखों का क्या पानी लिक्खें गुज़रा वक़्त नहीं आता फिर अपनी आज कहानी लिक्खें हम जला दिये सब उसके ख़त क्या है बची निशानी लिक्खें चाँदी जैसे बाल मेरे अब कैसे कटी जवानी लिक्खें आँख बड़ी और होंट गुलाबी चेहरा था नूरानी लिक्खें वक़्त कटा मेरा किस्तों में मुश्किल या आसानी लिक्खें जीत नहीं पाया दिल जिसको उसको दिल की रानी लिक्खें 'ऐनुल' हार नहीं माने हम जोश हुआ तूफ़ानी लिक्खें। **- 'ऐनुल' बरौलवी**

बारिश हो रही है चाय चलेगी न सर्दी बहुत है अदरक वाली चाय चलेगी न गर्मी गजब है मगर चाय तो चलेगी ही फुर्सत है चलो चाय पीते है बहुत काम है चलो पहले चाय पीते है अकेले है चलो चाय पीते है दोस्तो के साथ हैं चलो चाय पीते है।

- सरिता त्रिवेदी

जब खुद की नाक कटी हो तो दूसरों की भी नाक काट दो तबीयत प्रसन्न हो जाएगी। खुद की संस्कृति से कटे जो अपनी संस्कृति को निभा रहे हैं उन पर अपने संस्था के रुल ओफ कंडक्ट थोप दो। बात कड़वी है परन्तु सच है और सच्चाई बहुत कड़वी होती है। घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का सिद्ध। ऐसे ही नहीं कहा गया था ।

- नवीन शंकर शर्मा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव लेकर आएगा। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ बेहतर करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं, काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे तो फायदा हो सकता है।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा।

QUIZ TIME

1) भारत का पहला राज्य कौन सा है जिसने एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर टूरिज्म सेवाएं शुरू की हैं?

2) नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल्स मिशन किस मंत्रालय की पहल है?

3) किस भारतीय राज्य में सरंडा वन स्थित है, जिसे सात सौ पहाड़ियों की भूमि कहा जाता है?

4) किस देश ने ऑपरेशन मिडास, एक बड़ा भ्रष्टाचार विरोधी जांच अभियान शुरू किया है?

5) ओडिशा में पहली बार सफलतापूर्वक उगाए गए यूस्टोमा फूल का मूल स्थान कौन सा क्षेत्र है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मध्य प्रदेश (2) वस्त्र मंत्रालय (3) झारखंड (4) यूक्रेन (5) मेक्सिको और अमेरिका

पहेली

शब्द सामर्थ्य -017

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 016 का हल

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक परीक्षा 26 को, 123 केंद्रों पर 38 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

■ परीक्षार्थियों को 2 घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र पहुंचना होगा

■ परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार प्रातः 9.30 बजे होंगे बंद

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड की उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को होगी। इस परीक्षा में कुल 38,937 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए जिले में 123 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए नोडल अधिकारी ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले अपने केंद्र का निरीक्षण करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों का मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षार्थियों को कम से कम 2 घंटे पहले केंद्र पहुंचना अनिवार्य है, ताकि पहचान पत्र सत्यापन और सुरक्षा जांच समय पर पूरी हो सके। यह सख्ती परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई है।

परीक्षा के दौरान अनुशासन और शुचिता बनाए रखने के लिए परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े और फुटवियर के रूप में चप्पल पहनकर आना होगा। गहरे रंग जैसे काले, नीले, हरे, जामुनी, मैरून और चॉकलेटी कपड़ों का उपयोग पूर्णतः वर्जित है। जो अभ्यर्थी धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक पहनकर आएंगे, उन्हें सामान्य समय से पहले केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा और अतिरिक्त सुरक्षा जांच के बाद ही अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी या स्कार्फ जैसे किसी भी उपकरण या सामग्री को ले जाना प्रतिबंधित है। अभ्यर्थियों को केवल काले या नीले बॉल पॉइंट पेन साथ लाने की अनुमति होगी।

डीजे-लाउडस्पीकर पर महापौर सख्त

■ मैरिज गार्डन, भवन मालिक जिम्मेदार, लायसेंस निरस्त की होगी कार्रवाई

■ बारात में पेपर कंफेटी मशीन पर रोक

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम द्वारा शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट किया है कि निगम सीमा क्षेत्र में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे, लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने बताया कि निगम अमला द्वारा रात 10 बजे के बाद विशेष निगरानी रखेगी। यदि इस दौरान कहीं भी हाई वॉल्यूम में डीजे बजता पाया तो सबसे पहले डीजे संचालक और उसके बाद संबंधित भवन, लॉन या मैरिज गार्डन संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शादियों एवं अन्य आयोजनों में तेज ध्वनि के कारण यदि ट्रैफिक जाम या आमजन को परेशानी होती है, तो संबंधित मैरिज गार्डन या बैंक्वेट हॉल के लाइसेंस निरस्त करने की भी कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बारात के दौरान पेपर कंफेटी (कागज के टुकड़े) उड़ाने वाली मशीनों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा पाए जाने पर मशीन को जब्त तथा संबंधित पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों एवं आयोजकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें।

न्यूज गैलरी

ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज आज

दुर्ग। भारत सरकार गृह मंत्रालय महानिदेशालय अग्निशमन सेवा नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक नई दिल्ली के पत्रानुसार नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, एनसीसी एवं होमगार्ड जवानों को सिविल डिफेंस, एयर रेडियो/ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज हेतु मॉक अभ्यास 24 अप्रैल 2026 को शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दुर्ग कैंपस केन्द्रीय विद्यालय के पास (केन्द्रीय जेल) में किया जाएगा। उक्त मॉक अभ्यास हेतु कलेक्टर दुर्ग द्वारा विभिन्न विभाग के अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपे गये हैं। साथ ही मॉक अभ्यास के समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद, 30 तक दावा आपत्ति

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना जामगांव एम (पाटन-02) द्वारा परिक्षेत्र कुम्हारी के सेक्टर पाहंदा अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र कुगदा क्रं 1 की आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसकी प्राविधिक अनंतिम सूची परियोजना कार्यालय जामगांव-एम एवं नगरपालिका परिषद कुम्हारी में चस्पा की गयी है। इस संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया हैं। जिसके संबंध में किसी भी आवेदिका को आपत्ति / दावा है वह 30 अप्रैल 2026 की शाम 5.30 बजे तक अपना आपत्ति/दावा ऑनलाईन ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से दर्ज व प्रस्तुत कर सकते है। अंतिम तिथि पश्चात् कोई भी दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

नपा उप-निर्वाचन: भिलाई और रिसाली के लिए रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने जिले में होने वाले नगरपालिका उप-निर्वाचन 2026 के लिए रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की है। छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नियुक्तियाँ भिलाई और रिसाली नगर पालिक निगम के रिक्त वार्डों में चुनाव संपन्न कराने हेतु की गई हैं। नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड 01 (जुनवानी) के लिए दुर्ग नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल (आईएएस) को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। उनकी सहायता के लिए नगर निगम दुर्ग के उपायुक्त मोहेन्द्र साहू को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड 2 एवं 39 के लिए भिलाई नगर निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय को रिटर्निंग ऑफिसर और उपायुक्त नरेन्द्र बंजारे को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर पदाभिहित किया गया है। निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियाँ शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस जन मित्र योजना: दुर्ग पुलिस की अहम पहल- विजय अग्रवाल

दुर्ग।पुलिस एवं आम नागरिकों के बीच संवाद, विश्वास एवं सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने थाना सुपेला एवं थाना खुर्सीपार क्षेत्र में (पुलिस जन मित्र योजना) का शुभारंभ किया. इस योजना के तहत दुर्ग पुलिस नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता, सूने मकानों की सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान कर रही है। विभिन्न जन-जागरूकता पोस्टर एवं मार्गदर्शिका के माध्यम से नागरिकों को हेल्पलाइन नंबर 1930 (साइबर फ्रॉड), 1091 (महिला सुरक्षा) एवं 1033 (नशा नियंत्रण) की जानकारी दी जाकर आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सावधानियों से अवगत कराया जा रहा है. यह पहल सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से नागरिकों को पुलिस कार्यों से जोड़ते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है. योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता, बेहतर समन्वय एवं अपराधों की रोकथाम में सहायक होगी।

शुद्ध पेयजल के लिए पूर्व में स्थापित वाटर एटीएम का डीएमएफ राशि से करें संधारण: विधायक देवेंद्र

■ जन स्वास्थ्य को लेकर विधायक कलेक्टर को लिखा पत्र

भिलाई/नवप्रदेश। टाउनशिप क्षेत्र में मटमैला और बदबूदार पानी आपूर्ति की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इस ओर पत्र और ज्ञापन के माध्यम से लगातार बीएसपी प्रबंधन को अवगत कराया जा रहा है, लेकिन प्रबंधन ध्याय नहीं दे रहा है। इससे लोगों को स्वास्थ्यगत समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इस समस्या से जूझ रही लोगों को राहत दिलाने के लिए भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की है। उन्होंने कलेक्टर दुर्ग को पत्र के माध्यम से लोगों की समस्या से अवगत कराया है और जिला खनिज न्यास मद से पूर्व में स्थापित वाटर एटीएम मशीनों का संधारण जल्द से जल्द कराने की मांग की है। ताकि लोगों को पहले की वाटर एटीएम से शुद्ध पेयजल मिल सके।

विधायक ने पत्र मे लिखा है कि भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के स्लम ऐरिया और टाउनशिप क्षेत्र के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पिछले 2-3 वर्षों में विभिन्न स्थानों पर वाटर एटीएम लगवाए थे। एक समय के बाद इन मशीनों का संधारण की आवश्यकता है और कई मशीनें संधारण के अभाव में खराब हो गई है। जिससे लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा है और वे मजबूरन मटमैला व बदबूदार प्रदूषित पानी पीने व उपयोग करने के लिए मजबूर है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मशीनों के संधारण और मरम्मत को लेकर नगर निगम को पहले भी अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके चलते स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वार्डवासियों में काफी नाराजगी है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए जिला खनिज न्यास मद से सभी खराब वाटर एटीएम मशीनों की मरम्मत और संधारण कार्य जल्द स्वीकृत कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग-महिला से 7 लाख की ठगी

भिलाई/नवप्रदेश। अकेले रह रही महिला साइबर ठगी की शिकार हो गई है। डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 62 साल की महिला से 7 लाख ठग लिए गए। आरोपी खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर कई दिनों तक महिला को वीडियो कॉल और मैसेज के जरिए डराते-धमकाते रहे। मामला थाना सुपेला क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार आर्य नगर कोहका निवासी निर्मला चौबे ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 13 मार्च 2026 को उनके मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आया। उस कॉल में 5 से 7 लोग पुलिस की वर्दी में दिख रहे थे। उनमें से एक व्यक्ति ने अपना नाम संदीप राव बताया और खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बताया। डर के कारण महिला ने 16 मार्च को अपने एसबीआई खाते से 3 लाख आरटीजीएस के जरिए एक खाते में ट्रांसफर कर दिए। यह पैसा अगोदिया नारायण चोवाराम के नाम पर भेजा गया था। इसके बाद 17 मार्च को दो युवक और एक युवती उसके घर पहुंचे और 4 लाख रुपए की मांग करने लगे। जब महिला ने पैसे न होने की बात कही, तो आरोपियों ने उसे सोना गिरवी रखने की सलाह दी। बाद में जब कोई पैसा वापस नहीं मिला, तब महिला को ठगी का एहसास हुआ और 22 अप्रैल को उन्होंने अपने दामाद के साथ पुलिस चौकी स्मृति नगर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

विवि का 11 वां स्थापना दिवस आज

दुर्ग/नवप्रदेश। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय 24 अप्रैल 2026 को अपना 11 वाँ स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। विवि की स्थापना वर्ष 2015 में हुई थी। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत दुर्ग संभाग के समस्त जिलों को आच्छादित करता हुआ युवाओं के उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। इस विवि परिक्षेत्र के अंतर्गत 160 महाविद्यालय संबद्ध हैं। विवि के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति डॉ अरुणा पलटा एवं प्रथम कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित होंगे। इस अवसर पर जिले के शासकीय पीजी महाविद्यालयों के प्राचार्य भी उपस्थित रहेंगे। विवि कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि विवि स्थापना दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है। बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जब पूरे विवि परिवार को एक साथ आने, अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने और भविष्य की योजनाओं पर विचार का मौका मिलता है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम विवि को और अधिक उत्कृष्ट और समाजोपयोगी कैसे बना सकते हैं।

राशन व्यवस्था फेल: जनता की पुकार पर प्रशासन को वोरा ने जगाया

दुर्ग/नवप्रदेश। तपती गर्मी और बढ़ती परेशानियों के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अरुण वोरा एक बार फिर जनसेवा की मिसाल पेश करते हुए सीधे जनता के बीच पहुँचे। वार्ड क्रमांक 3, 4, 52 (बोरसी) और 56 (बघेरा) में राशन दुकानों पर चावल की गंभीर कमी की शिकायत मिलते ही वे स्वयं मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पिछले कई दिनों से उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी (43-45 डिग्री) में लोग राशन के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। इस पर वोरा ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्या का समाधान तत्काल सुनिश्चित किया जाए।

राशन दुकानदारों ने भी गंभीर स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि दुर्ग शहर, भिलाई एवं दुर्ग ग्रामीण क्षेत्रों की कुल लगभग 327 राशन दुकानों में पिछले तीन महीनों से आपूर्ति बाधित है। यह व्यापक समस्या शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

वोरा ने इस लापरवाही पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि ÷जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। प्रशासन को तुरंत सक्रिय होकर आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी।

क्षेत्रवासियों ने भी वोरा की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की। लगातार वार्डों में पहुँचकर समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहना, उनके जनप्रतिनिधि होने की सच्ची पहचान को दर्शाता है।

पाटन क्षेत्र के दो उपकेंद्रों में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत, हजारों को मिलेगा लाभ

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के विद्युत अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करते हुए 22 अप्रैल 2026 को पाटन विद्युत संभाग के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण स्थानों पर नए पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक चार्ज किए गए। पाटन वितरण केंद्र के 33/11 केवी उपकेंद्र फुंडा और जामगांव (टी) वितरण केंद्र के 33/11 केवी उपकेंद्र घुघवा में 3.15 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए। इन दोनों उपकेंद्रों में पहले से ही 3.15 एमवीए के ट्रांसफार्मर स्थापित थे, जिनमें अब अतिरिक्त क्षमता विस्तार किया गया है। उक्त दोनों उपकेंद्रों में स्थापित हुए अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर को कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र) संजय खंडेलवाल द्वारा ऊर्जीकृत किया गया, जिससे दोनों उपकेंद्रों की क्षमता बढ़कर 6.30 एमवीए हो गई है।

लगभग 53 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुई इस परियोजना का सीधा लाभ क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा। इस विस्तार से पाटन वितरण केंद्र के ग्राम फुंडा, पुनाइदिह, अरसनारा, देवादा, सातरा सहित जामगांव (टी) वितरण केंद्र के घुघवा, करसा, बेंद्र, राखी, रवेली, अमेरी, गभरा, और छोटे व बड़े औरी जैसे क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इससे न केवल 3488 घरेलू और 993 कृषि उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग की समस्या से मुक्ति मिलेगी, बल्कि उन्हें भविष्य में समुचित वोल्टेज और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

इस महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य के दौरान विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी टीम मुख्य रूप से उपस्थित रही। ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने की प्रक्रिया अधीक्षण अभियंता (दुर्ग वृत्त) आर.के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता बी.पी. दीपक, धर्मेन्द्र भारती एवं एस.के. राय की उपस्थिति में संपन्न हुई।

पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली समिति में शामिल हुआ विधायक सेन का नाम

■ महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रमों में निभाएंगे अहम भूमिका

भिलाई/नवप्रदेश। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रिकेश सेन को एक अहम जिम्मेदारी मिली है। भारत सरकार ने उन्हें महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर होने वाले देशभर के कार्यक्रमों के लिए बनाई गई उच्च स्तरीय समिति में शामिल किया है। इस समिति की अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।

संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस समिति में देश की 126 खास हस्तियों को जगह दी गई है। इसमें विधायक रिकेश सेन को 91वें नंबर पर सदस्य बनाया गया है। यह समिति पूरे देश में होने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाएगी और उनके संचालन में मार्गदर्शन भी देगी।

2028 तक चलेंगे कार्यक्रम

यह राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम 11 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 11 अप्रैल 2028 तक दो साल तक चलेंगे। इन कार्यक्रमों का मकसद महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को लोगों तक पहुंचाना है। खासकर सामाजिक बराबरी, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को नई पीढ़ी तक सरल तरीके से पहुंचाने पर जोर रहेगा। सरकार ने इस समिति का गठन 13 अप्रैल 2026 को आधिकारिक तौर पर गजट में प्रकाशित कर दिया है। इसके बाद से ही देशभर में इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सचिव के माध्यम से मिला पत्र

विधायक रिकेश सेन को इस जिम्मेदारी के लिए भारत सरकार के संयुक्त सचिव समर नंदा ने पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि, उनकी भागीदारी और सुझाव से इन कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी।

अब इस समिति की बैठकों में रिकेश सेन की भागीदारी अहम मानी जा रही है। आने वाले समय में वे इन राष्ट्रीय कार्यक्रमों की योजना और उनके क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आएंगे।

मानव संसाधन केंद्र में वीआईपी लाउंज का उद्घाटन

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन/ ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर/ एल एंड डी) केंद्र में संस्थागत अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा पेशेवर सहभागिता के वातावरण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में नव विकसित वीआईपी लाउंज का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक यशवंत सिंह जोहरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। नव स्थापित वीआईपी लाउंज को वरिष्ठ प्रबंधन के साथ संवाद, उच्च स्तरीय बैठकों एवं आगंतुक विशिष्ट अतिथियों के स्वागत हेतु एक सुसज्जित एवं आरामदायक तौर पर विकसित किया गया है। यह सुविधा संगठन में पेशेवर संवाद एवं सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। संबोधन में कार्यपालक निदेशक कुमार ने प्रभावी संवाद एवं हितधारकों के साथ सार्थक सहभागिता के लिए समर्पित स्थानों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अवसंरचना संगठन के ज्ञानार्जन एवं विकास तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही, उन्होंने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन/ ज्ञानार्जन एवं विकास टीम के प्रयासों की सराहना की। यह वीआईपी लाउंज मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ रणनीतिक विचार-विमर्श, विशेषज्ञ संवाद तथा आगंतुक प्रतिनिधियों के साथ प्रभावी सहभागिता के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा।

दीवारों पर उभरती सुरक्षा की चेतना: गैरेज रोड, स्लैग गैलरी, एमआरडी चौक तक दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग

बीएसपी में सौंदर्यीकरण के साथ जागरुकता की पहल

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के सिविल इंजीनियरिंग विभाग (सीईडी) द्वारा संयंत्र परिसर में सौंदर्यीकरण के साथ सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई सार्थक पहल की जा रही है। इसी दिशा में गैरेज रोड, स्लैग गैलरी से एमआरडी चौक तक की दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग का कार्य किया गया है, जिसमें मुख्यतः सुरक्षा संबंधी संदेशों और कलात्मक अभिव्यक्तियों को स्थान दिया गया है। यह पहल संयंत्र के सौंदर्यीकरण को नई पहचान के साथ-साथ कार्यरत कर्मियों के बीच सुरक्षा के प्रति सतत जागरूकता का संदेश भी संप्रेषित कर रही है। यह कार्य कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार के मार्गदर्शन में सीईडी विभाग द्वारा संपादित किया गया है।

इसी क्रम में सीईडी विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (सीईडी) राकेश पांडेय ने जानकारी दी कि फाउंड्री सर्कल से आरसीएल टर्निंग तक दूसरी वॉल पेंटिंग विकसित की गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला को सुरक्षा विषयों के साथ संयोजित किया गया है। इस पहल के पीछे उद्देश्य यह है कि संयंत्र में कार्यरत कर्मी इन चित्रों के माध्यम से एक ओर सुरक्षा के प्रति जागरूक हों, वहीं दूसरी ओर उन्हें कार्यस्थल पर सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण का अनुभव भी हो।

संयंत्र प्रबंधन द्वारा इस पहल को आगे बढ़ाते हुए नर्सरी से यूआरएम टर्निंग प्वाइंट तक अगली वॉल पेंटिंग का कार्य प्रस्तावित है। साथ ही, संयंत्र के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी विभिन्न विषयों पर आधारित वॉल पेंटिंग विकसित करने की योजना है, जिससे पूरे परिसर में सौंदर्य और संदेश का संतुलित वातावरण निर्मित हो सके।

उल्लेखनीय है कि अब तक संपन्न इन कार्यों में छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी रही है। साथ ही सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक महाप्रबंधक मार्टि कमैया का इस पहल में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके प्रयासों से यह रचनात्मक कार्य प्रभावी रूप से मूर्त रूप ले सका है।

> फाउंड्री सर्कल से आरसीएल टर्निंग तक दूसरी वॉल पेंटिंग विकसित की गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला को सुरक्षा विषयों के साथ संयोजित किया गया है। इस पहल के पीछे उद्देश्य यह है कि संयंत्र में कार्यरत कर्मी इन चित्रों के माध्यम से एक ओर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की पहल की है।
> **- राकेश पांडेय, सीईडी विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (सीईडी)**

ग्राम पंचायत चिचोली में कलेक्टर कनौंजे ने लगाया रात्रिकालीन जन चौपाल

■ रात्रि कालीन जन चौपल से ग्रामीणों में जागी उम्मीदें

भटगांव/नवप्रदेश। मेंग्राम पंचायत चिचोली में रात्रिकालीन जन चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां जिले भर के तमाम अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीण शामिल हुए।

बतादें कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार की तमाम छोटी-बड़ी और महत्वपूर्ण योजनाओं को अंतिम स्तर के लोंगों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया।

जिले के कलेक्टर संजय कन्नौजे ने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों को केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार की योजनाओं को बताया। साथ ही उन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिल रहा या नही ग्रामीणों से सहज सरल गांव की बोली छत्तीसगढ़ी भाषा में

पूछा ऐसा लग रहा था यहां कोई कलेक्टर नहीं गांव में गांव के लोग ही गांव की समस्या सुलझा रहें हैं गांव में कलेक्टर को पाकर लोगों मे उम्मीद जागें अब ऐसा लागांव की समस्या दुर होंगे

वहीं कलेक्टर के पूछने पर कुछ ग्रामीणों ने भी एक-एक कर अपनी समस्या कलेक्टर के सामने रखा। जहां कलेक्टर ने तत्काल मौके पर निराकरण करने अधिकारी को निर्देश दिए। वहीं कुछ ग्रामीणों ने पीएम आवास सहित महतारी वंदन योजना और किसान सम्मानिधि योजना का लाभ मिलने की बात कही । हालाँकि कुछ ग्रामीणों अवैध चिकनीडीह चिचोली में चल रहे रेत उत्खनन की सिमांकन? को लेकर तथा रेत खनन हेतु बड़ी गाड़ियों की आवाजाही से सड़क खराब होने की शिकायत की तो विद्युत लो वोल्टेज से परेशान होने सहित विद्युत पोल लगवाने की भी शिकायत दी। जिस पर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को समस्या सुलझाने कहा। पटवारी को प्रभार वाले गांव में दिनवार रहने को बोला गया, कई पटवारी अपने प्रभार लिये गांव में नहीं रहते जिससे किसानों को पटवारी के लिए भटकना पड़ता है वहीं महतारी वंदन योजना के पात्र महिलाओं को द्म4ष कराने की सलाह दी और कहाकि द्म4ष हेतु सीएससी सेंटरों में निःशुल्क किया जा रहा है। सीएससी सेंटर द्वारा पैसों की मांग की जाने पर उनका शिकायत करने को भी कहा गया। वहीं चिचोली सरपंच ने सी,सी, रोड,नाली, नहर में सिंचाई के लिए पानी, ट्रांसफार्मर जैसी मांग किया।

रात्रि जनचौपाल में अनुविभागी अधिकारी राजस्व बिलाईगढ़ प्रफुल्ल रजक भटगांव तहसीलदार नीलिमा अग्रवाल ,जनपद पंचायत सीईओ प्रतीक प्रधान ,जिला शिक्षा अधिकारी जे,आर, डहरिया ,ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण साहू, चिचोली सरपंच अंजली यादव ,सरपंच प्रतिनिधि घनश्याम यादव, उप सरपंच चिचोली भोले शंकर चंद्रा ,सालिहाघाट सरपंच प्रतिनिधि सियाराम पटेल ,सचिव शंभू पटेल ,गिरवानी सरपंच साधराम पटेल, गिरवानी पुर्व सरपंच रामकुमार साहू ,विशाल मनिकपुरी के साथ सार्था ,जला स्तर के सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेड़ पर मिली 23 वर्षीय युवती की लाश फांसी की आशंका से मामला बना रहस्यमय

■ सुरंगी नाला के पास इमली के पेड़ के नीचे मिला शव

■ फंदा टूटने से जमीन पर गिरा, पुलिस कर रही जांच

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलखुंटा में उस समय सनसनी फैल गई जब खेत की मेड़ पर एक 23 वर्षीय युवती का शव बरामद हुआ। यह घटना पीपलखुंटा - सोनामुंदी मार्ग स्थित सुरंगी नाला के समीप की है, जहां धान के खेत के बीच इमली के पेड़ के नीचे युवती की लाश पड़ी मिली। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने मामला आत्महत्या का बताया है। आशंका है कि युवती ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर जान दी, लेकिन फंदा टूट जाने के कारण शव जमीन पर गिर गया, जिससे मामला संदिग्ध नजर आ रहा है।

सुबह खेत जाते समय दिखा शव

जानकारी के अनुसार, ग्राम पीपलखुंटा निवासी रोहित सिदार सुबह अपने खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसकी नजर इमली के पेड़ के नीचे पड़े शव पर पड़ी। उसने तुरंत ग्राम सरपंच श्रीकांत पटेल और बसना थाना पुलिस को सूचना दी।

मृतका की पहचान, परिजनों में मचा कोहराम

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान ग्राम छोटे पटनी निवासी कुमारी तारा निषाद (23) के रूप में की। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शिनाख्त की पुष्टि की। घटना की खबर से परिवार में मातम पसर गया।

एक दिन पहले से थी लापता

परिजनों ने बताया कि तारा निषाद 12वीं तक शिक्षित थी और पिछले एक वर्ष से घर पर ही रह रही थी। वह 21 अप्रैल की दोपहर करीब 1 बजे से लापता थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने गांव और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

अधसड़ी साड़ी से बनाया फंदा, टूटने से गिरा शव

घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि युवती ने नाला किनारे पड़ी अधसड़ी साड़ी को फंदा बनाकर इमली के पेड़ पर चढ़कर आत्महत्या की। फंदा कमजोर होने के कारण टूट गया और शव नीचे गिर गया।

जांच जारी, कारणों का नहीं हुआ खुलासा

बसना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है।

पुलिस सतर्कः चेतावनी पोस्टर लगाए, पर्यटकों को दी गई समझाइश

पैरी घुमर डैम में हादसे की आशंका

■ सिंचाई विभाग की लापरवाही आई सामने

गरियाबंद/नवप्रदेश। गर्मी के मौसम में बढ़ती पर्यटकों की भीड़ के बीच पैरी घुमर डैम में संभावित हादसों को देखते हुए गरियाबंद पुलिस ने सराहनीय पहल करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। डैम क्षेत्र में ऊंचाई से पानी में कूदने और गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए चेतावनी पोस्टर लगवाए गए हैं, साथ ही मौके पर पहुंचे पर्यटकों को समझाइश भी दी जा रही है।

गरियाबंद पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से बताया गया है कि डैम का जलस्तर कई स्थानों पर अत्यधिक गहरा है और ऊंचाई से छलांग लगाने पर गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम लगातार निगरानी कर लोगों को सुरक्षित रहने की अपील कर रही है।

हालांकि, इस पूरे मामले में सिंचाई विभाग की लापरवाही भी सामने आई है। लंबे समय से डैम क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग की व्यवस्था नहीं की गई थी, जिससे पर्यटक बिना किसी रोक-टोक के खतरनाक स्थानों तक पहुंच रहे थे। जिसका पिछले दिनों वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। बताना लाजिमी होगा कि यदि समय रहते पुलिस पहल नहीं करती, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था।

अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें

गरियाबंद सिटी कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें, गहरे पानी में न जाएं और किसी भी स्थिति में ऊंचाई से डैम में छलांग न लगाएं। साथ ही अभिभावकों से भी बच्चों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई है। इस पहल से जहां एक ओर पुलिस का संवेदनशील और जिम्मेदार चेहरा सामने आया है, वहीं संबंधित विभाग की लापरवाही पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

वहीं स्थानीय लोगों का भी कहना है कि पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध इस डैम में हर साल बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में हमेशा जोखिम बना रहता है। ऐसे में संबंधित सिंचाई विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्थायी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

बैतारी चौक के पास 10 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बैतारी चौक के पास एक व्यक्ति के कब्जे से महुआ शराब बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम भोथलडीह निवासी गजपति गार्डिया (70 वर्ष) के पास से करीब 10 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया।

पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि बैतारी चौक क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से महुआ शराब लेकर बिक्री के उद्देश्य से घूम रहा है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 10 लीटर महुआ शराब बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

इस मामले में सरायपाली पुलिस ने आरोपी गजपति गार्डिया के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों - कर्मचारियों के अवकाश पर रोक

1 मई से 30 मई तक चलेगा मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य

महासमुंद/नवप्रदेश। भारत सरकार, गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण की शुरुआत 01 मई 2026 से होने जा रही है। इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 30 मई 2026 तक किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

पूर्व स्वीकृत अवकाश भी होंगे पुनः अनुमोदित

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पहले से स्वीकृत अवकाश के मामलों में भी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी को पुनः आवेदन कर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक होगा, अन्यथा अवकाश मान्य नहीं होगा।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे जनगणना 2027 के प्रथम चरण को सफ्लतापूर्वक पूरा किया जा सके।

बिना अनुमति अवकाश नहीं, मुख्यालय छोड़ने पर भी रोक

जारी निर्देशों के अनुसार जनगणना कार्य में लगे किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना अवकाश नहीं दिया जाएगा। साथ ही बिना पूर्व स्वीकृति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ सकेगा।

विशेष परिस्थिति में ही मिलेगा अवकाश : विशेष परिस्थितियों में अवकाश के लिए आवेदन जिला जनगणना शाखा के माध्यम से प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। आवेदन के परीक्षण के बाद ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा।

हाईवा से टकराया ट्रक, चालक घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के सांकरा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया और चालक घायल हो गया। यह दुर्घटना ग्राम बल्दीडीह के पास नेशनल हाईवे-53 पर हुई।

ट्रक क्रमांक सीजी 04 क्यूडी 4225 का चालक संजय अग्रवाल 20 अप्रैल को कोयला लेकर रायगढ़ से रायपुर के लिए रवाना हुआ था। 21 अप्रैल की रात करीब 02:30 बजे ग्राम बल्दीडीह, सांकरा के पास एनएच-53 पर एक हाईवा (क्रमांक सीजी 04 एनयू 2465) बिना किसी संकेतक के खड़ा था। पीछे से टकराया ट्रक, आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त। अंधेरे और संकेतक के अभाव में ट्रक सीधे खड़े हाईवा से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक के पैर में चोट आई है।

आरोपी चालक पर मामला दर्ज

घटना की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हाईवा चालक के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125(ए) और 285 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चलती कार में लगी आग, चालक सुरक्षित बचा

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के सरायपाली स्थित गुरु नानक चौक, पदमपुर रोड पर गुरुवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार जलकर खाक हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार से धुआं उठता देख चालक ने तुरंत वाहन रोका और कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही पलों में आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी कार उसकी चपेट में आ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। नगर पालिका की दमकल वाहन ने भी मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। इस घटना से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी दुकानों से बाहर निकल आए और मौके पर भीड़ जमा हो गई।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया है।

जनगणना प्रशिक्षण प्रतिभागियों के भोजन में डाका

छुरा/ नवप्रदेश। छुरा तहसील स्तर पर जनगणना प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों कर्मचारियों को तपती गर्मी में प्रशिक्षण दिया जा रहा है प्रशिक्षण हाल में चालीस लोगों के लिए एक कुलर की व्यवस्था किया गया है। जनगणना निर्देशालय अनुसार प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए प्रति दिवस दो सौ रुपए जलपान में खर्च करना है लेकिन छुरा में प्रतिभागियों को जो भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है उससे पता चलता है कि भोजन के नाम पर दिनदहाड़े हजारों लोगों के आंखों के सामने डकैती डाला जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों के अनुसार भोजन में मोटा चांवल, दाल, एक सब्जी , डिस्को पापड़ , दिया जा रहा है। जबकि उक्त भोजन की थाली छुरा नगर में पचास से साठ रुपए में पतला चांवल , रोटी के साथ दो सब्जी सलाद सहित मिलता है। जनगणना प्रशिक्षण की जिम्मेदारी राजस्व विभाग की है भोजन प्रशिक्षण अ ब्यवस्था पर छोटे कर्मचारी बोलने पर हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं । दो चरणों में प्रशिक्षण कर चुके कर्मचारी प्रशिक्षार्थियों ने दबे जुबान से मिडिया से चर्चा में बताया कि अनेकों कर्मचारी शूगर पेसेंट है जिन्हें मजबूरी में चांवल खाना पड़ता है, सुबह-शाम चाय नाश्ता के नाम पर चाय बिस्किट दिया जाता है। दस पन्द्रह लोगों के लिए भोजन कम पड जाता है जो भूखे रहते हैं, भोजन का प्लेट को कुत्ते गाय चाटते रहते हैं , इन अव्यवस्थाओं को देखने वाले कोई भी जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी उपस्थित नहीं रहते।

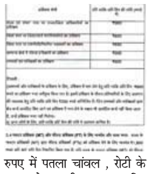

स्टेशन से बस स्टैंड सड़क मार्ग को चौड़ीकरण करना अनिवार्य

■ कलेक्टर से लोगो ने की डबल रोड बनाने की मांग

भाटापारा/नवप्रदेश। रेलवे स्टेशन से सदर होकर बस स्टैंड की ओर जाने वाली सड़क पर अत्यधिक यातायात का दबाव बना हुआ है,इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही से लगातार यातायात बाधित होते देख नगर के लोगों ने उक्त मार्ग को आवाजाही हेतु अलग अलग बनाने की मांग कलेक्टर से करते हुए कहा कि 1935 में उक्त मार्ग 40 फिट चौड़ा था और अब वो आधा रह गया है,जिससे आम जनता को आने जाने काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भाटापारा रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड की ओर शहर थाना होकर गोविंद चौक, सदर बाजार, पंचायती मंदिर, जैन मंदिर, सती मंदिर होते हुए बस स्टैड की ओर जाने एक मात्र प्रमुख सड़क पर यातायात का आत्याधिक दबाव बन गया है।इस मार्ग पर चलना और रेल्वे स्टेशन समय पर पहुंच पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। लोगो ने बताया कि अंग्रेजी शासनकाल मे सन् 1935 में जब पहली बार भाटापारा नगर पालिका का गठन किया गया था। उस वक्त उपरोक्त सड़क की चोड़ाई लगभग 40 फीट थी उस समय 1935 में गिनती के चार पहिया व दुपहिया वाहन ही 40 फीट चौड़ी सडक पर चलते थे। और आज 91 वर्ष बाद लगभग 10 से 15 हजार दुपहिया

व चार पहिया वाहन उक्त सड़क पर चल रहे है उक्त सड़क की चौड़ाई 20 फिट से भी कम रह गई है ऐसी विषम परिस्थिति में रोड की चौड़ाई अवैध कब्जो की भेट चढ़ जाने के कारण सड़क यातायात बाधित हो रहा है। देखा जाए तो शहर थाना पेट्रोल पंप के पास अनेक दु पहिया वाहन सड़क पर ही रख दिये गये है। उसी तरह सदर बाजार गोविंद चौक पंचायती मंदिर जैन मंदिर, महासती मंदिर होते हुए बस स्टैंड कालेज पहुच मार्ग तक सड़क के दोनो ओर दुकानो के सामान विज्ञापन बोर्ड तथा दुकानो के गठ्ठे व अन्य सामान रखे जाने से यातायात लगातार बाधित हो रहा है। इस गंभीर मसले पर प्रशासन को आगे आकर ऐसी कार्यवाही करना चाहिए कि रेलवे स्टेशन से लेकर बस स्टैंड तक का संपूर्ण मार्ग अपने मूल अस्तित्व 40 फीट चौड़ी सड़क के रूप मे धरातल पर आ सके इसके लिए बिना किसी राजनीतिक दबाव के बिना किसी भेदभाव के तथा बिना किसी दबाव के अवैध कब्जा सड़क से हटाकर सड़क को मूल स्वरूप प्रदान किया जाये।

नाम-परिवर्तन

मैं प्रमोद कुमार (PRAMOD KUMAR) पिता पुनाराम मनहरे (PUNARAM MANHARE) गाँव/शहर ग्राम व पोस्ट कुरूद, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम प्रमोद कुमार (PRAMOD KUMAR) पिता पुनाराम मनहरे (PUNARAM MANHARE) से बदल कर प्रमोद कुमार (PRAMOD KUMAR) पिता पुनाराम मनहर (PUNARAM MANHAR) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
प्रमोद कुमार
पिता पुनाराम मनहरे
गाँव/शहर ग्राम व पोस्ट कुरूद,
भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार भिलाई-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील- भिलाई-3 प.ह.न. 00011 चोरहा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण आर.डी. 202526430302173000009

तहसील भिलाई-3 के प.ह.न. 00011 के अंतर्गत ग्राम चोरहा के वर्तमान भूमिस्वामी नंदकुमार कुर्रे मोहनलाल कुर्रे नीराबाई धनकर चंद्रिका बंधे पिता/पति मिट्ठुलाल पता रामपुर चोरहा के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 186/1(0.0160), 300/1(0.3640) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता नंदकुमार कुर्रे मोहनलाल कुर्रे नीराबाई धनकर चंद्रिका बंधे पिता/पति मिट्ठुलाल पता रामपुर चोरहा के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04.05.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार भिलाई-3 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15.04.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
उपतहसील भिलाई-3

नाम-परिवर्तन

मैं देवद्र कुमार (DEVEDRA KUMAR) पिता श्यामलाल (SHYAMLAL) गाँव/शहर मं.नं. 214, वार्ड नं. 132, ग्राम निकुम, तह. व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम देवद्र कुमार (DEVEDRA KUMAR) पिता श्यामलाल (SHYAMLAL) से बदल कर देवेन्द्र कुमार (DEVENDRA KUMAR) पिता श्यामलाल (SHYAMLAL) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
देवद्र कुमार
पिता श्यामलाल
गाँव/शहर मं.नं. 214, वार्ड नं. 132,
ग्राम निकुम,तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/20264101200011 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जा है कि आवेदक फगुवाराम जोशी आ. स्व. साधुराम जोशी निवासी ग्राम अण्डा तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) के द्वारा ग्राम निकुम तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1556, 1567 रकबा 0.900, 0.3300 हे. भूमि जो कि जुगमत बाई के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु 09.09.2025 हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दानप्राप्तकर्ता दुष्यंत कुमार साहू पिता राम नारायण साहू जाति-तेली निवासी मकान नं. 6/ई के.सी.एस. सेक्टर 18 वार्ड नं. 51 भिलाई वेस्ट दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम हनोदा प.ह.नं. 53 रा.नि मं. उतई तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 461/66 रकबा :- 0.0310 हे, 3360 वर्गफिट भूमि दानकर्ताः- राम नारायणं साहू पिता श्री जे. आर. साहू जाति-तेली से रजिस्टर्ड दान पत्र दिनांक 09/02/2026 को किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को दानप्राप्तकर्ता के नाम पर प्रामाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति, अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 16.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202512104000025 /अ-06/वर्ष 2025-26/
मौजा गिरहोला प.ह.न. 010

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक मुन्ना लाल बंजारे पिता स्व. आनंद सिंह बंजारे, जाति सतनामी, निवासी ग्राम वार्ड नं. 09, सतनामी पारा, डॉ. कुर्रे जी क्लिनिक के पास गुढियारी तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के तहत द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम गिरहोला, प.ह.नं. 10 रा.नि.मं. व तहसील अहिवारा स्थित भूमि खसरा नंबर 332, 890, 920, 1218 रकबा क्रमशः 0.17, 0.21, 0.21, 0.50 हे. कुल खसरा नंबर 04 कुल रकबा 1.09 हे. वर्तमान अभिलेख में बुधो पति सुखीराम के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। भूमिस्वामी बुधो पति सुखीराम की मृत्यु दिनांक 05.09.2025 को हो गया है। भूधारक बुधो पति सुखीराम निः संतान थे। उक्त भूमि पर आवेदक को भूधारक बुधवंतीन बाई उर्फ बुधो पति सुखीराम अपने गोदपुत्र के रूप में अपना विधिक वारिस नियुक्त किया गया है। उक्त भूमि पर आवेदक के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज करने हेतु निवेदन किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में विधिक आपत्तियाँ/दावा रखने वाला जिस व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति, दावा हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 07.05.2026 को या उसके पूर्व कार्यालयीन दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 22.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेडियोग्राफर निलंबित

राजनांदगांव/नवप्रदेश। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें रायपुर संभाग रायपुर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव में पदस्थ रेडियोग्राफर भोज कुमार साहू को पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही एवं गंभीर अनुशासनहीनता बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव के रेडियोग्राफर भोज कुमार साहू द्वारा शासकीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने, पदीय दायित्वों का निर्वाहन नहीं करने, शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करने, उच्च अधिकारियों से अनुचित वार्तालाप करने तथा असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। भोज कुमार साहू का कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही के श्रेणी में होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के शर्तों का उल्लंघन है। निलंबन अवधि के दौरान भोज कुमार साहू का मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला दुर्ग निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

अवैध शराब के परिवहन और विक्रय करने वाले पर की जा रही कार्यवाही

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के परिवहन और विक्रय करने वाले के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। माह अप्रैल में आबकारी विभाग द्वारा कोचियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के 02 प्रकरण कायम कर कुल 19.08 लीटर देशी मदिरा प्लेन जप्त कर 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी अजय सिंह धुर्वे ने बताया कि 22 अप्रैल को रामचन्द्र चन्द्रवंशी ग्राम झिरौनी स्थित अपने दुकान में अवैध रूप से मदिरा का विक्रय करते गिरफ्तार किया गया एवं उनके कब्जे से एक थैला में 07 मेडऑफ बोतल, 1 नग बल्फमास्टर का बोतल, 6 नग बोतल मेकडावल नं. 01, 13 नग मसाला पाव, 5 नग पाव मसाला और 6 नग पाव प्लेन कुल मात्रा 14.82 बल्क लीटर मदिरा बरामद होने पर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर रिमांड की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही 21 अप्रैल को देशी मदिरा दुकान कुंडा के पास ग्राम सेन्हाभाटा मार्ग पर देशी मदिरा प्लेन का संग्रह कर अवैध एवं अधिक दर पर विक्रय करते हुए 01 शेरसिंह दिवाकर को देशी मदिरा प्लेन बेचते हुए कुल 14 नग पाव देशी प्लेन मदिरा के साथ गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) ख के तहत प्रकरण कायम कर कार्यवाही की गई।

राजा दिग्विजय दास की जयंती पर स्मरण का आह्वान

राजनांदगांव/नवप्रदेश। 25 अप्रैल को राजा दिग्विजय दास की जयंती के अवसर पर शहरवासियों से उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करने और नई पीढ़ी तक उनकी विरासत पहुंचाने का आह्वान संस्कारधानी सेवा समिति द्वारा किया गया है। संस्कारधानी राजनांदगांव को विकसित स्वरूप देने में बैरागी राजाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिन्हें भूल जाना समाज के लिए एक बड़ी चूक मानी जा रही है। राजा दिग्विजय दास ने अपने किले को कॉलेज के लिए प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल की थी, जो आज भी शहर की पहचान का प्रमुख आधार है। इसी प्रकार, उन्होंने रेलवे के लिए भी निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराकर क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई। यह भी अपेक्षा जताई गई है कि राजा सर्वेश्वर दास हायर सेकेंडरी स्कूल सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी जयंती के अवसर पर उनका स्मरण किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को अपने इतिहास और महान व्यक्तित्वों की जानकारी मिल सके। राजा दिग्विजय दास की जयंती पर संस्कारधानी सेवा संस्थान द्वारा 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे से महाकाल चौक में शरबत का वितरण किया जाएगा। इस सेवा कार्य के माध्यम से आमजन को गर्मी से राहत देने के साथ-साथ महान शासक के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

471 ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल को आयोजित होगा विशेष ग्राम सभा

- **नवा तारिया आय के जरिया, जनगणना, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर होगी चर्चा**

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतो मे और उनके आश्रित ग्रामो में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल के अवसर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन होगा। ग्राम सभा मे उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विजय शर्मा द्वारा ग्रामीणों को संबोधित किया जाएगा।इसके साथ ही ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर बनाने संपदा एप्प में परिसंपत्तियों को अपलोड करने, मोर गांव मोर पानी महा अभियान अंतर्गत जल संरक्षण और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए नवा तारिया आय के जरिया जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बात होगी। इसके साथ ही जनगणना के लिए स्वयं गणना पत्रक भरने एवं इससे संबंधित जानकारियां पर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। ग्राम सभा के आयोजन हेतु

कलेक्टर कबीरधाम द्वारा जिले के सभी ग्राम पंचायतो को पूर्व से निर्देश जारी किए गए है।जारी निर्देश में कहा गया है की ग्राम सभा में गांव के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं सम्मानित नागरिकों को आमंत्रित करते हुए शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि ग्राम सभा मे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत लखपति दीदियों का सम्मान,राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत जल संरक्षण एवं आजीविका को बढ़ावा देने के लिए नवा तरिया आय का जरिया पर ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन कर नय कार्य के लिए सुझाव लिए जाएंगे। स्वच्छता के साथ अन्य विषय पर भी ग्रामीण चर्चा करेंगे।उल्लेखनीय है कि 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है।प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है।जिले के ग्रामीणों से अपील की जाती है कि वह अपने ग्राम सभा में अधिक से अधिक उपस्थित होकर इसका लाभ उठाएं।

पहाड़ काट कर बनाई सड़क, ग्रामीणों की जिंदगी में बदलाव की दस्तक

बारहमासी सड़क संपर्क से जुड़ा पहाड़ों के बीच बसा चाऊरडोंगरी

कवर्धा/नवप्रदेश। कभी कठिन पहाड़ी रास्तों और संसाधनों की कमी से जूझने वाला कबीरधाम जिले का सुदूर वनांचल क्षेत्र का ग्राम चाऊरडोंगरी आज विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत यहां पक्की सड़कों का निर्माण होने से ग्रामीणों की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) विभाग द्वारा अमनिया बांगर रोड राहीडांड से चाऊरडोंगरी तक लगभग 3 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 1.74 करोड़ रूपये है। यह सड़क पहाड़ों की कटिंग कर तैयार की गई है, जिससे यह क्षेत्र दुर्गम और पहुँचविहीन नहीं रहा गया है और बारहमासी पक्की सड़क से जुड़ चुका है।

पहाड़ के ऊपर बसे इस गांव तक पहले पहुंचना बेहद कठिन था। बारिश के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते थे। लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के सामान लाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। बीमार पड़ने पर समय पर उपचार मिल पाना भी मुश्किल था। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। सड़क बनने से अब गांव तक आवागमन आसान हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले चाऊरडोंगरी से कुई और पंडरिया तक जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं था। आवश्यक सामग्री लाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब सड़क बनने से उनकी परेशानी काफी हद तक दूर हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अब गांव में स्वास्थ्य सेवाएं भी आसानी से पहुंच रही हैं। पहले जहां मरीजों को अन्य साधनों से ले जाना पड़ता था, वहीं अब वाहन सीधे गांव तक पहुंच रहे हैं। इससे समय पर इलाज मिलना संभव हो पाया है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र में हो रहे तेजी से विकास कार्यों और मिल रही मूलभूत सुविधाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उनका कहना है कि पहले जहां उनका गांव सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित था, वहीं अब सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पक्की सड़क बनने से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि अब शासकीय योजनाओं का लाभ भी सीधे गांव तक पहुंच रहा है। पहले जहां छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों की वर्षों पुरानी समस्याओं को समझते हुए ठोस कदम उठाए हैं। आज उनके गांव में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम है।

पीएमजीएसवाई विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से चाऊरडोंगरी जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। आज चाऊरडोंगरी गांव विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। पक्की सड़क ने यहां के लोगों के जीवन में उम्मीद और सुविधाओं दोनों की राह खोल दी है।

नाबालिग बालिका अपहरण कर किया दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म जैसे गंभीर प्रकरण में त्वरित, सुनियोजित एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़िता को सकुशल बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा डीएसपी आशीष शुक्ला के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली कवर्धा के थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप के नेतृत्व में टीम गठित कर सुनियोजित कार्रवाई की गई। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा थाना कोतवाली कवर्धा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री दिनांक 22.06.2025 की रात्रि घर से बिना बताए लापता हो गई है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 269/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गंभीरता से विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान सायबर सेल कबीरधाम की सहायता से संदेही के मोबाइल नंबर का सीडीआर एवं लोकेशन विश्लेषण किया गया।

महिला आरक्षण के नाम पर लोकतंत्र से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : विपिन यादव

राजनांदगांव/नवप्रदेश। ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि महिला आरक्षण एवं परिसीमन के मुद्दे पर देशभर में चल रही बहस के बीच कांग्रेस पार्टी का रुख पूरी तरह स्पष्ट और ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित है। कांग्रेस हमेशा से महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनकी राजनीतिक भागीदारी की सबसे मजबूत पक्षधर रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने देश को इंदिरा गांधी जैसी सशक्त और निर्णायक महिला प्रधानमंत्री दी, जिसने पूरे विश्व को यह संदेश दिया कि महिलाएं नेतृत्व और क्षमता में किसी से कम नहीं हैं। ज़िला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान द्वारा जारी बयान में ज़िला अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार विभिन्न राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान महिलाओं को एक राजनीतिक ढाल के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

निगम बजट केवल कागजी घोषणाओं और अधूरे वादों का ढेर: अभिमन्यु

राजनांदगांव/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा ने राजनांदगांव नगर निगम द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से जुमलों का पुलिंदा और जमीन से कटा हुआ दस्तावेज है। महापौर मधुसूदन यादव द्वारा 15 लाख रुपये के लाभ का बजट बताकर शहर की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया है पिछली बार लगभग 23 लाख घाटे का बजट था, जबकि हकीकत यह है कि यह बजट केवल कागजी घोषणाओं और अधूरे वादों का ढेर है।

अभिमन्यु मिश्रा ने कहा कि शहर की सबसे बड़ी समस्याएं पीने के पानी की किल्लत, जर्जर सड़कें, अव्यवस्थित सफाई और जलभराव आदि इन पर कोई ठोस और समयबद्ध योजना नजर नहीं आती। हर साल की तरह इस बार भी ÷पाइप लाइन विस्तार÷, ÷मिनरल वाटर प्लांट÷ और ÷नई टंकियों÷ की घोषणाएं की गई हैं, लेकिन पिछले बजटों में किए गए ऐसे वादों का आज तक कोई हिसाब नहीं दिया गया।

उन्होंने सवाल उठाया कि शहर में पहले लगाए गए वॉटर एटीएम आज पूरी तरह बंद और खराब पड़े हैं, उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। जब पुराने प्रोजेक्ट्स को ठीक से चला नहीं पा रहे, तो अब नए ÷मिनरल वाटर प्लांट÷ का सपना दिखाना केवल जनता को भ्रमित करने की कोशिश है, उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम अब शहर विकास नहीं, इवेंट मैनेजमेंट में ज्यादा रुचि रखता है। क्रिकेट टर्फ, ई-वाहनों के चार्जिंग प्वाइंट जैसे दिखावटी प्रोजेक्ट्स जनता की मूल जरूरतों से ध्यान भटकाने का प्रयास हैं। जब आम नागरिक रोज पानी और बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा है, तब ऐसे ÷फैंसी प्रोजेक्ट÷ पूरी तरह बेमानी हैं।

नाम-परिवर्तन

मै फुलचंद जैसवाल (FULCHAND JAISWAL) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/ सुपुत्री/ पत्नि/पिता अशोक चंद जैसवाल (ASHOK CHAND JAISWAL) पता-1/16, 14, शिव मंदिर के पास, सेक्टर-2, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम फुलचंद जैसवाल (FULCHAND JAISWAL) एवं पिता श्री अशोक चंद जैसवाल (ASHOK CHAND JAISWAL) (पुराना नाम) से बदल कर विजय कुमार मेश्राम (VIJAY KUMAR MESHRAM) पिता का नाम नानाजी मेश्राम (NANAJI MESHRAM) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
फुलचंद जैसवाल
पिता अशोक चंद जैसवाल
पता-1/16, 14, शिव मंदिर के पास, सेक्टर-2, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/20264101200015 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जा है कि आवेदक फगुवाराम जोशी आ. स्व. साधुराम जोशी निवासी अण्डा तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) के द्वारा ग्राम अण्डा तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 254, 263 रकबा 0.1500, 0.4700 हे. भूमि जो कि की पत्नि जुगमत बाई के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु 09.09.2025 हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं अर्जुन (ARJUN) पिता हरिचंद्र (HARICHAND) गाँव / शहर ग्राम हसदा, पोस्ट हिर्री, तहसील धमधा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अर्जुन (ARJUN) पिता हरिचंद्र (HARICHAND) (पुराना नाम) से बदल कर अज्जू (AJJU) पिता हरिशचंद्र (HARISCHANDRA) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
अर्जुन पिता हरिचंद्र
गाँव / शहर ग्राम हसदा, पोस्ट हिर्री, तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मै जी उषा राव (G USHA RAO) पिता स्व. जी लक्ष्मण राव (G LAXMAN RAO) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर म.नं. 143, राम नगर कोहका रोड बालाजी लेडी टेलर्स वार्ड नंबर 11, सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) से अपना नाम जी उषा राव (G USHA RAO) पिता स्व. जी लक्ष्मण राव (G LAXMAN RAO) (पुराना नाम) से बदल गोरू उषा राव (GORU USHA RAO) पिता स्व. गोरू लक्ष्मण राव (GORU LAXMAN RAO) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
जी उषा राव
पिता स्व. जी लक्ष्मण राव
शहर म.नं. 143, राम नगर कोहका रोड बालाजी लेडी टेलर्स वार्ड नं. 11, सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं कमल किशोर साहू (माता/ पिता/ पालक का नाम) सुपुत्र/ पत्नी भुवन लाल साहू निवासी प्लाट नं. 456/63 सडक नं. 20/बी., आशीष नगर, वेस्ट रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. एतद् द्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ। मैं प्लाट नं. 456/63 सडक नं. 20/बी., आशीष नगर, वेस्ट रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का स्थायी निवासी हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र (TANISK SAHU) पिता (KAMAL KISHORE SAHU) से बदलकर (TANISHK SAHU) पिता (KAMAL KISHORE SAHU) करवाना चाहता चाहती हूँ। मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदारी रहूंगा / रहूंगी। मेरी पत्नि/पति (पत्नि /पति का नाम) (PARAS SAHU) को हमारे नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम में कोई आपत्ति नही है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा रही हूं।

शपथकर्ता
कमल किशोर साहू
निवासी प्लाट नं. 456/63 सडक नं. 20/बी., आशीष नगर, वेस्ट रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स.क्षे.कोटा/25/2026-27/591 नवा रायपुर, दिनांक 22/04/2026.

ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 12.05.2026
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 19.05.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	जिला बिलासपुर कृषि उपज मंडी समिति/वि.खं. कोटा क्षेत्रांतर्गत ग्राम कुसमुली आमने, लिटिया, धुमा, बिल्लीबंद परसापानी, रमदेई, केन्दा (आश्रित मोहल्ला बंधवापारा) में सामुदायिक भवन निर्माण एवं ग्राम पोड़ी में कव्हर्ड शेड निर्माण।	138.53	लो.नि.वि. सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 एवं विद्युत कार्य दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

संवाद- 47601/1

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

नाम-परिवर्तन

मैं संतोषी ताम्रकार (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/पत्नी शुभम ताम्रकार निवासी मकान न06 एन. पारिजात अपार्टमेंट, तालपुरी रिसाली सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. एतद् द्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ। मैं मकान नं. 06 एन. पारिजात अपार्टमेंट, तालपुरी रिसाली सिविक सेंटर भिलाई का स्थायी निवासी हूँ। मैं अपने नाबालिग पुत्र (DEV GOSVAMI) पिता (RAJU GOSVAMI) से बदलकर (DEV TAMRAKAR) पिता (SHUBHAM TAMRAKAR) करवाना चाहता चाहती हूँ। मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदारी रहूंगा / रहूंगी। मेरी पत्नि/पति (पत्नि /पति का नाम) (SHUBHAM TAMRAKAR) को हमारे नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम में कोई आपत्ति नही है। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा रही हूं।

शपथकर्ती
संतोषी ताम्रकार
निवासी मकान नं. 6 एन. पारिजात अपार्टमेंट, तालपुरी रिसाली सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग.

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जीवनलाल देवांगन पिता उमाराम देवांगन निवासी धनोरा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा चाचा रामाधार देवांगन आ. जयलाल देवांगन की जन्म/मृत्यु दिनांक 10.12.1989 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.04.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603103800026/32 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक अभय कठाले आ. स्व. एच.पी. कठाले, निवासी हुडको भिलाई के आवेदन अनुसार आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग, प्लाट नं. एम.आई.जी. 2/45, रकबा 192 वर्गमीटर एच.पी. कठाले आ. पी.डी. कठाले के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक की मृत्यु दिनांक 10.08.2022 को हो चुकी है। उनके वारिसान पत्नि-पुत्र-पुत्री मगंला कठाले, अभय कठाले, अजय गठाले, अरविन्द कठाले व सीमा महादेवकर है। उक्त आधार मृतक धारक का नाम विलोपित कर वारिसानों के नाम पर नामांतरण किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 14.05.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) GSTN-22AADCC5773E1ZX CIN-U40108CT2003SGC015820
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (LINE)
Block-4, Near CSPTCL Dispensary, Dagania, Raipur (C.G.)
Website: www.cspc.co.in E-Mail- ce.eht@cspc.co.in Phone no. 0771 - 2574221, 2574028 Fax No.2574222

ED/Line/Works/EE-I/TR-1158/192 Raipur, Date: 23.04.2026

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Online bids are invited for following EHV work on labour contract basis as detailed here under:

TR No	Name of work	EMD (Rs)	Cost of tender form (Rs) (Incl. GST)	Date of opening
TR-1158 RFX No.- 8100051085	Construction of LILO of 132 KV Kanker-Kondagaon line at proposed 132/33 KV Substation Keshkal (RL-01 KM)	35,800/-	5,000/-	04.05.2026

For all other details of NIT and terms & conditions, please visit our web site: https://cspc.co.in/csptcl_tendernotices (OR) https://www.cspc.co.in> ebidding > ebidding web portal (OR) https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal

SAVE ELECTRICITY S- 47595/2 EXECUTIVE DIRECTOR (LINE) CSPTCL, Raipur

PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, PWD, BILASPUR CIRCLE BILASPUR (C.G.)
REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)

No. **12**/G/2026-27 Bilaspur, Dated **21.04.2026**

Public Works Department (PWD) invites proposal for Planning, development, estimation and Structural design, detailed engineering and related services for the work "RENOVATION AND UP-GRADATION (CIVIL AND ELECTRICAL WORK) OF SANT BABA GURU GHASIDAS MEMORIAL GOVT HOSPITAL BUILDING AT RAIGARH INCLUDING CONSTRUCTION OF SHEDS, GUARD ROOM, ADDITIONAL ROOM FOR AUDIO SYSTEM, EXPANSION JOINT REPAIR AND OTHER MINOR ORIGINAL WORKS".

Probable cost of project - 3000.00 Lakh.
Minimum eligibility for participants shall be as below:-

S. N.	Building project cost	The applicant firms, firms farming joint venture/ consortium shall be	Earnest money (In shape as per Annexure-I Favor of Executive Engineer, PWD Raigarh	No. Of Call
1	For project cost between Rs. 25 to 50 crore	Empanelled as architect in class "B & above class" in C.G. PWD	Rs. 20,000=00	1st call

General condition:- All the documents & Information as per para 7.4, shall be submitted through speed post/Registered post. so as to reach the office of under signed on or before dated **11.05.2026** by 17.30 hour. Any documents received after the last date and time will not be entertained.

The detailed RFP is available on the website **www.cgstate.gov.in** from where it can be downloaded for submission. CG.PWD reserves the right to reject all or any of the application without assigning any reason. Right to modify the process of Pre-qualification is reserved with CG.PWD.

G- 262700308/9

Superintending Engineer
Public Works Department
Bilaspur circle Bilaspur

रविवार को होगी मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा

■ 19 केंद्रों पर 4917 परीक्षार्थी होंगे शामिल, सख्त दिशा-निर्देश जारी

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार 26 अप्रैल को महासमुंद जिले में किया जाएगा। परीक्षा एक ही पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक संपन्न होगी।

परीक्षा को सुव्यवस्थित और निष्पक्ष ढंग से आयोजित करने के लिए व्यापम द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पहले केंद्र पहुंचना अनिवार्य किया गया है। परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिया जाएगा, इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा।

मोबाइल, घड़ी समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं प्रतिबंधित

परीक्षा कक्ष में मोबाइल, घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र का एक तरफ प्रिंट लाना होगा, जिसकी एक प्रति परीक्षा केंद्र में जमा की जाएगी। साथ ही परीक्षा में केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन का ही उपयोग करना अनिवार्य होगा।

नियम तोड़ने पर परीक्षा से वंचित होने का खतरा

परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले और समाप्ति के अंतिम आधे घंटे में परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। अनुचित साधनों के उपयोग पर अभ्यर्थिता समाप्त करने की चेतावनी दी गई है।

जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचें और जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

ड्रेस कोड लागू, केवल चप्पल की अनुमति

निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर आना होगा। काले, गहरे नीले, हरे, जामुनी या मैरून जैसे गहरे रंग के कपड़ों पर प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक या सांस्कृतिक वेशभूषा में आने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय पहले पहुंचना होगा। फुटवियर में केवल चप्पल की अनुमति दी गई है, जबकि किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना वर्जित रहेगा।

फ्रिस्किंग और पहचान पत्र अनिवार्य

परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग (सुरक्षा जांच) की जाएगी तथा फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जाएगा। बिना वैध पहचान पत्र के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचना होगा। परीक्षा के दौरान सख्त निगरानी रखी जाएगी।

भटगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का जिला कलेक्टर कनौजे ने किया निरीक्षण

भटगांव/नवप्रदेश। जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने नगर भटगांव में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मरीजों की सुविधा में कमी सहित प्रसूति वार्ड और दवाओं की आवश्यकता की जानकारी ली साथ ही साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की विस्तार को भी लेकर जायजा लिया। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर, नर्स सहित स्टॉप की कमी और स्टॉप क्वाटर की आवश्यकता पर उन्होंने मीडिया को बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की विस्तार को लेकर, डीएमएफ फंड से 25 लाख की स्वीकृति दी है। जल्द ही टेंडर के बाद कार्य शुरू किए जायेंगे। उन्होंने कहाकि स्टॉप ,नर्स की कमी नवीन जिला होने के कारण हो रही है , एनएचएम भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही नर्स की समस्या भी समाप्त हो जायेगा । उन्होंने ए भी बताया कि भटगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर माह लगभग 15 से 16 प्रसूति महिलाओं की जचकी की जा रही है। लिहाजा आगे स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार सुविधा मुहैया कराया जायेगा। निरीक्षण के दौरान डी एम के साथ जिला स्वास्थ्य अधिकारी एफ़आर, निराला , डां लोकेश अजय , सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तमाम अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद था।

दानवीर भामाशाह की जयंती कार्यक्रम में विधायक इंद्र साव को किया आमंत्रित

भाटापारा/नवप्रदेश। लाल बहादुर शास्त्री वार्ड साहू समाज भाटापारा के द्वारा विधायक इंद्र साव से मुलाकात कर लाल बहादुर शास्त्री पटपर में स्थित साहू समाज सामुदायिक भवन हेतु बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य हेतु 10 लाख रुपए की घोषणा किए जाने के फ्लस्वरुप उनसे मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेटकर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया वही आगामी 1 मई को लाल बहादुर शास्त्री वार्ड सामुदायिक भवन में महान दानवीर भामाशाह की जयंती कार्यक्रम हेतु उन्हें आमंत्रित किया गयाद्य इस मौके पर लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के वार्ड अध्यक्ष खिलावन साहू उपाध्यक्ष आनंद साहू वरिष्ठ समाज सेवी मनीराम साहू वरिष्ठ समाज सेवी अशोक साहू, प्रेम साहू एवं अन्य समाज जन उपस्थित थे।

निधन

शिवप्रसाद साहू

भाटापारा/नवप्रदेश। स्थानीय मुंशी ईश्माइल वार्ड निवासी शिवप्रसाद साहू 80वर्ष का निधन हो गया, वे कुछ वर्षो से अस्वस्थ थे 7 स्व साहु कृषि उपज मंडी के रिटायर्ड ड्राइवर तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के ड्राइवर भी रहे, वे सुरेश, सुरेंद्र, पुरेन्द्र, गीता, सरिता, सुनीता व अनीता के पिता तथा अंशु, ऋषभ, पल्लव के दादा थे । उनका अंतिम संस्कार रामसागर पारा मुक्ति धाम मे किया गया।

एक लाख पेड़ काटकर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में 106 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा

सैटेलाइट से खुली बड़ी साजिश कार्रवाई के घेरे में 166 आरोपी

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले के उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व में वन अतिक्रमण का एक बड़ा मामला सामने आया हैए जहां अत्याधुनिक तकनीक के जरिए वर्षों पुरानी अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ है। सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन सर्वेक्षण से जुटाए गए पुख्ता डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर 166 अतिक्रमणकारियों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है।

जानकारी के अनुसारए ग्राम जैतपुरी के इन आरोपियों ने पिछले 15 वर्षों में टाइगर रिज़र्व के सीतानदी कोर क्षेत्र में करीब 106ण्16 हेक्टेयर ;265 एकड़द्ध सघन वन क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। इसके लिए लगभग 1 लाख पेड़ों की अवैध कटाई की गई। वर्ष 2011 में जहां अतिक्रमण 45 हेक्टेयर तक सीमित थाए वहीं धीरे.धीरे इसे बढ़ाकर 106 हेक्टेयर तक पहुंचा दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने Indian Space Research Organisation (ISRO) CARTOSAT सैटेलाइट इमेजरी मंगाईए जिसमें वर्ष 2006 से 2022 तक वन क्षेत्र में भारी कमी साफ नजर आई। वहीं ड्रोन सर्वे के जरिए हर अतिक्रमणए कटे हुए पेड़ और ठूंठ को हाई.रेजोल्यूशन में चिन्हित किया गया।

इकोलॉजी पर बड़ा खतरा

सीतानदी क्षेत्र न सिर्फमहानदी का उद्गम स्थल हैए बल्कि यह हाथीए तेंदुआ और बाघ जैसे वन्यजीवों का प्रमुख रहवास भी है। अतिक्रमण के कारण वन घनत्व 1000 पेड़ प्रति हेक्टेयर से घटकर महज 25.50 पेड़ प्रति हेक्टेयर रह गया हैए जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।

अब होगा पुनर्स्थापन

अधिकारियों के मुताबिकए अतिक्रमित भूमि को खाली कराने के बाद वहां भू.जल संरक्षण संरचनाएं विकसित की जाएंगी और बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगाए ताकि क्षेत्र की पारिस्थितिकी को फिर से संतुलित किया जा सके। तकनीक के सहारे की गई इस बड़ी कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अब जंगल पर कब्जा करना आसान नहीं। सैटेलाइट से लेकर ड्रोन तक की निगरानी में वन अपराधियों के बच निकलने की गुंजाइश लगभग खत्म हो चुकी है।

आरोपियों पर कानूनी शिकंजा कसा

सभी 166 आरोपियों के खिलाफवन अपराध प्रकरण ;च्व्त्द्ध दर्ज कर बेदखली नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने साफकिया है कि अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को भी अटैच किया जाएगा। इस मामले में वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत 7 साल तक की सजा और लोक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत 3 साल तक का सश्रम कारावास हो सकता है।

तीन साल में बड़ी कार्रवाई

टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने पिछले तीन वर्षों में 850 हेक्टेयर अतिक्रमण हटाया और करीब 600 शिकारीए तस्कर व अतिक्रमणकारियों को गिरफ्तार किया है। इससे क्षेत्र में मानव.वन्यप्राणी संघर्ष लगभग समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गया है।

भाजपा की मंशा महिलाओं को अधिकार देने के बजाय परिसीमन कर राजनैतिक लाभ लेने का थाः अम्बिका

नगरी/नवप्रदेश। अ भा कांग्रेस कमेटी के मंशानुरूप एवं छ ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आज राजीव भवन बालोद में जिला कांग्रेस कमेटी बालोद द्वारा महिला आरक्षण पर केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जिलास्तरीय पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता सिहावा विधायक अंबिका मरकाम ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण के समर्थन में थी,है और रहेगा!प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक झूठ बोल रहे हैं!भाजपा द्वारा लगातार भ्रम फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया,इसलिए संसद में बिल पास नहीं हो सका!भाजपा झूठ बोल रही है,जबकि महिला आरक्षण बिल(नारीशक्ति वंदन अधिनियम2023)128 वां संविधान संशोधन विधेयक 2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है तथा महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी है।

धमधा में बिजली व्यवस्था ध्वस्त, प्रकाशन के बावजूद अंधेरे में शहर, बढ़ता जनाक्रोश

■ बिजली के बार-बार बंद चालू से कई इलेक्ट्रिक सामान खराब

धमधा/नवप्रदेश। भीषण गर्मी 43 डिग्री के बीच धमधा नगर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। एक ट्रांसफार्मर खराब होने पर पूरे शहर की बिजली बंद कर दी जा रही है और चार दिन बीत जाने के बाद भी हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है। उल्टा स्थिति और बदतर होती जा रही है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी और आक्रोश देखने को मिल रहा है।

शहरवासियों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि पिछले दस सालों से यही हालात बने हुए हैं। जब भी बिजली विभाग से संपर्क किया जाता है, तो हर बार एक ही जवाब दिया जाता है कि लोड अधिक होने के कारण ट्रांसफार्मर जल गया। लोगों का सवाल है कि जब लगातार लोड बढ़ रहा है, तो व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए।

बार-बार बिजली गुल होने से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी में लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है, वहीं छोटे व्यापारी और बिजली पर निर्भर काम-धंधे ठप पड़ गए हैं। छात्रों की पढ़ाई पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है, खासकर परीक्षा के समय में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। इसके अलावा लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली आने-जाने से घरेलू उपकरणों के खराब होने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं।

> जिस प्रकार से बिजली व्यवस्था के हालात पूरे धमधा नगर सहित ग्रामीण इलाकों में है आम लोग,व्यापारी,किसान परेशान है सरकार के इस लचर व्यवस्था और बड़े हुए बिजली बिल को देख के लोगो में आक्रोश है कही न कही लोगो का कहना है कि मौजूदा सरकार केवल आम जानो के साथ छल कर रही है।
> - **राजीव गुप्ता,** प्रभारी जिला महामंत्री कांग्रेस दुर्ग
>
> बिजली विभाग के कर्मचारी के ऑफिसर ए सी केबिन में है और न ही इनका ब्लॉक मुख्यालय ने निवास है जिसके चलते बिजली व्यवस्था सुदृढ़ नहीं हो पा रही है। जल्द ही सुधार की आवश्यकता है।
> - **रमन लाल यादव,** पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत धमधा

जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक आयोजित

■ विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा

■ मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देश

गरियाबंद /नवप्रदेश। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्यों में संजय नेताम, लोकेश्वरी नेताम, शिवांगी चतुर्वेदी, इंद्रजीत महाड़िक, लेखराज धुर्वा, नंदनी साहू, जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष मीरा ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर द्वारा शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत गांव स्तर पर उपलब्ध दुर्लभ धरोहरों, पुरानी स्मृतियों एवं हस्तलिखित लिपियों का संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु सचिवों को संबंधित जानकारी फोटो के माध्यम से प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत जल संरक्षण का संदेश दिया। लंबित मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत राशि भुगतान के संबंध में विभाग को अवगत कराने के लिए निर्देशित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कश्यप ने अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों एवं आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वनांचल क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, राशन वितरण जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता से सुदृढ़ करने को कहा। विद्युत विभाग को मुख्यमंत्री बिजली भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत शिविर लगाकर सक्रिय एवं निष्क्रिय उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में सदस्यों संजय नेताम एवं श्रीमती मीरा ठाकुर द्वारा देवभोग एवं छुरा क्षेत्र में लो-वोल्टेज, ग्रीष्मकालीन विद्युत कटौती एवं जलापूर्ति बाधित होने की समस्याओं से अवगत कराया गया। आदिवासी स्वीकृत आश्रमों के निर्माण, मरम्मत, अहाता निर्माण, स्नानागार एवं शौचालय निर्माण, अतिरिक्त कक्ष, किचन शेड, अधीक्षक आवास तथा सौर ऊर्जा से पेयजल उपलब्धता से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

पेज 1 का शेष...

तीन दशक बाद लौटे मांदर...

पहचाने जाते थे, इन गांवों में अब मांदर की थाप और उत्सव की लय लौट रही है।

बस्तर संभाग के सुकमा जिले में कोंटा ब्लॉक के छोटे से गांव भेज्जी में 16 से 18 अप्रैल के बीच करीब तीन दशक बाद पारंपरिक मेले का आयोजन हुआ। यह मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर के रहवासियों के लिए उस जीवनशैली की वापसी थी जो वर्षों से बाधित थी। मेले में हजारों आदिवासी ग्रामीण बिना किसी भय के जुटे। उन्होंने उत्साह के साथ पारंपरिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। लंबे समय बाद यहां गांवों में गीत और मांदर की थाप गूंजी। इससे एक सप्ताह पहले दंतेवाड़ा के दोरनापाल में भी 2005 के बाद पहली बार पारंपरिक मेले में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखी गई।

भेज्जी कभी बस्तर के उन इलाकों में शामिल था जो माओवादी हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित रहे। 1998 के बाद उग्रवादियों के फरमानों के चलते सार्वजनिक आयोजन लगभग बंद हो गए थे। मेलों का आयोजन रुक गया और गांवों के बीच आवाजाही सीमित हो गई। आलम यह था कि शाम होते ही क्षेत्र में सन्नाटा छा जाता था और लोग घरों से बाहर निकलने से कतराते थे। हालात ऐसे थे कि किसी पारंपरिक अनुष्ठान के आयोजन की बात करना भी मुश्किल हो गया था।

बावजूद इसके ग्रामीणों ने अपनी सदियों पुरानी आस्था को पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। वे हर साल अपने स्थानीय देवता कोर्राज देव की पूजा करते रहे, हालांकि यह सब चुपचाप और बिना किसी भीड़-भाड़ के होता था। इसी तरह परंपराएं किसी तरह जीवित रखी गईं। समय के साथ एक पूरी पीढ़ी ऐसी तैयार हुई जिसने किसी त्योहार को मनाने का कोई अनुभव ही नहीं किया। त्योहार आते और जाते रहे, लेकिन उनमें पहले जैसी सामूहिक उत्साह नहीं रहा।

3 दिवसीय मेले में 138 गांव के लोग हुए शामिल

पिछले सप्ताह कोर्राज देव के स्थल पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 138 गांवों के लोग शामिल हुए। हजारों ग्रामीण अपने-अपने देवताओं के प्रतीक और पालकियां लेकर पहुंचे। कई लोगों ने घने जंगलों के रास्तों से लंबी दूरी तय कर इस आयोजन में भाग लिया। इस मेले में एक अलग ही माहौल नजर आ रहा था। पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी बिना झिझक और भय के एक साथ जुटे। कई लोगों के लिए यह ऐसा अनुभव था जैसे वे लंबे समय बाद अपनी पुरानी जिंदगी में लौट रहे हों।

मेले में दिखी खुशी और राहत की बदलाव

स्थानीय लोगों के अनुसार अब दैनिक जीवन में भी बदलाव साफ दिख रहा है। एक समय था जब एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए भी माओवादी समूहों की अनुमति लेनी पड़ती थी। सामाजिक आयोजनों को हतोत्साहित किया जाता था और त्योहारों के दौरान लोग घरों में ही सीमित रहते थे। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। दूर-दराज के गांवों के लोग फिर से मिल रहे हैं, एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं और बिना डर के अपनी परंपराओं में भाग ले रहे हैं। मेले में दिखी खुशी और राहत इस बदलाव की गहराई को दर्शाती है।

सीएम साय की पहल पर...

उद्देश्य से उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक चिंता के बिना इलाज करा सकें।

आयुष्मान योजनाओं से व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा

जिला चिकित्सालय बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में पुनर्वासित युवाओं को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। इस कार्ड के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत उन्हें बड़ा लाभ मिलेगा–

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत

बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज

एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपये तक का इलाज लाभ

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत

दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के लिए 25 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सहायता

साथ ही लाभार्थियों को योजनाओं के उपयोग और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

बंगाल में वोटिंग की 'सुनामी'....

होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इसके अलावा कई जगह ईवीएम खराब होने की शिकायत भी आई हैं।

मिर्जापुर में हादसा-11 मौतें...

पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया।

लोग अंदर ही फंसे रहे। बाद में पुलिस और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। शव इतनी बुरी तरह से जल गए थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिवार मैहर से 8 साल के बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था। इसके अलावा स्विफ्ट कार के ड्राइवर और ट्रॉले के क्लीनर की भी मौत हो गई। हादसा ड्रमडगंज थाना क्षेत्र में हुआ। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि बोलेरो सवार सभी लोग जिगना थाना के नरैना गांव (मिर्जापुर) के रहने वाले थे। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया।

अंबिकापुर में प्लास्टिक और...

हो रहे थे। 10 किमी दूर से धुंए का गुबार दिख रहा है। 4 फायर ब्रिगेड की टीम ने 25 टैंकर पानी डाला है, लेकिन आग लगातार फैल रही है। पिछले 5 घंटे से रेस्क्यू जारी है। घनी आबादी वाले इलाके में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल है। घटना की वजह अभी सामने नहीं आई है। वहीं निगम के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने रिहायशी इलाके में ज्वलनशील पदार्थ रखने पर सवाल उठाए।

महिला सरपंच के नेतृत्व में...

स्रोत बनता जा रहा है। ग्राम सभा ने अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए गांव की सीमा के भीतर शराब की बिक्री, परिवहन और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया। सिर्फ शराब ही नहीं, बल्कि गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर भी रोक लगाई गई, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह बदल गया है। महिला सरपंच के नेतृत्व में यह अभियान लगातार मजबूत हो रहा है।

पंचायत, समिति और ग्रामीणों की संयुक्त भूमिका

इस पहल की खास बात यह है कि इसमें सिर्फ पंचायत ही नहीं, बल्कि ग्राम विकास समिति, युवा वर्ग और महिलाओं ने भी मिलकर जिम्मेदारी निभाई। सभी ने एकजुट होकर यह सुनिश्चित किया कि गांव में कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन न करे।

अब और सख्तीः घर-घर निगरानी की तैयारी

सरपंच श्रीमती तारा दर्रो ने बताया कि ग्राम पंचायत अब इस व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। आगामी ग्राम सभा में एक निगरानी टीम गठित करने का प्रस्ताव है, जो घर-घर जाकर जांच करेगी। यह सुनिश्चित करेगी कि कहीं चोरी-छिपे शराब की बिक्री तो नहीं हो रही है।

राष्ट्रगान से होती है दिन...

है। 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर यह राशि बढ़कर 40 से 50 हजार रुपये तक हो जाती है, जिसे शिक्षा या विवाह में उपयोग किया जा सकता है। साथ ही 'सरपंच कन्या आशीर्वाद योजना' के तहत बेटियों के विवाह पर 2 हजार रुपये का उपहार भी दिया जाता है।

करीब 12 साल पहले नशाखोरी से परेशान ग्रामीणों ने पंचायत में बैठक कर नशा मुक्ति अभियान शुरू किया। इसके बाद धीरे-धीरे पूरे गांव ने नशे से दूरी बना ली। आज स्थिति यह है कि गांव में बीड़ी-सिगरेट तक की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम तोड़ने वालों पर 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। गांव के विकास में पंचायत के साथ-साथ ग्रामीणों की भी बराबर भागीदारी है। लोग नियमित रूप से मकान टैक्स, जलकर, बिजली बिल, स्वच्छता और व्यापार टैक्स जमा करते हैं, जिससे गांव में ही विकास कार्य होते हैं। साफ-सफाई और स्वच्छता को लेकर भी ग्रामीण बेहद सजग हैं। युवा और महिलाएं मिलकर नियमित रूप से सफाई अभियान चलाते हैं। गांव के हर घर का बाहरी हिस्सा हरे रंग से रंगा हुआ है, जो इसकी एक अलग पहचान बन चुका है। सपोस का आश्रित गांव गबोद 'ग्रीन गबोद' के नाम से प्रसिद्ध है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी यहां के लोग बेहद जागरूक हैं। गांव के पास फैले करीब 200 हेक्टेयर जंगल की सुरक्षा ग्रामीण स्वयं करते हैं, जो आज घने और हरे-भरे जंगल में तब्दील हो चुका है। कुल मिलाकर, सपोस गांव ने यह साबित कर दिया है कि सामूहिक प्रयास, अनुशासन और जागरूकता से किसी भी गांव की तस्वीर बदली जा सकती है।

तेज रफ्तार का तांडव: बिना बीमा मौत बनकर दौड़ती रही टिप्पर, जिम्मेदार कौन?

■ **रक्षित केंद्र के जवान को कुचलकर फरार, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल!**

सुकमा/नवप्रदेश। जिले की सड़कों पर बेलगाम रफ्तार और प्रशासनिक लापरवाही का खतरनाक गठजोड़ एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। 19 अप्रैल की सुबह लगभग 11 बजे एक बेकाबू टिप्पर ने रक्षित केंद्र के 35 वर्षीय जवान चिंचोड़ गंगा को बेरहमी से कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि जवान को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, CG 26 J 0291 नंबर की VSR की टिप्पर गाड़ी तेज रफ्तार में लापरवाहीपूर्वक चलाई जा रही थी। चालक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे सड़क पर मौजूद जवान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में फरार टिप्पर का नंबर स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 2626 के तहत धारा 281, 106 BNS में मामला दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि हादसे में विनोद सिंह राठौर के नाम से रजिस्टर्ड शामिल टिप्पर बिना वैध बीमा के सड़कों पर दौड़ रही थी। वाहन का बीमा 09 दिसंबर 2025 को ही समाप्त हो चुका था, बावजूद इसके यह मौत का पहिया खुलेआम सड़कों पर घूम रहा था। सिर्फ बीमा ही नहीं, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जैसे बुनियादी दस्तावेजों की भी अनदेखी की जा रही थी। सवाल यह है कि आखिर परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था कहां सो रही थी? लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटना के बाद भी परिवहन विभाग पंगु बना हुआ हैं। यह घटना एक बार फिर चेतावनी है कि अगर लापरवाही और ढीले सिस्टम पर लगाम नहीं लगी, तो सड़कों पर ऐसे ही निर्दोष लोग अपनी जान गंवाते रहेंगे। ऐसे में अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन अपने ही जवान को न्याय दिलाने इस मामले में कितनी सख्ती दिखाता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई की जाती है!

परिवहन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप

यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता का खुला सबूत है। बिना बीमा और बिना वैध दस्तावेजों के भारी वाहन का सड़कों पर दौड़ना सीधे-सीधे परिवहन विभाग की लापरवाही को उजागर करता है। नियमित जांच और सख्ती के दावे इस घटना के बाद खोखले नजर आ रहे हैं।

कैसे मिलेगा मुआवजा?

सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि जवान की मौत का हर्जाना कैसे तय होगा? जब वाहन बीमित ही नहीं था, तो पीड़ित परिवार को न्याय और मुआवजा दिलाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या प्रशासन आगे आकर पीड़ित परिवार को राहत देगा या यह मामला भी कागजों में उलझकर रह जाएगा?

> हमने मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया है। जांच चल रही है। दोषी पाए जाने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **– किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक, सुकमा**

संक्षिप्त खबरें

बैंक से अवैध लेनदेन के दो फ्रॉड चढ़े पुलिस के हत्थे

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर पुलिस ने लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से अवैध लेनदेन के लिए योजनाबद्ध तरीके से बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है दोनो आरोपी पूर्व नियोजित तरीके से अलग अलग बैंकों में दूसरों से खाता खुलवाकर अवैधानिक लेनदेन कराकर धोखाधडी के अपराध में शामिल है।गिरफ्तार आरोपियों में सूर्या स्वर्णकार पिता रविशंकर स्वर्णकार उम्र 27 वर्ष निवासी जैसाकर्रा आवासपारा थाना चारामा पुलकित चंद्राकर उर्फबब्बू पिता मेघनाथ चंद्राकर उम्र 25 वर्ष निवासी मरोदा सेक्टर भिलाई थाना नेवई जिला दुर्ग शमिल है।आरोपी पुलकित चंद्राकर का पूर्व अपराधिक रिकार्डः-थाना सुपेला जिला दुर्ग में अपराध क्र. 581/25 धारा-115(2),324(2),3(5) बीएनएस।02.थाना नेवई जिला दुर्ग में अपराध क्र. 214/19 धारा-279,337 भादवि.थाना तेलीबांधा रायपुर में अपराध क्र. 608/25 धारा- 109,3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज़ है।

जिले में 'बस्तर मुन्ने' के तहत प्रत्येक गांव में 01 मई से लगेंगे विशेष संतृप्तता शिविर

कांकेर /नवप्रदेश।छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार, कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए ÷बस्तर मुन्ने÷ (अग्रणी बस्तर) अभियान का आगाज़ किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आगामी 01 मई से जिले की सभी ग्राम में विशेष 'संतृप्तता शिविरों' का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि अभियान का प्राथमिक लक्ष्य एनसीएईआर सर्वेक्षण के दौरान 'नियद नेल्लानार' योजना के अंतर्गत चिन्हित उन परिवारों को लाभान्वित करना है, जो वर्तमान में किन्हीं कारणों से शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए हैं। प्रशासन का संकल्प इन परिवारों को मुख्यधारा से जोड़कर लाभ का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करना है। यह अभियान विभिन्न चरणों में व्यवस्थित रूप से संचालित होगा। उन्होंने बताया कि पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल से एक सप्ताह तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रमुख सामुदायिक कार्यों जैसे आंगनबाड़ी उप स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों राशन दुकान, प्राथमिक शाला खेल मैदान पहुंच मार्ग (बारहमासी सड़क), विद्युतीकरण इंटरनेट, पोस्ट ऑफिस वन धन विकास केंद्र सी.एस.सी. पंचायत भवन, बैंक, कॉलेज की उपलब्धता एवं सुविधाओं से संबंधित कार्यों का संकलन के साथ ग्राम सभा में अनुमोदन प्राप्त किया जाना है। साथ ही ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों पर नियमानुसार जिला स्तर से ही स्वीकृति आदेश जारी किए जाएंगे। ऐसे प्रस्ताव जिनमें शासन स्तर की अनुमति आवश्यक होगी, उन्हें त्वरित कार्यवाही हेतु राज्य शासन को प्रेषित किया जाएगा।

20 दिव्यांगो को मिला छड़ी बैशाखी श्रवण यंत्र व्हील चेयर ट्राईसायकल वितरण

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर के नेतृत्व निर्देशन में आयोजित दिव्यांगजन चिन्हांकन प्रमाणीकरण नवीनीकरण शिविर लाइवालीउड कांकेर में आयोजित किया गया। उक्त शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों का चिन्हांकन आंकलन प्रमाणीकरण नवीनीकरण एवं यूडीआई कार्ड बनाया जाना रहा है साथ ही दिव्यांगजनों के पेंशन विषयक समस्या का समाधान बैंक खाता खोला जाना एवं हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जाना है। शिविर के माध्यम से वृद्धजन एवं दिव्यांगजनों/सहयोगियों की कुल पंजीकृत की संख्या 160 पंजीकृत हुए। जिसमें से 40 दिव्यांगजनों के मेडिकल 10 यूडीआईडी.10 नवीनीकरण किया गया है।20 दिव्यांगजों/वृद्धजनों को छड़ी/बैशाखी/श्रवण यंत्र/व्हील चेयर ट्राईसायकल वितरण किया गया। इस प्रकार के आयोजन से दिव्यांजनो को एक ही कैंप में पेंशन समस्या निवारण पेंशन हितग्राही के भौतिक सत्यापन दिव्यांगता प्रमाणीकरण/नवीनीकरण यूडीआईडी/शिविर सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। उपसंचालक समाज कल्याण कांकेर श्रीमती क्षमा शर्मा ने बताया कि आगामी शिविर 23 अप्रैल 2026 ग्राम पंचायत केंवटी भानुप्रतापपुर 24अप्रैल 2026 को सदभावना भवन पखांजूर में सुबह 10 से 4 बजे तक आयोजित किया गया है।

कलेक्टर-सीईओ ने कहा-: मेहनत मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से मिली बड़ी सफलता

कांकेर के विद्यार्थियों ने जेईई में रचा नया इतिहास

■ **शासकीय उमावि भीरागांव व प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के 5-5 छात्र चयनित**

■ **डीईओ रमेश निषाद व डीएमसी नवनीत पटेल ने 25 चयनित विद्यार्थियों को दी बधाई**

कांकेर/नवप्रदेश। जिला कांकेर के विद्यार्थियों ने जेईई (द्वितीय चरण) प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। घोषित परिणाम में कुल 25 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

इसके अतिरिक्त लगभग 24 विद्यार्थी नीट आईआईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के पात्र बने हैं। यह उपलब्धि जिले की सुदृढ़ होती शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रमाण है।जिले में शिक्षा विभाग की ÷हमर लक्ष्य योजना÷ के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं नियमित टेस्ट सीरीज जैसी सुविधाओं ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कलेक्टर जिला सीईओ डीईओ रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

जेईई एडवांस के लिए चयनित विद्यार्थियों में कांकेर जिले से प्रथमद्व, सौरभ कुमार मंडावी - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (82.34%), द्वितीय, लोचन पटेल - हायर सेकेंडरी स्कूल आवरी (81.06%), तृतीय, मल्लिका मरकाम - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (78.19%) इस प्रकार और भी अन्य विद्यार्थियों का प्रदर्शन रहा।

वेदिका - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (77.77%), तनुजा नेताम -प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (77.66%), कुमारी चंचल - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (76.84%), भूपेश कुमार कोमरा - पीएम श्री सेजेस दुर्गूकोंदल (76.45%), हर्षल कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (75.98%), भूपेंद्र माहवे - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (73.03%), करण -पीएम श्री सेजेस दुर्गूकोंदल (72.62%), भावेश कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल लोहत्तर (71.99%), पायल वट्टी -हायर सेकेंडरी स्कूल अमोड़ा (69.71%), कुमारी बिना उसेंडी - पीएम श्री सेजेस अंतागढ़ (64.41%), सुषमा कोमरा - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (62.89%), करण कुमार - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (62.89%), अरुण कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल बोन्दानार (62.69%), धर्मेंद्र कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल हाटकोण्डल (61.71%), गितेश कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल आमाकड़ा (60.24%), सिमरन मरकाम - हायर सेकेंडरी स्कूल बोन्दानार (58.62%), रोशन -हायर सेकेंडरी स्कूल कोन्डे (56.75%), पार्वती वट्टी - बालक हायर सेकेंडरी स्कूल अंतागढ़ (56.96%), प्रतिभा नायक - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (55.71%), प्रेरणा वट्टी - कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल अभनपुर (55.52%), साक्षी - हायर सेकेंडरी स्कूल लोहत्तर (54.94%), राखी - हायर सेकेंडरी स्कूल कोन्डे (52.94%)

यह सफलता जिले में विकसित हो रहे सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। कांकेर शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर रहा है और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की अपेक्षा की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश निशाद ने सभी प्रचार्यो को जोसा काउंसलिंग एवं सी सेट काउंसलिंग पर ध्यान देने तथा मोडल शिक्षक के माध्यम से बच्चों का काउंसलिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया है यह काउंसलिंग प्रक्रिया शीघ्र ही शासन द्वारा प्रारंभ कर दी जावेगी एक भी छात्र काउंसलिंग से वंचित न हों इस बात का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं ।

एक किलो गांजा के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

■ **आदतन अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में**

चारामा/नवप्रदेश। कांकेर पुलिस की नशे के कारोबार पर करारा प्रहार उजियारा अभियान के तहत चारामा पुलिस ने गांजा बेचने वाले युवक को गिरफ्तार 50 हज़ार से अधिक कीमत की गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गुलाब सिन्हा पिता सुरेश सिन्हा उम्र 30 वर्ष आरोपी के कब्जे से 01 किलो 30 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया है। चारामा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 22अप्रैल 2026 को थाना चारामा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम नाकापारा चारामा निवासी गुलाब सिन्हा नामक व्यक्ति ग्राम जैसाकर्रा में महुआ पेड़ के नीचे परमानंद जैन की जमीन के पास सफेद रंग के कपड़े के थैले में प्लास्टिक झिल्ली में भरा अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखा हुआ है।

नाबालिग से दुष्कर्म कर फरार होने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

चारामा/नवप्रदेश। शादी का झांसा देकर नाबालिग की अस्मत से खेलने वाले एक आरोपी को चारामा पुलिस ने चंद घंटों के भीतर धर दबोचा है। आरोपी दुष्कर्म की घटना के बाद फरार हो गया था, जिसे पुलिस की विशेष टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया और अब वह सलाखों के पीछे है।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता अपनी नानी के घर रहकर मकान निर्माण कार्य में मजदूरी करती थी। इसी दौरान उसकी पहचान आरोपी प्रवीण कुरेटी (22 वर्ष), निवासी ग्राम बड़भूम (बालोद) से हुई। आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता को अपने साथ रखा और लगातार शारीरिक शोषण किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार, गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
– ईश्तहार –

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2025-26 ग्राम सुन्दरकेरा प.ह.नं. 09 रा.नि.मं. पिपरौद तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
कमांक / / तह. / वाचक-2/2026
नवापारा, दिनांक 22/04/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीतेन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री श्यामसिंह ठाकुर एवं 01 अन्य निवासी ग्राम सुन्दरकेरा नक्शा बटांकन करने बाबत् आवेदन पेश किया है कि आवेदकगण के संयुक्त नाम पर ग्राम सुन्दरकेरा प0ह0नं0 09 रा0नि0मं0 पिपरौद तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर में ख0नं0 702/2 रकबा 1.25 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक उक्त आवेदित भूमि का नक्शा बटांकन किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है। जिसकी सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 07/05/2026 को नियत है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो आप अपने अधिवक्ता/अधिकृत व्यक्ति या स्वयं के द्वारा, नियत दिनांक के पूर्व दावा आपत्ति पेश कर सकते है. बाद मे आये दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

नायब तहसीलदार,
गोबरा नवापारा जिला रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अर्जुन्दा, जिला बालोद (छ.ग.)
//उद्घोषणा //

सर्व साधारण ग्रामवासी सिब्दी प0ह0नं0 04 रा.नि.नं. मोहंदीपाट, तह. अर्जुन्दा, जिला बालोद को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदिका भगवती बाई आ. हीरालाल, जाति मरार निवासी ग्राम सिब्दी तहसील अर्जुन्दा के द्वारा आवेदक अपने स्वयं का जन्म दिनांक 04.05.1988 को ग्राम सिब्दी तहसील अर्जुन्दा में हुआ है। आवेदक द्वारा जन्म पंजीयन अपने ग्राम पंचायत में अज्ञानतावश नहीं करा पाया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, बैंक चलान, पंचनामा, एवं आधार कार्ड पेश किया है। भारत सरकार के जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 1969 तथा छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 में दिये गये प्रावधान के अंतर्गत जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण का कार्य किया जाता है। जिसमें विलंब के लिये पंजीयन आदेश की मांग की गई है।

उक्त के संबंध जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो वे दिनांक 04.05.2026 को या पूर्व इस न्यायालय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
अर्जुन्दा जिला बालोद

कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, नवा रायपुर, अटल नगर,
जिला रायपुर (छ.ग.)

ज्ञाप क्रमांक / प्र.अ. / 4999009/ पर्य/2026-27

रायपुर, दिनांक 17/04/2026

// भाव पत्र आमंत्रण सूचना //

कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, सेक्टर-19 नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर, अटल नगर, के लिए वर्ष 2026-27 में कार्यालयीन लेखन स्टेशनरी सामग्री प्रदाय करने की दर दिनांक 08.05.2026 तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से भाव पत्र आमंत्रित किये जाते है।

कार्यों की जानकारी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, सेक्टर-19 नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर, अटल नगर, में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर दिनांक 05.05.2026 तक प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य अभियंता (प्रशासन)
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
नवा रायपुर, अटल नगर,रायपुर (छ.ग.)

जी- 262700330/1

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.लाख में)
1	188850 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	शासकीय वीर सिंह गैंद सिंह महाविद्यालय पखांजूर जिला कांकेर में बालक छात्रावास भवन निर्माण कार्य (बचत कार्य)।	**217.85**
2	188855 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	शासकीय वीर सिंह गैंद सिंह महाविद्यालय पखांजूर जिला कांकेर में बालिका छात्रावास भवन निर्माण कार्य (बचत कार्य)।	**252.79**
3	188806 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	जिला कोण्डागांव के धारली सोडमा से कुरलूबहार तक मार्ग लंबाई 5.756 कि.मी. पुल-पुलिया सहित डामरीकरण निर्माण कार्य।	**522.69**
4	188809 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	जिला कोण्डागांव के बबई हाईस्कूल से करमरी दुर्गा चौक तक मार्ग लंबाई 2.80 कि.मी. पुल-पुलिया सहित डामरीकरण निर्माण कार्य।	**300.98**
5	188810 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल जिला कोण्डागांव के कोदागांव से खरगांव मार्ग 3.425 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	**307.29**
6	188811 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	जिला कोण्डागांव के बबई घुरघाट से सिल्हाटी जामगांव बंजोडा छिलीबेडा कोकोडाजुगानार मार्ग लंबाई 3.25 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	**382.12**
7	188812 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	जिला कांकेर कापसी से परलकोट डैम मार्ग के कि.मी. 1/2 से 10/10 कुल 9.83 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित सुदृढीकरण कार्य।	**857.63**
8	188813 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	जिला कांकेर के घोड़ागांव से अंजारी मार्ग के कि.मी. 1/2 से 5/6 कुल 4.60 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	**664.26**
9	188683 पंचम आमंत्रण 13.04.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	**367.10**
10	188684 द्वितीय आमंत्रण 13.04.2026	जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के मोहला में स्थापित नवीन लाईवलीहुड संस्थान भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाऊण्ड्रीवाल एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	**407.45**
11	188688 7वां आमंत्रण 13.04.2026	जिला बिलासपुर के तखतपुर-बरेला के मध्य मनियारी नदी पर उच्चस्तरीय जलमग्नीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	**317.76**
12	188856 प्रथम आमंत्रण 13.04.2026	शासकीय नवीन महाविद्यालय कटेकल्याण जिला दन्तेवाड़ा का भवन निर्माण कार्य।	**456.83**
13	188862 द्वितीय आमंत्रण 15.04.2026	झाल से नगपुरा पहुंच मार्ग लंबाई 17.61 कि.मी. का निर्माण कार्य।	**2991.92**
14	188863 द्वितीय आमंत्रण 15.04.2026	बलौदा बायपास मार्ग (बलौदा रामपुर चारपारा शनिचराडीह) मार्ग के कि.मी. 1/2 से 8/6 (165 मी.) (वास्तविक कि.मी. 4/6 से 7/2 (100 मी) लंबाई 2.50 कि.मी.) का शेष कार्य।	**603.47**
15	188869 द्वितीय आमंत्रण 16.04.2026	नाबार्ड पोषित योजनांतर्गत् जिला रायपुर के अंतर्गत गोबरा नवापारा में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग्स एवं विद्युतीकरण कार्य सहित।	**455.94**
16	188910 द्वितीय आमंत्रण 16.04.2026	जिला बेमेतरा के डाईट कैम्पस में एकेडमिक ब्लॉक, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, 4 नग 'जी' टाईप क्वार्टर, केन्टीन, बोरवेल, पुरूष शौचालय, महिला शौचालय, सी.डब्ल्यू. एस.एन.शौचालय, ओव्हर हेंड टेंक, लैण्ड स्कैपिंग, पार्किंग सुविधा, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, मरम्मत कार्य एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य, जमा मद।	**311.76**
17	188913 तृतीय आमंत्रण 16.04.2026	जिला गरियाबंद के जटियातोरा-सेंदबहरा मार्ग के बेन्द्रा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	**434.61**
18	188914 द्वितीय आमंत्रण 16.04.2026	जिला धमतरी के धमतरी - बागतराई पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/2 से 3/8 = 2.80 कि.मी. के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित ।	**398.74**

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 09 एवं सं.क्र. 11 दिनांक 27.04.2026, सं.क्र. 17 दिनांक 28.04.2026, सं.क्र. 10, सं.क्र. 13 से सं.क्र. 16 सं.क्र. 18 दिनांक 04.05.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 06.05.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी- 262700340/6

घरेलू विवाद और शराब की लत के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

चारामा/नवप्रदेश। चारामा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रतेडीह में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ शराब की लत और आपसी कलह के चलते एक 30 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी और मृतका की पत्नी श्रीमती पार्वती साहू द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, अकलाडोंगरी निवासी सोमन साहू (उम्र 30 वर्ष) शराब पीने का आदी था। शराब के नशे में वह अक्सर घर में वाद-विवाद और मारपीट किया करता था। दिनांक 21 अप्रैल 2026 की रात को भी सोमन ने शराब पीकर घर में जमकर हंगामा किया।

विवाद इतना बढ़ गया कि अगले दिन सुबह करीब 08:00 बजे पार्वती साहू अपने मायके ग्राम रतेडिही चली गई। सुबह करीब 10:00 बजे सोमन वहां भी पहुंच गया और पत्नी के साथ फिर से मारपीट की, जिसके बाद वह वहां से निकल गया।

खेत में पेड़ से लटका मिला शव

दिन भर सोमन का कोई पता नहीं चलने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। शाम करीब 05-06 बजे ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि सोमन साहू ने बिंदा बाई के खेत में लगे एक हरे पेड़ पर फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही चारामा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली बिल घोटालाः 20 लाख से ज्यादा की हेराफेरी

■ कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर/कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बिजली बिल भुगतान में हेराफेरी का मामला एक बार फिर सामने आया है। छत्तीसगढ़ पावर वितरण कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों पर उपभोक्ताओं से वसूली गई राशि में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। ताजा मामला कवर्धा जिले के रवेलीडीह क्षेत्र का है, जहां एक कर्मचारी द्वारा 20 लाख रुपये से अधिक की राशि कंपनी खाते में जमा करने के बजाय खुद के पास रखने का खुलासा हुआ है।

बताया जा रहा है कि आरोपी कर्मचारी ने उपभोक्ताओं से बिजली बिल की राशि ऑफलाइन जमा तो कराई, लेकिन फर्जी कैश रिमिटेंस एडवाइस (सीआरए) बनाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं किया। उपभोक्ताओं को भुगतान की रसीद भी दी गई, जिससे लंबे समय तक गड़बड़ी का पता नहीं चल सका। मामला उजागर होने के बाद संबंधित कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

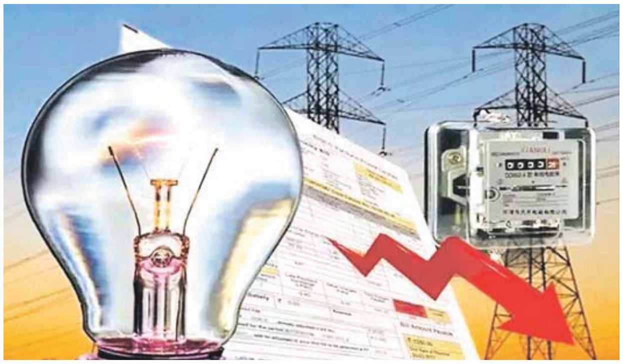

बकाया बढ़ा, वसूली पर असर

प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं पर करीब 1700 करोड़ रुपये और सरकारी विभागों पर लगभग 2200 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। कंपनी द्वारा लगातार वसूली अभियान चलाए जाने के बावजूद बकाया राशि घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। जानकारों का मानना है कि इस तरह की अंदरूनी गड़बड़ियां भी बकाया बढ़ने का एक बड़ा कारण हैं।

पुराने घोटालों की याद ताजा

यह मामला प्रदेश में पहले सामने आए बड़े घोटालों की याद दिलाता है। कुछ साल पहले रायगढ़, अंबिकापुर, बिलासपुर और राजनांदगांव सहित कई क्षेत्रों में बिजली बिल के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी सामने आई थी। उस समय कई अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, लेकिन अधिकांश मामलों में गबन की गई राशि की पूरी वसूली नहीं हो सकी।

मॉनिटरिंग सिस्टम पर सवाल

मामले के सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठ रहे हैं

- **क्या इतनी बड़ी राशि की हेराफेरी बिना अधिकारियों की जानकारी के संभव है?**
- **रोजाना या साप्ताहिक वित्तीय समीक्षा क्यों नहीं हुई?**
- **ऑनलाइन सिस्टम होने के बावजूद फर्जी सीआरए कैसे बनते रहे?**
- **इंटरनल ऑडिट टीम की निगरानी कितनी प्रभावी है?**

पहले भी कई जगह गड़बड़ी

- **प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पहले भी करोड़ों रुपये की हेराफेरी सामने आ चुकी है**
- **शिवरीनारायण व मस्तूरी में लगभग 6 करोड़**
- **बिलासपुर में 2 करोड़**
- **राजनांदगांव में करीब 1.5 करोड़**
- **अंबिकापुर में 3.6 करोड़**
- **आरंग और पलारी के पे-पॉइंट केंद्रों में भी गड़बड़ी।**

कार्रवाई पर भी सवाल

गड़बड़ी सामने आने पर विभाग द्वारा आमतौर पर निलंबन की कार्रवाई की जाती है, लेकिन कुछ समय बाद कर्मचारियों की बहाली हो जाती है। कई मामलों में गबन की गई राशि की वसूली नहीं हो पाती, जिससे कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है।

जांच का दायरा बढ़ा

राजनांदगांव रीजन के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट के अनुसार, रवेलीडीह डीसी में सामने आए इस मामले में प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही अन्य कार्यालयों में भी उपभोक्ताओं द्वारा जमा की गई राशि का कंपनी खातों से मिलान किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल के निर्देश पर धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों की अधिक संख्या को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से विशेष जांच शिविर करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा है कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से ग्राम धनेशपुर में विशेष शिविर आयोजित करें, जहां दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। साथ ही दिव्यांगता के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वे एवं चिकित्सकीय अध्ययन भी कराया जाए। निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर घर-घर सर्वे करेगी तथा पात्र बच्चों और नागरिकों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि उन्हें दैनिक जीवन, शिक्षा और आवागमन में सुविधा मिल सके। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा बच्चों के बेहतर उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए।

18 समर स्पेशल ट्रेनें, 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक 88 ट्रिप चलेंगी

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 18 समर स्पेशल ट्रेनों के 88 ट्रिप चलाने का फैसला किया है। 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 तक इन ट्रेनों का संचालन होगा, जिससे करीब 1.05 से 1.32 लाख यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना है। रेलवे के अनुसार, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और गोंदिया स्टेशनों से कई प्रमुख रूटों पर ये ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। समर स्पेशल ट्रेनों में दुर्ग-हरिद्वार, हरिद्वार-दुर्ग, इतवारी-शालीमार, गोंदिया-रक्सौल, कोरबा-यलहंका, रायपुर-खड़गपुर और बिलासपुर-शालीमार जैसे रूट शामिल हैं। कुछ ट्रेनें साप्ताहिक आधार पर, जबकि कई ट्रेनें निर्धारित तारीखों पर एकल या सीमित ट्रिप में चलेंगी। रेलवे का कहना है कि एक ट्रिप में औसतन 1200 से 1500 यात्रियों की क्षमता होती है। ऐसे में 88 ट्रिप के संचालन से बड़ी संख्या में यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने में सुविधा होगी।

जलबोर्ड समिति की तीसरी बैठक में भी केवल चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी में पेयजल संकट से निबटने के लिए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने फरवरी महीने में जलबोर्ड समिति का गठन किया था। इसके बाद से लेकर अब तक महापौर ने इस समिति की तीन बैठक ली और कुछ जोन कमिश्नरी के पानी टंकियों का दौरा किया। इसमें मोतीबाग टंकी का दौरा भी शामिल है। यहां टंकी भरने के लिए स्मार्टसिटी लिमिटेड द्वारा पिछले तीन महीने से नया हाईपॉवर पंप लगाने की तैयारी अब तक पूरी नहीं हुई। महापौर ने यहां अपने दौरा कार्यक्रम के दौरान पार्षद और जोन अध्यक्ष के साथ जहां नया पंप लगाना है उस जगह को भी पिछले महीने देखा था। इसके बावजूद अब तक इसकी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। महापौर ने 22 अप्रैल को फिर जलबोर्ड समिति की बैठक ली। इसमें अधिकारियों को शहर में गर्मी में पेयजल आपूर्ति हेतु कड़े निर्देश दिये। उन्होंने फिर एक बार चेतावनी देते हुए कहा कि पेयजल प्रदाय व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही कदापि सहन नहीं की जायेगी। लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय कर संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को शहर में तालाबों एवं जलस्त्रोतों के समीप हाईडेन बनाकर व्यवस्था शीघ्र देने के निर्देश दिये ताकि हाईडेन से नागरिकों को वाडों में गर्मी में जलआपूर्ति की जा सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन फील्ड में उतरकर वार्डों में टंकी के क्षेत्रों में जल समस्या की जानकारी लेकर स्पॉट देखकर उसका त्वरित निदान करने कहा। इस बैठक में मुख्यअभियंता संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता जल नरसिंह फरेन्द्र, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, नीतिश झा, उपअभियंता रमेश पटेल, शुभम तिवारी और योगेन्द्र साहू आदि उपस्थित थे।

25 जोनल टीमों के साथ शपथ और प्रशिक्षण समारोह सम्पन्न

ग्रीन आर्मी का विराट शक्ति प्रदर्शन

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर शहर में नवगठित 25 जोनल इकाइयों के सदस्यों के स्वागत, मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से वृंदावन हॉल में भव्य प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी जोनों से बड़ी संख्या में नव नियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ग्रीन आर्मी के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने संगठन के मूल उद्देश्यों, अनुशासन, समर्पण एवं सामाजिक जिम्मेदारियों पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने सभी सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया।

प्रशिक्षण सत्र में श्रीमती मोनिका बागरेचा (नारी शक्ति), श्रीमती रात्रि लहरी (युवा शक्ति) एवं श्री टारगेट (जनसंपर्क) द्वारा प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वक्ताओं ने टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, जनसंपर्क कौशल एवं संगठन विस्तार की रणनीतियों पर विशेष मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर श्रीमती भारती श्रीवास्तव (ब्लू विंग अध्यक्ष), श्रीमती मोनिका बागरेचा (ग्रीन विंग अध्यक्ष), श्री श्याम बघेल (व्हाइट विंग अध्यक्ष) एवं श्री संजय भौमिक (ब्राउन विंग अध्यक्ष) मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक ऊर्जावान एवं प्रेरणादायी बनाया।

कार्यक्रम के दौरान सभी नव नियुक्त जोनल सदस्यों को शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने संगठन के उद्देश्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव सदस्यों को संगठन की कार्यप्रणाली से अवगत कराना एवं उन्हें आगामी सामाजिक एवं पर्यावरणीय अभियानों के लिए तैयार करना रहा। अंत में, आयोजकों द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की अपील की गई।

रायपुर-धनबाद कॉरिडोरः वाहनों के लिए बनेंगे 54 अंडरपास

रायपुर/नवप्रदेश। पत्थलगांव-झारखंड सीमा तक 3147 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह कॉरिडोर 627 किमी लंबा है। इसमें से करीब 384 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। फिलहाल 104.25 किमी लंबे पत्थलगांव से झारखंड सीमा तक के हिस्से पर काम तेज गति से चल रहा है। परियोजना के तहत इस मार्ग को आधुनिक और बाधारहित बनाने के लिए 382 छोटी-बड़ी संरचनाएं बनाई जाएंगी। इनमें 7 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 6 फ्लाईओवर, एक एलीवेटेड वायडक्ट, 54 बड़े-छोटे अंडरपास, 21 पैदल व मवेशी अंडरपास और 278 बॉक्स पुलिया शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार पत्थलगांव से झारखंड सीमा तक का हिस्सा इस कॉरिडोर की रीढ़ है। इससे छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच इंटर स्टेट कनेक्टिविटी मजबूत होगी। साथ ही व्यापारिक परिवहन को भी गति मिलेगी। इस सड़क के निर्माण से जशपुर जिले के पत्थलगांव, कांसाबेल, कुनकुरी, दुलदुला और जशपुर जैसे क्षेत्र सीधे जुड़ेंगे। वहीं रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जैसे औद्योगिक शहरों की कनेक्टिविटी झारखंड के धनबाद, रांची और जमशेदपुर से बेहतर होगी।

अपनी जिम्मेदारी निभाएं, बेटियों को सर्वाईकल कैंसर के खतरे से बचाएं

छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम- अब गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर निर्णायक वार

रायपुर/नवप्रदेश। बेटियों की मुस्कान में ही भविष्य की सबसे उजली तस्वीर बसती है-और इसी मुस्कान को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि हर उस माँ-बाप के विश्वास की रक्षा है, जो अपनी बेटी के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित कल का सपना देखते हैं।

भारत सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ अब उन सभी राज्यों के साथ कदम से कदम मिला रहा है, जिन्होंने गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओ में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होता है, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रारंभिक चरण में सामान्यतः कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देता जिस कारण अक्सर यह गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है।

HPV टीकाकरण इस गंभीर कैंसर के खिलाफएक सशक्त और भरोसेमंद सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णतः सुरक्षित, अत्यंत प्रभावी है और इसकी सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है- जो इसकी विश्वसनीयता को और भी पुख्ता बनाता है।

शासकीय सेवक अवकाश स्वीकृत होने पर ही प्रस्थान करेंगे

सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए शासन ने जारी किए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए परिपत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि कोई भी शासकीय सेवक सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवकाश स्वीकृत किए जाने से पूर्व अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेगा। बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहना स्वैच्छिक अनुपस्थिति मानी जाएगी और इसे सेवा नियमों के तहत ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) के रूप में देखा जा सकता है। सभी शासकीय सेवक को आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी यथासंभव दूरभाष या डिजिटल माध्यम से पूर्ण सूचना देना अनिवाय होगा, जिसकी लिखित पुष्टि कार्यालय आगमन के तत्काल बाद करनी होगी।

महाविद्यालय में विश्व पुस्तक मेले के उपलक्ष्य में छात्रों ने पुस्तकालय भ्रमण कर ज्ञान का दीप जलाया

रायपुर/नवप्रदेश। ज्ञान के महासागर में डुबकी लगाने और पुस्तकों के प्रति छात्रों में रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से शहीद वीर नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय, जोबी-बर्रा में 23 अप्रैल, विश्व पुस्तक दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय ग्रन्थालय बैठकर महत्वपूर्ण पुस्तकों का अध्ययन किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्री आर.के. थवाईत

के मार्गदर्शन में हुई। छात्रों ने पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं और संदर्भ ग्रंथों का अवलोकन किया। पुस्तकालय प्रभारी श्री एम.एल. लास्कर ने छात्रों को पुस्तकों के उचित उपयोग, डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों और रीडिंग हैबिट विकसित करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने उत्साहपूर्वक नोट्स लिए और अपनी पसंद की पुस्तकें चयनित कीं। इसके अतिरिक, पुस्तक समीक्षा सत्र में छात्रों ने अपनी पसंदीदा पुस्तकों पर चर्चा की । छात्रों ने बताया कि इस कार्यक्रम से उन्हें न केवल नई पुस्तकों की जानकारी मिली, बल्कि पढ़ने की आदत विकसित करने और ज्ञानार्जन के प्रति जागरूकता भी बढ़ी। एक छात्रा ने कहा, ÷पुस्तकालय भ्रमण ने हमें महसूस कराया कि किताबें हमारे सबसे अच्छे दोस्त हैं। विश्व पुस्तक मेले की भावना को हम अपने कॉलेज स्तर पर जीवंत कर पाए, यह बहुत अच्छा अनुभव रहा। प्राचार्य ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास में सहायक हैं। उन्होंने भविष्य में भी पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से रीडिंग क्लब और पुस्तक चर्चा सत्र आयोजित करने की घोषणा की।

महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया शिविर का समापन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रति जताया आभार

कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय ने लगाया विशेष स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच व स्वास्थ्य जागरूकता हेतु आयोजित किये जा रहे शिविरों की कड़ी में कल बुधवार को कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा द्वारा निगम कार्यालय साकेत में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर लगाया गया।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने शिविर का समापन किया तथा मुख्यमंत्री श्री सायं व श्रम मंत्री श्री देवांगन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के कार्यो की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के दिशा निर्देशों के अनुरूप कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में स्वास्थ्य व जांच शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में बुधवार को प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का आयोजन किया गया, कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के द्वारा आयोजित उक्त महत्वपूर्ण शिविर में निगम के 500 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, जोड़ो का दर्द, सरदर्द, अनिद्रा, हाईपरटेंशन, फीवर, एलर्जी, लीवर, किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याओं सहित विविध रोगों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई, शिविर में विभिन्न बीमारियों की दवाओं का पर्याप्त स्टाक रखा गया था, अधिकारी कर्मचारियों को चिकित्सकों ने आवश्यकतानुसार दवाईयॉं भी प्रदान की तथा विभिन्न चिकित्सकीय परामर्श व सुझाव दिया। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उक्त विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का समापन किया तथा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा के चिकित्सकों व अन्य अधिकारी कर्मचारियों के कार्यो की सराहना करते हुये प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय बहादुर सिंह, डॉ.नीरज तिवारी, डॉ.ओमदत्त तिवारी, स्टाफ नर्स मेरी संगीता, अरूणा राय सोने, फार्मासिष्ट उमेश कुमार मनहर, अंजू पटेल व अनिल ध्रुव, सहायक ग्रेड-3 ईश्वर प्रसाद सोनी, वार्ड ब्वाय खगेश्वर बेंद्रे, डिगेश कुमार एवं शुभम कर्ष ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के समापन के दौरान निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्य अजय कुमार चन्द्रा, ममता यादव, फिरत राम साहू, योगेश मिश्रा, पूर्व पार्षद दीपक यादव, रामशंकर साहू, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, लेखाधिकारी भवकांत नायक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, अरूण मिश्रा, आनंद दुबे आदि के साथ निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी को छोड़कर, सभी विचारों का सम्मान: सुको

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सभी बड़े लेखकों और विचारकों की राय का सम्मान करता है, लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं कर सकता। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। सुनवाई के दौरान दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के एक लेख का जिक्र किया। इस पर मुख्य न्यायाधीश सर्यकांत ने कहा कि व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत ही होती है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी

मुंबई(वार्ता)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है। हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को बिना किसी समय सीमा के बढ़ाया

वाशिंगटन/ए.। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ अपने युद्धविराम को बढ़ा दिया है, जबकि व्यापक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी गई है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि बातचीत के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं है और तेहरान पर आर्थिक दबाव जारी रखने के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका दोहरी रणनीति अपना रहा है-सैन्य हमलों को रोकते हुए वित्तीय और समुद्री प्रतिबंधों को और कड़ा किया जा रहा है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। लीविट ने कहा, "हम इस नाकेबंदी के जरिए उनकी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह जकड़ रहे हैं। उन्हें रोज़ 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है," और जोड़ा कि ईरान तेल की खेप भेजने या भुगतान बनाए रखने में असमर्थ है। आर्थिक दबाव बढ़ने के बावजूद, प्रशासन ने बातचीत के लिए कोई समय-सीमा तय करने से परहेज किया है। उन्होंने कहा,

सैन्य कार्रवाई में विराम का मतलब दबाव में कमी नही

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धविराम के विस्तार की घोषणा की है और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के कारण पूरी तरह बदनाम हो चुके एक शासन को उदारता से कुछ लचीलापन भी दिया है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य कार्रवाई में विराम का मतलब दबाव में कमी नहीं है। उन्होंने कहा, "सैन्य और प्रत्यक्ष हमलों पर युद्धविराम है लेकिन 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' जारी है और प्रभावी व सफ्ल नौसैनिक नाकेबंदी भी जारी है।"

इस समय राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में हैं सभी पत्ते

व्हाइट हाउस ने माना कि ईरान से आने वाले विरोधाभासी संकेतों ने प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। लीविट ने कहा, "वे सार्वजनिक रूप से जो कहते हैं, वह निजी तौर पर अमेरिका से कही गई बातों से काफी अलग है," और आधिकारिक ईरानी बयानों पर पूरी तरह भरोसा न करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी वार्ताकार पहले ही ईरानी समकक्षों से सीधे संपर्क कर चुके हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अंततः निर्णय लेने का अधिकार किसके पास है। प्रशासन के रुख का बचाव करते हुए लीविट ने कहा कि वॉशिंगटन के पास बढ़त है। उन्होंने कहा, "इस समय सभी पत्ते राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में हैंज् ईरान बहुत कमजोर स्थिति में है।"

÷राष्ट्रपति ने कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की है, अंततः समय-सीमा का निर्धारण कमांडर-इन-चीफ द्वारा किया जाएगा,÷ और बातचीत के लिए कम समय होने की खबरों को खारिज किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या युद्धविराम या नाकेबंदी अनिश्चित काल तक जारी रहेगी, तो लीविट ने स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया और कहा कि राष्ट्रपति ही तय करेंगे कि ÷कब उन्हें लगे कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका और अमेरिकी जनता के हित में है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नेतृत्व के भीतर मतभेद बातचीत को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अंदरूनी स्तर पर काफी विभाजन है व्यवहारिक लोगों और कट्टरपंथियों के बीच संघर्ष चल रहा है, और बताया कि वॉशिंगटन तेहरान से एकजुट प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि संकट के दौरान राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानबाजी से बातचीत पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा है। संयुक्त राज्य अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मांगों और 'रेड लाइन्स' को लेकर बहुत स्पष्ट रहे हैं, उन्होंने कहा।

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान: एस. जयशंकर

नई दिल्ली/ए.। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का स्थान महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अफ्रीका के साथ भारत का रिश्ता एक साफसोच के साथ आगे बढ़ रहा है। यह रिश्ता समानता, आपसी सम्मान और साथ मिलकर तरक्की करने के सिद्धांतों पर टिका है। विदेश मंत्री आगामी भारत-अफ्रीका फोरम समिट-IV के लोगो (Logo) थीम और वेबसाइट के लॉन्च के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम यहां भारत और अफ्रीका की पुरानी और मजबूत साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि भारत और अफ्रीका के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और मानवीय संबंध हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफ्रीकी देश गुलामी के खिलाफलड़ रहे थे, तब भारत उनके साथ मजबूती से खड़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की अपनी आजादी की लड़ाई का इतिहास भी अफ्रीका से गहराई से जुड़ा हुआ है। संघर्ष, एकजुटता और आगे बढ़ने की हमारी साझा कोशिशें आज भी हमारी दोस्ती को नया रूप दे रही हैं। जयशंकर ने भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि भारत का विकसित भारत 2047 का लक्ष्य और अफ्रीका का एजेंडा 2063 एक-दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों ही योजनाएं टिकाऊ विकास और समावेशी तरक्की का रास्ता दिखाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच राजनीतिक बातचीत और संपर्क लगातार बढ़ रहे हैं। भारत हमेशा से चाहता है कि दुनिया को चलाने वाली संस्थाओं में अफ्रीका को उसका सही हक मिले। इस दिशा में एक बड़ा कदम 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 (जी20) में शामिल करना था।

मैंने तो नेताओं की महिलाओं पर गिद्ध जैसी नजरों पर सवाल उठाया: यादव

पटना/ए.। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने नेताओं व महिलाओं से जुड़े अपने बयान के लिए माफी मांगी है। पप्पू यादव गुरुवार को नालंदा पहुचे जहां उन्होंने दुष्कर्म के बाद पीड़िता द्वारा की गई सुसाइड के परिवार से मुलाकात कर 25 हजार की सहायता राशि दी। 13 दिन पूर्व नालंदा थाना क्षेत्र के कपटसरी गांव में पिता के सामने पिस्तौल की नोक पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम दिया गया था। उसके बाद पीड़िता ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के 13 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पप्पू यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को कहा कि यह आपके समाज की बेटी थी इसे तो इंसाफदिला दीजिए नहीं तो हम इसकी लड़ाई का सदन में लड़ेंगे।

जारी हुआ था नोटिस

राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजया राहटकर ने पप्पू यादव द्वारा महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी पर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए मंगलवार को इसे आपत्तिजनक, असंवेदनशील और संविधान की मूल भावना के विरुद्ध बताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह बयान अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है।

महिलाओं से मांगी माफी

उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर दिए गए बयान पर कहा कि हमने नेताओं के खिलाफ बयान दिया था जो महिलाओं को गिद्ध की नजर से देखते हैं। इसका खुलासा सदन में भी हुआ और एक अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में भी हुआ मगर किसी पर नोटिस नहीं हुआ। सिर्फ पप्पू यादव को नोटिस जारी हुआ, क्योंकि पप्पू यादव महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाला है इसी लिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में हम कोर्ट जाएंगे और अगर किसी महिलाओं को हमारे बयान से ठेस पहुंची है तो हम उनसे माफी मांगते है।

5 साल बाद चीन के पर्यटकों को वीजा जारी करेगा भारत

नई दिल्ली/ए.। भारत सरकार चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। करीब पांच साल पहले गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इन सेवाओं को बंद कर दिया गया था। अब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है। यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों में धीरे-धीरे आ रही नरमी के बीच उठाया गया है। हाल ही में भारत और चीन ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही लंबे समय से रुकी हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। नए वीजा नियम मुख्य चीन, हांगकांग और मकाऊ से आने वाले यात्रियों पर लागू होंगे। सरकार का यह फैसला पर्यटन, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेलजोल को फिर से बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों से दोनों देशों के बीच तनाव की वजह से ये गतिविधियां रुकी हुई थीं। हालांकि वीजा देने के लिए सामान्य प्रक्रियाओं का पालन होगा, लेकिन सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए कुछ पाबंदियां अब भी लागू रहेंगी। जानकारों का मानना है कि इस फैसले से दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे। व्यापारिक समुदाय ने भी इस कदम का स्वागत किया है। फिलहाल दोनों देश अब धीरे-धीरे अपने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

लश्कर-जैश पर नकेल कसे पाकिस्तान, पहलगाम हमले की बरसी पर अमेरिकी सांसदों ने उठाई मांग

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई थी। इस दौरान शर्मन ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को याद किया। इस हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। इस डिजिटल प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों और पहलगाम हमले की तस्वीरें दिखाई गईं। इसमें उन आतंकी संगठनों और लोगों की पहचान भी उजागर की गई जो पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि आतंकवाद मानवता को नष्ट करना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प को दोहराया जिसमें भारत आतंकवाद को हराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के कई बड़े सांसद शामिल हुए।

क्या बोले अमेरिकी सांसद?

शर्मन ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे द रेजिस्टेंस फ्रंट का हाथ था, जिसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है। खबरों के मुताबिक, इन समूहों को पाकिस्तान में पनाह मिलती है। डेमोक्रेट नेता शर्मन ने मांग की कि पाकिस्तानी सरकार को इन आतंकी गुटों पर नकेल कसने की मांग की। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में हुई जब पाकिस्तान खुद को शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है और अमेरिका-ईरान युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

पंचायती राज दिवस विशेष: महिला नेतृत्व की नई मिसाल, जगन्नाथपुर में बेटियों के हाथ विकास की कमान

पंचायती राज व्यवस्था ने दिखाई इन महिलाओं को घर की दहलीज से बाहर निकल कुछ करने का रास्ता

बालोद/नवप्रदेश। पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम जगन्नाथपुर आज महिला सशक्तिकरण और स्थानीय स्वशासन की ताकत का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। यहां सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य–तीनों ही महिलाएं हैं, जिन्होंने पहली बार चुनाव जीतकर न केवल नेतृत्व संभाला, बल्कि गांव के विकास को नई दिशा भी दी है।

पहली बार चुनाव, मजबूत नेतृत्व: सरपंच देव कुंवर कोसमा, जनपद सदस्य दमयंती हरदेल और जिला पंचायत सदस्य पूजा वैभव साहू–तीनों ने पहली बार चुनाव लड़कर जीत हासिल की। इनकी यह सफलता इस बात का संकेत है कि गांव में अब महिलाएं निर्णय लेने की मुख्यधारा में आ चुकी हैं और जनता ने भी उन पर पूरा भरोसा जताया है।

समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका: तीनों जनप्रतिनिधि क्षेत्र की समस्याओं को समझकर उनके समाधान में लगातार जुटी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान बढ़ा है। लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जा रहा है। गांव में सहभागिता और संवाद का माहौल बना है।

ग्राम विकास समिति की कमान भी महिलाओं के हाथ: अब तो इस गांव में ग्राम विकास समिति का नेतृत्व भी महिलाओं ने संभाल लिया है। समिति की अध्यक्ष कोमिन साहू गांव सुधार और सामाजिक बदलाव के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वे विशेष रूप से गांव को नशामुक्त बनाने और लोगों को सही दिशा में

जागरूक करने के अभियान को आगे बढ़ा रही हैं।

चुनौतियों के बावजूद नहीं मानी हार: अध्यक्ष कोमिन साहू ने बताया कि उनके कार्य में कई तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी है। नशामुक्ति और सामाजिक सुधार के लिए उनका प्रयास लगातार जारी है, और वे गांव के हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ने में लगी हुई हैं।

पंचायती राज ने दिया अवसर, महिलाओं ने दिखाई ताकत

इन सभी महिला प्रतिनिधियों ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था ने उन्हें घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर समाज और गांव के लिए काम करने का अवसर दिया है, जिसके लिए वे खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे अपने क्षेत्र के विकास और समाज सुधार के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही हैं। सभी महिलाएं पढ़ी लिखी शिक्षित और समझदार भी हैं।

प्रेरणादायक बन रहा जगन्नाथपुर गांव

आज जगन्नाथपुर गांव न सिर्फ बालोद जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनता जा रहा है, जहां महिला नेतृत्व विकास की धुरी बना है। सामाजिक बुराइयों के खिलाफजागरूकता बढ़ रही है। कह सकते हैं कि जब महिलाएं नेतृत्व संभालती हैं, तो बदलाव सिर्फयोजनाओं में नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी दिखाई देता है।

न्यूज गैलरी

बोलेरो में भरकर ले जा रहे थे पांच गौ वंश, गाड़ी खराब होने पर छोड़कर भागे

बतौली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में गौ तस्करी का हद हो गई है, प्रशासन के नाक के नीचे लगातार तस्करों द्वारा बुलेरो

वाहन में पशुओं को ठूस- ठूस कर बूचड़ खाना ले जाया जा रहा है। वाहनों से पकड़ाते गौ तस्करों के वाहन जहां पशुओं पर हो रही क्रूरता के साक्ष्य खुलेआम दिख रहे है। जिससे ग्रामीणों के मन में आक्रोश पैदा कर रहा है। जहां पुलिस के सतत निगरानी के बावजूद तस्करों द्वारा पशु तस्करी कर गौ वंश को बूचड़खाना भेजा जा रहा है। आपको बता दें कि, बतौली थाना क्षेत्र में लगातार गौ तस्करों के वाहन खराब होने पर गौ वंश की तस्करी का मामला उजागर हुआ है। जहां अब तक 2 पिकअप, 1 स्कॉर्पियो सहित अब बुलेरो वाहन पशुओं से भरे हुए ग्रामीणों को मिला है। जिनमें 3 बैल, 1 गर्भवती गाय सहित बछड़े को बुलेरो में देवरी के पास सड़क किनारे पाया गया। तस्कर ग्रामीणों को चकमा देकर मौके से फरार हो गए। बजरंग दल से विजय यादव, मोनू तिवारी अपनी टीम संग पहुंचे और गौ वंश को आजाद कराया गया। इन पर इतना अत्याचार किया गया था कि, वो चलने लायक भी नहीं थे।

आईटीआई में छात्रों से कराया जा रहा था मजदूरी, हाथों की 5 उंगलियां कटीं

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडीलोहारा स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां छात्रों से पढ़ाई के बजाय मजदूरी और मिस्त्री का काम कराया जा रहा था। इसी दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, आईटीआई में छात्रों से बाथरूम की दीवार निर्माण, प्लास्टर और ईंट जोड़ने जैसे कार्य करवाए जा रहे थे, जो उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है। बताया जा रहा है कि फिटर ट्रेड का छात्र टाकेश्वर कुमार भी अन्य छात्रों के साथ ईंट ढुलाई और निर्माण कार्य में लगा हुआ था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से ईंट ढुलाने वाले उपकरण में उसका हाथ फंस गया, जिससे उसके दोनों हाथों की 5 उंगलियां कट गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्र को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आईटीआई के छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। छात्रों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से संस्थान में पढ़ाई के बजाय उनसे निर्माण कार्य, दीवार मरम्मत, छत ढलाई जैसे काम करवाए जाते हैं।

पत्नी की चरित्रशंका को लेकर पति बना हैवान, सिर काटकर घूमता रहा

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक पति ने नशा की हालत में वहशियत को अंजाम दिया। इस घटना ने सनसनी फैला दी। बालको थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बुंदेली में यह घटना बुधवार दोपहर घटित हुई। गांव में तब सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर और काटने में उपयोग किया गया कटारनुमा चाकू लेकर घूमता रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम बुंदेली निवासी सालिक राम पिता राम प्रसाद यादव रोजी-मजदूरी का काम करता है। वह गांव के ही किसी फार्म हाउस में रहकर मजदूरी आदि कार्य किया करता था। उसने आज अपनी पत्नी से हुए विवाद के बाद शराब के नशा में तैश में आकर धारदार चाकू से पत्नी का गर्दन ही काट दिया। पति का वहशीपन यहीं नहीं थमा बल्कि उसने पत्नी के धड़ को यूं ही छोड़ दिया और बिना किसी दुःख व पश्चाताप के कटे हुए सिर को प्लास्टिक की बोरी में रखा। चाकू भी इस बोरी में रखा और मोटरसाइकिल की डिक्की में बोरी को रखकर पुलिस चौकी रजगामार जाने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक पोल्ट्री फार्म के पास रुक कर उसने लोगों को बताया कि वह पुलिस चौकी जा रहा है, उसने अपनी पत्नी का सिर काट दिया है।

तहसीलदार का ड्राइवर मृत हालत में मिला, पुलिस कर रही जांच

कोरबा/नवप्रदेश। प्रशासनिक हलके में एक दुखद घटना सामने आई है। जो जानकारी सामने आ रही है उसमें कोरबा तहसीलदार का ड्राइवर उत्तरा कुमार कश्यप का शव बालको के लाल घाट में बुधवार देर शाम मिला है। बताया जा रहा है कि उत्तरा कुमार कश्यप सुबह से ही घर से निकला हुआ था और वह नशे का आदी था। तो ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब सेवन से उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के मर्चुरी में रखवा दिया है और परिजनों के आने के बाद मार्ग कम कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी ताकि मौत के कारणों का पता चल सके।

श्रम कानून के दायरे में आएंगे डिलीवरी बॉय, कानून का मसौटा बनकर तैयार, 45 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई

साय सरकार लाएगी सामाजिक सुरक्षा कानून, गिग वर्कर को मिलेगी सुरक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में काम करने वाले हजारों डिलीवरी बॉय यानी गिग वर्कर जैसे जोमैटो, स्विगी जैसी कंपनियों के लिए काम करते हैं, इनके साथ ही ओला, उबर जैसी टैक्सी सर्विस के लिए काम करते हैं, के हक में राज्य सरकार एक बड़ा और अहम कदम उठाने जा रही है। सरकार इन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कानून ला रही है, जो इन्हें सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही शासकीय योजनाओं में हिस्सेदार भी बनाएगा। इस कानून का मसौटा बनकर तैयार है, इस पर 45 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई गई है, इसके निराकरण के बाद यह लागू कर दिया जाएगा।

क्यों किया जा रहा है ये बदलाव: सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबकि ये बदलाव क्यों किया जा रहा है। वजह ये है कि डिलीवरी बॉय या गिग वर्कर को अब तक श्रमिक ही नहीं माना जाता है। ये लोग न संगठित क्षेत्र के श्रमिक के रूप में गिने जाते है, न ही असंगठित क्षेत्र में। दूसरी और जिन कंपनियों के लिए ये काम करते हैं वह इन्हें वर्कर न मानकर अपना वर्किंग पार्टनर मानती हैं और काम के बदले कमीशन के रूप में राशि अदा करती है। लिहाजा ये लोग अब तक किसी प्रकार से भी श्रम कानून के दायरे में नहीं आते हैं, लेकिन नया कानून इन्हें पूरी तरह संरक्षण देगा। इसी काम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 'सामाजिक सुरक्षा संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 तैयार किया है।

गिग वर्कर्स के लिए प्रावधान

गिग वर्कर्स (जैसे जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर के डिलीवरी पार्टनर या ड्राइवर) और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए इस संहिता में पहली बार व्यापक प्रावधान किए गए हैं। पहली बार कानून में 'गिग वर्कर' और 'प्लेटफॉर्म वर्कर' को परिभाषित किया गया है ताकि उन्हें कानूनी सुरक्षा मिल सके। सामाजिक सुरक्षा कोष राज्य सरकार एक विशेष कोष बनाएगी। इसमें एग्रीगेटर्स (कंपनियों) को अपने टर्नओवर का 1 से 2 प्रतिशत हिस्सा योगदान देना होगा।

सामाजिक सुरक्षा मंडल बनेगा श्रम मंत्री होंगे अध्यक्ष

इस कानून के तहत सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री इस मंडल के पदेन अध्यक्ष होंगे । श्रम विभाग के सचिव उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। मंडल में कुल 31 नामांकित सदस्य होंगे, जिनमें असंगठित श्रमिकों, नियोक्ताओं, छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व होगा।

गिग वर्कर का होगा आधार आधारित पंजीयन

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए आधार आधारित अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था होगी। एकल खिड़की प्रणाली, रिपोर्टिंग और शिकायतों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा ताकि श्रमिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। अब निश्चित अवधि के कर्मचारियों को भी ग्रैच्युटी का लाभ मिलेगा, भले ही उनकी सेवा पांच साल से कम हो।

9 अलग-अलग कानूनों को मिलाकर बनाया एक

नए कानून की खास बात ये है कि श्रम से संबंधित 9 कानून जो अलग-अलग तरह के श्रमिकों के लिए बने थे, उन सभी को मिलाकर एक बनाया जा रहा है। इनमें कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, ईएसआई एक्ट, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 ईपीएफएक्ट, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961, उपादान भुगतान अधिनियम, 1972, सिने-श्रमिक कल्याण कोष अधिनियम, 1981, भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996, असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008, रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959 शामिल है।

हाईवा और टैंकर की टक्कर में दो चालक गंभीर रूप से घायल

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। लौदाबाजार जिले के गिधपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भवानीपुर में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें चिखली रेत घाट से रेत लेकर आ रहे एक हाइवा और डीजल-पेट्रोल टैंकर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालक स्टेयरिंग में फंस गए। जानकारी के अनुसार, डीजल-पेट्रोल टैंकर बलौदाबाजार से डीजल खाली कर मंदिरहसोद डिपो की ओर लौट रहा था, तभी भवानीपुर के पास सामने से आ रहे हाइवा से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए पहुंच गए।

घटना की सूचना मिलते ही गिधपुरी पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी उनेख देशमुख ने बताया कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे और चालक अंदर फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर जेसीबी मशीन की मदद से दोनों चालकों को बाहर निकाला।

बंटवारा मांगा तो छोटे भाई ने बड़े भाई को जिंदा जला दिया

महासमुंद/नवप्रदेश। जमीन बंटवारे को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को धान से भरे कमरे में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। जिले के बागबाहरा थाना क्षेत्र के आमगांव में मंगलवार देर शाम हुई इस घटना में बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले को विवेचना कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मरार कसहीबाहरा निवासी मालती साहू ने दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि कृष्णकांत का जमीन बंटवारे को लेकर परिजनों से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। मंगलवार को कृष्णकांत दुबे और प्रार्थिया आमगांव पहुंचे थे। इस दौरान छोटे भाई दौलत से जमीन बंटवारा की बात कहने पर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक दूसरे पर हमला बोल दिया।

छोटे भाई दौलत के वार से घायल हुए कृष्णकांत को बचाने के लिए प्रार्थिया ने गांव में गुहार लगाई, लेकिन उसके लौटते तक दौलत ने धान की कोठी में बंद कर घायल अवस्था में कृष्णकांत पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग पर काबू पाने दमकल बुलाया गया, लेकिन आग पर काबू पाने तक कृष्णकांत बुरी तरह जल चुका था। और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक मालती साहू ने पुलिस को बताया कि करीब 10 माह पूर्व कृष्णकांत दुबे से उसका परिचय हुआ था। तब से वह और कृष्णकांत दुबे पति-पत्नी के रूप मे रायपुर में रह रहे थे। वह कुछ दिनों बाद कृष्णकांत से शादी करने वाली थी।

ढाबे के रसोई में मिली गंदगी, संचालक को नोटिस जारी

बीजापुर/नवप्रदेश। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के किराना दुकान व ढाबे का औचक निरीक्षण किया गया। अभिहीत अधिकारी डीके देवांगन के मार्गदर्शन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता द्वारा शहर के बबलू किराना एवं जनरल स्टोर तथा बिट्टू ढाबा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बबलू किराना से सत्तू का नमूना लेकर जांच हेतु लिया गया। इसी तरह बिट्टू ढाबा के निरीक्षण के दौरान ढाबे के रसोई में अस्वच्छता और अव्यवस्था पाई गई। जिस पर ढाबा संचालक को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। और पाई गई कमियों का रिपोर्ट तैयार किया गया जिसके आधार पर ढाबा संचालक को नोटिस भेजा गया है। नोटिस का पालन नहीं किये जाने पर संबंधित के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एंव मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के तहत आगे की कार्यवाही की जाएगी।

लू का अलर्ट, 3 डिग्री बढ़ेगा तापमान

गर्मी के चलते व्यापमं परीक्षाओं का समय बदला, जगदलपुर में बारिश के साथ ओले गिरे

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में गर्मी का असर लगातार बना हुआ है और अब इसमें और तेजी आने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ, लेकिन अगले 24 घंटे में पारा 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान लगभग स्थिर रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कल यानी 24 अप्रैल से मध्य छत्तीसगढ़ में हीट वेव चलने की चेतावनी दी है, जो अगले तीन दिनों तक असर दिखा सकती है। इससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

इस बीच, प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश भी दर्ज की गई। जगदलपुर में बुधवार दोपहर बारिश के साथ

ओले गिरे। तापमान की बात करें तो दुर्ग में सबसे अधिक 43.2°C और जगदलपुर में न्यूनतम 20.5°C दर्ज किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए बिलासपुर में व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बदलाव किया गया है। अब परीक्षाएं सुबह 10 बजे से होंगी, जो पहले दोपहर 12 बजे से आयोजित होती थीं। 26 अप्रैल को मंडी बोर्ड उप निरीक्षक, 14 मई को एसएससी नर्सिंग और पीईटी, तथा 21 मई को पीपीएचटी परीक्षा सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी।

जेट स्ट्रीम की तेज हवाओं से बदला मौसम: मौसम में बदलाव की वजह ऊपर आसमान में तेज हवा का एक मजबूत प्रवाह है, जिसे सबट्रॉपिकल वेस्टर्ली जेट स्ट्रीम कहते हैं। यह हवा जमीन से करीब 12.6 किमी ऊपर 90 से 110 नॉट की तेज रफ्तार से चल रही है, जिसका असर मध्य और पूर्वोत्तर भारत के मौसम पर पड़ रहा है।

अगले दो दिन मौसम रहेगा शुष्क: मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। किसी प्रकार की चेतावनी फिलहाल जारी नहीं की गई है, लेकिन अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव की स्थिति बन सकती है।

रायपुर में साफ रहेगा आसमान: आज आसमान मुख्यतः साफरहने का अनुमान है। यहां अधिकतम तापमान 43°C और न्यूनतम तापमान 29°C के आसपास रह सकता है।

जगरगुंडा मेले में उमड़ी भीड़: नगाड़े की धुन में झूमे हजारों लोग, 23 पंचायतों के 54 गांवों से सिरहा, पुजारी, गायता हुए शामिल

बंदूकों की गूंज और डर के तीन दशक बाद मांदर की धुन का उत्साह

सुकमा/नवप्रदेश। तीन दशक से भी ज्यादा समय तक नक्सल दंश झेल चुके जगरगुंडा में अब मांदर व ढोल बाजे और नगाड़े की धुन सुनाई देती है। आलम यह है कि दर्जन ग्रामों के हजारों ग्रामीणों का हुजूम दशकों बाद मेले में शामिल होकर देवी की पूजा अर्चना बीहड़ कहे जाने वाले क्षेत्रों में उत्साह दिखा।

तीन दिवसीय आयोजित इस मेले में आसपास के 23 पंचायतों के 54 गांवों से सिरहा, पुजारी, गायता और पेन तलापत्ति सहित हजारों ग्रामीण शामिल हुए। दूर-दराज से जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों का जमावड़ा लगा, जिससे जगरगुंडा में रौनक देखते ही बन रही थी। स्थानीय बाजारों में लगी दुकानों पर ग्रामीणों ने जमकर खरीदारी की।

जब दीपिका हुई मेले में शामिल: मेले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने दिनभर उपस्थित रहकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ समय बिताया। उन्होंने मेला समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ

पारंपरिक रस्मों में भाग लिया। माँ दारेलम्मा के स्वागत-वंदन, पेद्दापंडुम मंडपम और देवी-देवताओं के मिलन समारोह में शामिल होकर क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति को नमन किया।

दशकों के बाद बदलाव

ग्रामीणों और मेला समिति के अनुसार यह मेला पहले 12 वर्षों में एक बार आयोजित होता था, लेकिन लंबी अवधि को देखते हुए अब इसे हर 3 वर्षों में आयोजित किया जा रहा है। सलवा जुडूम के दौर के बाद यह मेला पूरी तरह बंद हो गया था।

अभूतपूर्व उत्साह दिखा

इस बार मेले की धमक कुछ अलग ही उत्साह बयां कर रही थी। सुरक्षा को लेकर पुलिस की ओर से सारी तैयारी के बीच सहायता केंद्र भी खोले गए थे।
- **तोमेश वर्मा**, एसडीओपी, जगरगुंडा

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com